नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

• बोकारो, गुरुवार, 21 अगस्त 2025 • वर्ष : 09 • अंक : 95 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

देश और दुनिया के इतिहास में आज की प्रमुख घटनाएं

2005: बांग्लादेश और भारत की सीमा सुरक्षा बल के जवानों के बीच संघर्ष विराम का समझौता सम्पन्न।

2006: भारत रत्न से सम्मानित प्रख्यात शहनाई वादक उस्ताद बिस्मिल्ला खान का निधन।

2006: इराक के अपदस्थ राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन ने नरसंहार ट्रायल में भाग लेने से इनकार किया।

2012: अफ्रीकी देश डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ़ कांगो में इबोला वायरस के संक्रमण से 20 लोगों की जान गई।

ऑनलाइन गेम पर प्रतिबंध लगाने वाला बिल लोकसभा से पास

ऑनलाइन मनी गेमिंग की पेशकश करने पर तीन वर्ष तक की कैद या एक करोड़ रुपये लगेगा जुर्माना

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नयी दिल्ली। लोकसभा ने बुधवार को पैसे से खेले जाने वाले ऑनलाइन गेम पर प्रतिबंध लगाने से जुड़ा विधेयक पारित कर दिया। इसका मकसद इन गेम्स की लत, धन शोधन और वित्तीय धोखाधड़ी की बढ़ती घटनाओं पर अंकुश लगाना है। ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन और विनियमन विधेयक, 2025, ऑनलाइन मनी गेम्स से संबंधित विज्ञापनों पर प्रतिबंध लगाने के साथ-साथ बैंकों और वित्तीय संस्थानों को ऐसे किसी भी गेम के लिए धन की सुविधा प्रदान करने या स्थानांतरित करने से रोकता है। सदन में विपक्षी सदस्यों के विरोध के बीच इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव की संक्षिप्त टिप्पणी के बाद विधेयक को ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। विधेयक पारित होने के बाद लोकसभा की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। ऑनलाइन मनी गेम वह गेम है जिसे यूजर पैसा और अन्य फायदे जीतने की उम्मीद में पैसा जमा करके खेलता है। यह विधेयक सभी ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुआ (सट्टा और जुआ) गतिविधियों को गैरकानूनी घोषित करता है। ऑनलाइन फैंटेसी खेलों से लेकर ऑनलाइन जुआ (जैसे पोकर,

रम्मी और अन्य कार्ड गेम) और ऑनलाइन लॉटरी तक इस बिल के कानून बनने के बाद अवैध हो जाएंगे। संसद के दोनों सदनों की ओर से विधेयक पारित हो जाने के बाद, ऑनलाइन मनी गेमिंग की पेशकश या सुविधा प्रदान करने पर तीन वर्ष तक की कैद या एक करोड़ रुपये तक का जुर्माना हो सकता है। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स व सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सदन, खासकर विपक्षी सदस्यों से लोकसभा में विधेयक को सर्वसम्मति से पारित करने का अनुरोध करते हुए कहा कि जब बात समाज की हो, मध्यम वर्ग की हो या उद्योग जगत के किसी वर्ग की। जब बात समाज और सरकारी राजस्व की हो तो हमारे प्रधानमंत्री ने हमेशा समाज को चुना है। हमने कभी भी समाज के हितों से समझौता नहीं किया है। विधेयक को ध्वनिमत से पारित किए जाने के दौरान विपक्षी सदस्य लगातार नारेबाजी करते रहे। श्री वैष्णव ने कहा कि ऑनलाइन गेमिंग के तीन खंड हैं। पहला ई-स्पोर्ट्स है जिसमें रणनीतिक सोच, टीम निर्माण और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने की आवश्यकता होती है... दूसरा खंड ऑनलाइन सोशल गेम्स है, चाहे वह सॉलिटेयर हो, शतरंज हो, सुडोकू हो। ये शिक्षाप्रद और मनोरंजक हैं। इन्हें व्यापक रूप से खेला जाता है। एक तीसरा वर्ग है, ऑनलाइन मनी गेम, जो समाज में चिंता का कारण है। ऐसे लोग हैं, ऐसे परिवार हैं जो ऑनलाइन मनी गेम के आदी हो गए हैं। वे अपनी मेहनत की कमाई खो देते हैं। एल्गोरिदम कभी-कभी ऐसे होते हैं कि यह जानना मुश्किल होता है कि आप किसके साथ खेल रहे हैं। एल्गोरिदम अपारदर्शी हैं। मंत्री ने कहा कि कई परिवार तबाह हो गए हैं, कई लोगों ने आत्महत्या कर ली है।

संक्षिप्त समाचार

संदिग्ध स्थिति में नाइट गार्ड की मौत

धनबाद(नबिटा ब्यूरो)। बरवाअड्डा थाना क्षेत्र में एक नाइट गार्ड की रहस्यमयी स्थिति में मौत का मामला सामने आया है। पंडुकी निवासी विजय पांडेय का शव बुधवार सुबह एनएच-19 सर्विस लेन पर औंधे मुंह पड़ा मिला। विजय स्काईलार्क कंपनी में ब्लैक पैंथर एजेंसी के माध्यम से नाइट गार्ड के रूप में कार्यरत थे।

गड्ढे में गिरी स्कूटी महिला की मौत

कोडरमा(नबिटा ब्यूरो)। एनएच-20 पर सड़क की खराब स्थिति ने एक महिला की जान ले ली। लख्खीबागी के पास सड़क पर बने गड्ढे में स्कूटी गिरने से 52 वर्षीय मीना देवी की मौत हो गई। घटना को लेकर कोडरमा डीसी ऋतुराज ने बताया कि उक्त मार्ग के चौड़ीकरण का टेंडर हो चुका है। एनएचएआई द्वारा जल्द ही कार्य प्रारंभ किया जाएगा। फिर भी मैंने एनएच के पदाधिकारियों को एनएच पर बने गड्ढे भरने के लिए निर्देशित कर दिया है।

पानी भरे तसले में डूबने से बच्ची की मौत

कोडरमा (नबिटा ब्यूरो)। कोडरमा थाना अंतर्गत मेघातरी में पानी भरे तसले में डूबने से एक वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। मृतक बच्ची की पहचान वैशाली कुमारी के रूप में हुई है। मृतक बच्ची के पिता कृष्णा रजवार ने बताया कि बुधवार को सुबह करीब 11 बजे उनकी पत्नी, बेटी वैशाली कुमारी को घर के पास लगे नल पर नहलाने के लिए लेकर गई थी। इस बीच वह कुछ क्षण के लिए बच्ची को वहीं पर छोड़कर कहीं चली गई। इसी दौरान पानी भरे तसले में बच्ची गिर गई।

इसीएल कर्मी का कुएं से मिला शव

गोड्डा(नबिटा ब्यूरो)। जिले के ललमटिया थाना क्षेत्र के हाट डुमरिया गांव में एक कुएं से 30 वर्षीय युवक का शव मिला है। मृतक की पहचान सोगले टोला डुमरिया, मोहनपुर निवासी सुशील सोरेन के रूप में हुई है। सुशील पिछले दो साल से ईसीएल की राजमहल कोल परियोजना में कार्यरत था। वह रविवार से लापता था। थाना प्रभारी रौशन कुमार सिंह के निर्देश पर एएसआई सुरेंद्र कुमार घटनास्थल पर पहुंचे और शव को कुएं से निकलवाया। पुलिस ने पंचनामा के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए गोड्डा सदर अस्पताल भेज दिया है।

अर्द्धनग्न अवस्था में किशोर का शव बरामद

गिरिडीह(नबिटा ब्यूरो)। तीन माह पहले मामूली बात पर हुई झड़प ने एक नाबालिग की जान ले ली। मृत नाबालिग की पहचान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के पांडेयडीह निवासी रोहित कुमार दास के रूप में हुई है। रोहित की लाश बुधवार की सुबह नगर थाना इलाके के बरगंडा क्षेत्र में झाड़ियों से अर्द्धनग्न अवस्था में मिली है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। मामले में पुलिस ने एक आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है जबकि दो संदिग्धों से पूछताछ चल रही है।

सड़क हादसे में दो की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। रांची-पटना नेशनल हाईवे पर बुधवार को टोल प्लाजा और सिरसी गांव के बीच सड़क हादसे में 12 घंटे के नवजात शिशु और उसकी मौसी की मौके पर मौत हो गई जबकि बच्चे के पिता गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायल को शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जाता है कि मृत बच्चे के पिता अपनी पत्नी की बहन और नवजात शिशु को इलाज के लिए अस्पताल ले जा रहे थे। इसी दौरान एक अनियंत्रित वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे की खबर सुनते ही ग्रामीणों ने शवों को सड़क पर रखकर मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। इससे रांची-पटना नेशनल हाईवे पर लंबा जाम लग गया। इचाक प्रखंड के सीओ रामजी प्रसाद गुप्ता और थाना प्रभारी राजदीप पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। स्थानीय मुखिया नंदू कुमार ने जिला प्रशासन से मृतकों के परिजनों को मुआवजा देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि सड़क पर तेज रफ्तार और लापरवाह ड्राइविंग के कारण हादसे हो रहे हैं।

कोयलाकर्मियों के आश्रितों को नौकरी देने के लिए बनेगा एसओपी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। कोल इंडिया में आश्रितों (9:3:0) को नौकरी देने के लिए नया स्टैंडर्ड ऑपरेशन प्रोसीजर (एसओपी) बनाया जायेगा। वर्तमान व्यवस्था से आश्रितों को परेशानी हो रही है। इस पर कोल इंडिया के कई फोरम में आवाज उठ रही थी। इसके बाद दो साल पहले बनाये गये एसओपी को नया रूप देने के लिए एक कमेटी बनायी गयी है। इसमें मजदूर यूनियन की भागीदारी तय की गयी है। कमेटी के अध्यक्ष एसइसीएल के निदेशक मानव संसाधन बिरंची दास होंगे। सदस्य में अधिकारियों की ओर से इसीएल के निदेशक एचआर गुंजन कुमार सिन्हा व महिला प्रतिनिधि रितिका श्रीवास्तव होंगे। मजदूर यूनियनों में बीएमएस से संजय कुमार चौधरी, एचएमएस से शिव कुमार यादव, एटक से लखन लाल महतो तथा सीटू से आरपी सिंह को रखा गया है। कमेटी के समन्वयक कोल इंडिया के जीएम एचआर गौतम बनर्जी होंगे। कमेटी 45 दिनों के अंदर पुरानी कमेटी की रिपोर्ट का अध्ययन करेगी। इसमें जरूरी संशोधन की अनुशंसा करेगी। पहले आश्रितों को नौकरी के लिए नोटरी के शपथ से ही काम चल जाता था। इसमें सभी परिवार के लोगों की सूची रहती थी। नयी व्यवस्था में एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट से शपथ पत्र देने का प्रावधान है। इसमें परेशानी होती है। दंडाधिकारी जल्दी शपथ पत्र नहीं देते हैं। इसकी शिकायत यूनियन के प्रतिनिधियों ने कई बार कोल इंडिया के उच्च स्तरीय फोरम में की थी।

हजारीबाग में सेक्स रैकेट का भंडाफोड़, छह होटल सील

नवीन कुमार/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। हजारीबाग पुलिस ने बुधवार को रांची-पटना एनएच-33 पर स्थित छह होटलों और रेस्टोरेंट्स में चल रहे सेक्स रैकेट का खुलासा करते हुए बड़ी कार्रवाई की। पुलिस ने होटल सिद्धी विनायक, स्पायसी विला, टू-ईट, वर्णिका, सेवन डेज और रुक्मणी में एक साथ छापेमारी कर 30 कपल्स को आपत्तिजनक हालत में पकड़ा। बाद में सभी को परिजनों के हवाले कर दिया गया। पुलिस ने 17 होटल संचालक, मैनेजर और मालिकों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। सभी होटलों को अनुमंडल पदाधिकारी के आदेश पर सील कर दिया गया। जांच में पाया गया कि होटल संचालक बिना आईडी प्रूफ मात्र दो-दो घंटे के लिए कमरे उपलब्ध कराते थे। ग्राहकों को कंडोम और गर्भनिरोधक दवाएं भी वहीं उपलब्ध कराई जाती थीं। संचालकों ने

स्वीकार किया कि युवकों और युवतियों से पैसे लेकर उन्हें यौन गतिविधियों के लिए कमरे दिए जाते थे, न ही किसी रजिस्टर में एंट्री होती थी और न ही कोई रिकॉर्ड रखा जाता था। एसडीपीओ अमित आनंद के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई में महिला थाना प्रभारी विध्यंवासिनी सिन्हा, शाहिना प्रवीण, किरण कच्छप सहित 12 पुलिस पदाधिकारी, छह दंडाधिकारी और बड़ी संख्या में पुलिस बल शामिल रहे। पुलिस ने कहा कि ऐसे धंधे हजारीबाग जैसे शैक्षणिक नगर के युवाओं पर गंभीर असर डाल रहे हैं। भविष्य में भी इस तरह की सूचना मिलने पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। मुफस्सिल थाना में कांड संख्या 141/25 दर्ज कर सभी आरोपियों पर बीएनएस की धाराओं के साथ-साथ अनैतिक व्यापार निवारण अधिनियम 1956 की धारा 3/4/5 के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस बड़ी कार्रवाई से पूरे जिले में सनसनी फैल गई है और इसे अपराध पर नकेल कसने की बड़ी पहल माना जा रहा है।

स्कॉर्पियो की टक्कर से महिला की मौत

जामताड़ा(नबिटा ब्यूरो)। नारायणपुर थाना क्षेत्र के मझलाडीह नयाडीह गांव के पास सड़क हादसे में 65 वर्षीय महिला की मौत हो गई। मृतक की पहचान स्व. बाबूलाल रविदास की पत्नी रुकिया देवी के रूप में हुई है। रुकिया देवी पैदल चलकर मनसा पूजा का प्रसाद लेने जा रही थीं। इसी दौरान धनबाद की ओर से आ रही एक स्कॉर्पियो ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद स्कॉर्पियो चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना पर स्थानीय लोग इकट्ठा हो गए। उन्होंने मुआवजे की मांग को लेकर सड़क जाम कर दिया। नारायणपुर पुलिस और अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर लोगों को समझाया। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। फरार स्कॉर्पियो और चालक की तलाश जारी है।

रैयतों व पुलिस के बीच धक्का-मुक्की

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बोकारो। जिले के सियालजोरी थाना क्षेत्र स्थित वेदांता इलेक्ट्रो स्टील प्लांट गेट पर बुधवार को रोजगार की मांग को लेकर रैयतों का आंदोलन हिंसक रूप ले लिया। गेट जाम करने पहुंचे रैयतों और पुलिस के बीच जमकर धक्का-मुक्की और पथराव हुआ। हालात बेकाबू होने पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। इसमें सियालजोरी थाना प्रभारी मनीष कुमार गंभीर घायल हो गए। बताया जाता है कि सुबह से ही बड़ी संख्या में रैयत रोजगार की मांग को लेकर प्लांट गेट पर जुटे थे। प्रशासन की ओर से उन्हें जाम हटाने के लिए समझाने की कोशिश की गई लेकिन रैयत अपनी मांग पर अड़े रहे। इसी दौरान उग्र रैयतों ने थाना प्रभारी पर हमला कर दिया। सिर पर चोट लगने से वे घायल हो गए और उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया

गया। स्थिति नियंत्रण से बाहर देख पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। इसमें कई पुरुष और महिलाएं चोटिल हो गईं। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। रैयतों का आरोप है कि प्लांट प्रबंधन ने उन्हें रोजगार देने का आश्वासन पहले ही दिया था लेकिन लंबे समय से वादे पर अमल नहीं किया गया। इसी नाराजगी के चलते उन्होंने गेट जाम कर आंदोलन किया। पुलिस प्रशासन का कहना है कि हालात अब नियंत्रण में हैं। वहीं रैयतों ने चेतावनी दी है कि अगर रोजगार की मांग पूरी नहीं हुई तो वे आंदोलन को और तेज करेंगे।

युवक ने फांसी लगा की आत्महत्या

मेदिनीनगर(नबिटा ब्यूरो)। शहर थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। हमीदगंज शिव कुमार लाल रोड निवासी रोहित कुमार शर्मा ने बड़े भाई से हुए विवाद के बाद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना मंगलवार रात की है। रोहित का अपने बड़े भाई से किसी बात को लेकर विवाद हुआ। इसके बाद वह अलग कमरे में सोने चला गया। सुबह करीब 6 बजे परिवार के सदस्यों ने उसे फांसी के फंदे से लटकता देखा। उसे तुरंत मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की मां ने अस्पताल पुलिस चौकी में बताया कि विवाद की रात वह अपनी बेटी और बड़े बेटे के साथ दूसरे कमरे में सोई थी। स्थानीय लोगों के अनुसार रोहित घरेलू विवाद और आर्थिक तंगी से परेशान था।

बिजली घर पर हमला, केबल और सामान लूटा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। जिले के बरोरा थाना क्षेत्र स्थित बीसीसीएल बिजली घर में मंगलवार की देर रात नकाबपोश अपराधियों ने धावा बोलकर जमकर उत्पात मचाया। 30 की संख्या में लाठी-डंडे और हथियारों से लैस अपराधी सेंधमारी कर अंदर घुसे और ड्यूटी पर तैनात कर्मियों से मारपीट की। अपराधियों ने कर्मियों को बंधक बना लिया और लाखों का केबल काटकर ले गए। घटना के दौरान अपराधियों ने सीसीटीवी कैमरे को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। जाते वक्त उन्होंने कर्मियों से नगदी, मोबाइल, टॉर्च और अन्य सामान भी लूट लिया। मारपीट में बीसीसीएल कर्मी ब्रजेश यादव गंभीर रूप से घायल हो गए जबकि कर्मी राजीव कुमार और पोल मेन अनिल को भी चोटें आई हैं। कर्मचारियों ने बताया कि अचानक बड़ी संख्या में नकाबपोश अपराधी बिजली घर में घुस गए। सभी हथियारबंद थे और पहुंचते ही मारपीट शुरू कर दी। इसके बाद उन्हें बंधक बनाकर केबल समेत अन्य सामान लूट लिया गया। घटना से कर्मचारी दहशत में हैं। घटना के बाद कर्मचारियों ने बीसीसीएल प्रबंधन पर रात्रि पाली में सुरक्षा गार्ड की व्यवस्था नहीं करने का आरोप लगाया और कहा कि उनकी जान को लगातार खतरा बना हुआ है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई है।

सीएम हेमंत सोरेन ने दिवंगत मंत्री रामदास सोरेन को दी श्रद्धांजलि

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जमशेदपुर। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनकी पत्नी सह गांडेय विधायक कल्पना सोरेन ने बुधवार को जमशेदपुर में पूर्व मंत्री और घाटशिला के दिवंगत विधायक रामदास सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री घोड़ाबांधा स्थित दिवंगत मंत्री के आवास पर पहुंचे। उन्होंने परिजनों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की। साथ ही दुख की इस घड़ी में हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। दिवंगत मंत्री को श्रद्धांजलि देने पर मुख्यमंत्री श्री सोरेन ने लिखा कि प्रकृति की गोद में बाबा दिशोम गुरुजी के चले जाने के बाद रामदास दा का इस तरह से चले जाने की पीड़ा मेरे लिए अत्यंत असहनीय है। यह जो शून्यता बनी है, इसकी भरपाई

शायद ही कभी हो पाएगी। स्मृति शेष बाबा दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी के नेतृत्व में लंबे समय तक चले झारखण्ड अलग राज्य आंदोलन में स्व रामदास दा का अहम योगदान था। उनका व्यवहार काफी सरल और सहज था। एक क्रांतिकारी-आंदोलनकारी के साथ-साथ उनका सामाजिक सरोकार काफी व्यापक था। वे अपने सार्वजनिक जीवन में लोगों के दुःख-दर्द और समस्याएं को दूर करने के लिए हमेशा खड़े रहते थे। राज्य में शिक्षा व्यवस्था को उत्कृष्ट बनाने को लेकर भी वे सजग रहते थे। शिक्षा को और कैसे बेहतर बनाया जाए, राज्य के हमारे नौनिहालों को कैसे उत्कृष्ट शिक्षा मिले, इसे लेकर हमारी कई बार चर्चा भी हुई थी। स्व रामदास दा सशरीर हमारे साथ नहीं हैं, लेकिन उनका व्यक्तित्व और कार्य सदैव सभी को उर्जा प्रदान करता रहेगा। मरांग बुरु दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिजनों को दुःख की घड़ी सहन करने की शक्ति दे। इस दुःख की घड़ी में पूरा झामुमो परिवार, शोकाकुल परिवार के साथ खड़ा है। महान आंदोलनकारी स्व रामदास दा अमर रहें! अमर रहें! अमर रहें!

FOR REGISTRATION : ISO, TRADE MARK, PATENT

DESIGN AND COPYRIGHT, ATTORNEY

GLOBAL VISION

(A Complete Solution in Professional Services)

: Regd. Office/ Head Office :

Manaitand, Near Water Tank

Dhanbad, Jharkhand- 826001

Command Office : Jagat Trade Centre, Patna

Contact No.- 9835333441, 8210823092

E-Mail : globalvision96@yahoo.in

उदय सिंह ने कहा- सरकार के गठन के 5 मिनट के अंदर कानून को खत्म किया जाएगा

जनसुराज के राष्ट्रीय अध्यक्ष बोले- लोग खुलेआम शराब पी रहे

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया में जनसुराज के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय सिंह ने बिहार में लागू शराबबंदी को लेकर बयान दिया है। राज्य में लागू शराबबंदी कानून पर बोलते हुए कहा कि शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में लोग खुलेआम शराब पी रहे हैं। बिहार में जनसुराज की सरकार बनी, तो सरकार के गठन के 5 मिनट के अंदर शराब बंदी कानून खत्म कर दी जाएगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय सिंह ने ये बयान पूर्णिया स्थित आवास पर अपनी टीम के साथ बुलाए गए एक प्रेसवार्ता के दौरान कही। उदय सिंह उर्फ पप्पू सूंघने प्रेस को संबोधित करते हुए बिहार के सभी 243 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारने का दावा किया। प्रेस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रत्याशियों के नाम पर विधानसभा वार फीडबैक लिया जा रहा है। पार्टी टिकट देते समय स्थानीय और राजनीतिक अनुभव रखने वाले लोगों प्राथमिकता देगी। ऐसे उम्मीदवारों के नाम को लेकर गहन मंथन जारी है।

सीमांचल का इलाका गरीबी और पलायन का शिकार

सीमांचल का इलाका गरीबी और पलायन का शिकार है। पार्टी का मकसद राज्य की व्यवस्था को सुधारना है। उम्मीद है कि लोग जाति और धर्म से उठकर जन सुराज को समर्थन करेंगे। 3 साल के जनसंपर्क अभियान के बाद बिहार में जन सुराज का नाम लोगों की जुबान पर है। इतने कम समय में राज्य को एक अच्छा विकल्प मिला है। बिहार के लोगों की जिम्मेदारी बनती है, कि बदलाव करें। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पताल के डॉक्टर मरीज को प्राइवेट में जाने की बात कह रहे हैं। लोगों को आयुष्मान कार्ड की जानकारी नहीं है। आगामी 17 सितंबर को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूर्णिया आएंगे और हवाई सेवा का उद्घाटन करेंगे। पूर्णिया रेल के मामले में हमेशा से पीछे रहा है। आशा है कि आने वाला 17 सितंबर पूर्णिया के लिए बड़ा दिन होगा। सुविधाएं बढ़ाने से विकास में गति आती है।

10 जिलों में संभावित उम्मीदवार के नाम की चर्चा

प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती ने कहा कि हम लोगों के पूर्णिया में प्रवास का मकसद पूर्णिया और आसपास के 10 जिलों में संभावित उम्मीदवार के नाम की चर्चा करना है। एक साथ सभी विधानसभा का फीडबैक लेने इकट्ठा हुए हैं। जनसुराज के प्रदेश कोषाध्यक्ष सह पूर्णिया के अवकाश प्राप्त पूर्व डीएम अरविंद सिंह ने कहा कि हमारा मकसद राजनीति नहीं बल्कि बिहार का विकास करना है। अवकाश प्राप्त आईपीएस जितेंद्र मिश्रा ने सीमांचल से बड़ी संख्या में रोजगार के लिए मजदूरों के पलायन पर चिंता जताई।

वोटर अधिकार यात्रा की सराहना

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के वोटर अधिकार यात्रा की सराहना करते हुए कहा कि राहुल गांधी ने महत्वपूर्ण मुद्दा उठाया है।वोट की गड़बड़ी को लेकर उन्होंने एक विधानसभा की बात की।जबकि वोट में गड़बड़ी का खेल कब से चल रहा है, ये पता नहीं।लेकिन साल 2019 में वे लोकसभा का चुनाव हार गये थे, तब यहां के लोगों ने आश्चर्य व्यक्त किया था। वोटर लिस्ट में गड़बड़ी हुई है, तभी तो जिन लोगों को बताया गया, वे लोग जीवित निकले।

बोधगया में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा की तैयारी:भाजपा नेताओं ने घर-घर जाकर बांटे निमंत्रण पत्र

गया, एजेंसी। गया में भारतीय जनता पार्टी के नेता डॉ. मनीष पंकज मिश्रा और अन्य कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आने वाली जनसभा के लिए जनसंपर्क अभियान चलाया। उन्होंने नूतन नगर, चांद चौरा, कालीबाड़ी और रविदास टोला क्षेत्रों में लोगों को निमंत्रण पत्र वितरित किए। कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों के साथ प्रत्येक परिवार को आमंत्रित किया। डॉ. मिश्रा ने बताया कि 22 अगस्त को बोधगया में होने वाला यह कार्यक्रम मगध क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री मोदी इस दौरान जनता से संवाद करेंगे।

विष्णु कॉरिडोर का शिलान्यास होगा

गया को इस दौरे में करीब 100 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाएं मिलेंगी। विष्णु कॉरिडोर का शिलान्यास होगा। अमृत भारत योजना के तहत गया से दिल्ली के लिए नई ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाई जाएगी। स्थानीय नागरिकों ने निमंत्रण अभियान में उत्साह दिखाया। लोगों ने प्रधानमंत्री के समर्थन में नारे लगाए। डॉ. मिश्रा ने इस कार्यक्रम को ऐतिहासिक बताते हुए अधिक से अधिक संख्या में लोगों से पहुंचने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम न सिर्फ गया बल्कि पूरे बिहार के विकास को नई दिशा देगा।

संक्षिप्त समाचार

नौटंकी यात्रा से फैलाया जा रहा भ्रम ; वो बांग्लादेशियों के लिए परेशान : अजय आलोक

आरा, भोजपुर, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता अजय आलोक ने मंगलवार को आरा परिसदन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित किया। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अजय आलोक ने राहुल गांधी और तेजस्वी यादव पर जमकर निशाना साधा। राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए अजय आलोक ने कहा कि हम आरा आ रहे थे, तो देखा कि एक पोस्टर लगा है, 30 अगस्त को उधार के गांधी यानी नकली गांधी आरा पधार रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस व्यक्ति को, इस परिवार को अपना नाम लिखने में भी शर्म आती है। इनके दादा का नाम फिरोज जहांगीर गैंडी था। ये गैंडी से गांधी बना। इंदिरा गांधी के समय से और 50 सालों से लोगों को बोलते बोलते यह गैंडी अब गांधी परिवार बन गया। इस लिए मैं उधार की गांधी बोल रहा हूं। उन्होंने कहा कि ये उधार के गांधी कहते है। अगर हम सत्ता में आएंगे तो ये तीनों चुनाव आयुक्त को हम नहीं छोड़ेंगे। इनको हम खींचकर मारेंगे। क्या आप इस देश के बाप है। अजय आलोक ने कहा कि ये वोट चोरी की बात करते है। इनको दिक्कत भारत से है। नौटंकी यात्रा से भ्रम फैलाया जा रहा है। अराजकता फैलाने शुंभ-निशुंभ निकले हैं। आज वो जवाब दें ,क्या बांग्लादेशियों के लिए दिल धक-धक कर रहा है। तेजस्वी यादव पर तंज कसते कहा कि छोटा रिचार्ज नौंवी फेल है। देश के खिलाफ काम कर रहा है। क्या बिहार में इसका असर अच्छा पड़ेगा। राहुल गांधी को जन नायक कहने पर अजय आलोक ने कहा कि जन नायक का मतलब भी समझते है। अपने घर के तो नायक नहीं बन सके। कांग्रेस पार्टी के तो नायक नहीं बन सकें। अध्यक्ष पद छोड़ा, तो दोबारा अध्यक्ष पद लेने नहीं गए। लीड करने की क्षमता नहीं है, जन नायक बनने लगे। अजय आलोक ने बताया कि जेपी के बाद कर्पूरी ठाकुर को बिहार ने जन नायक कहा था। फिर पता चलेगा ये राष्ट्रपिता बनने चलेंगे। पूर्व केंद्रीय मंत्री आर के सिंह और पवन सिंह के साथ एक तस्वीर वायरल हो रही है। उस पर पूछे गए सवाल पर अजय आलोक ने कहा कि कोई एक व्यक्ति इतना महान नहीं होता है, कि पार्टी को सीधे चोट दें दे। पवन सिंह खुद चुनाव लड़े थे।

बिहार में लोगों के साथ पुलिसवालों ने ली सेल्फी तो होगी कार्रवाई : डीजीपी विनय कुमार

पटना, एजेंसी। बिहार के डीजीपी विनय कुमार ने पुलिस पदाधिकारियों को आम जनों, स्थानीय प्रतिनिधि व मीडिया कर्मियों के साथ ली जाने वाली फोटो व सेल्फी पर रोक लगा दी है। उन्होंने सभी क्षेत्रीय आईजी, डीआईजी व जिलों के एसपी को पत्र लिखकर इससे अवगत कराया है। डीजीपी ने कहा है कि कतिपय लोगों द्वारा निहित स्वार्थ में सेल्फी का अनुचित उपयोग कर काम कराने का प्रयास किया जा रहा है। चूंकि बिहार पुलिस को सौंपी गयी कार्य प्रकृति काफी संवेदनशील होती है, इसलिए पुलिस पदाधिकारी शिष्टाचार भेंट के क्रम में सेल्फी/ फोटोग्राफ आदि से यथासंभव परहेज करें। आदेश के अवहेलना होने पर आचार नियमावली में किये गये प्रावधानों के आलोक में अनुशासनिक कार्रवाई की जायेगी। डीजीपी ने कहा कि बिहार सरकारी सेवक आचार नियमावली 1976 एवं अखिल भारतीय सेवा नियमावली 1968 में निहित प्रावधान राज्य कर्मियों के साथ पुलिस पदाधिकारियों पर भी लागू होते हैं।

घर का छत गिरा, मलबे में दबे 3 लोग: नालंदा में दादी-पोते की मौत

नालंदा, एजेंसी। नालंदा में 60 साल पुराना मकान का जर्जर छत गिर गया। इससे घर के तीन सदस्य मलबे में दब गए। दादी और पोते की इस घटना में मौत हो गई है। जबकि, एक भाई जख्मी है। मामला रहुई प्रखंड के इमामगंज गांव का है। हादसे में 14 साल के किशोर की मौत हो गई है। घटना मंगलवार की रात हुई है। मृतक की पहचान धर्मवीर कुमार के 14 साल के बेटे आशीष कुमार के रूप में की गई है। दादी (80) आनंदी महतो की पत्नी फुलिया देवी की आज मौत हो गई है। जबकि, छत के मलबे में दबकर आशीष का छोटा भाई (12) निरंजन कुमार जख्मी हो गया। जिन्हें इलाज के लिए पावापूरी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

घटना के सम्बन्ध में मृतका की मां शोभा देवी ने बताया कि रात में बच्चे अपने दादी के साथ सोए हुए थे। तभी अचानक छत भर-भरा कर नीचे गिर गई। तेज आवाज हुई, जिसके कारण मेरी नींद खुली, बच्चे और उनकी दादी मलबे में दबे हुए थे।

इलाज के समय 2 की मौत

आसपास के लोगों की मदद से तीनों को बाहर निकाला गया और इलाज के लिए बिहार शरीफ मॉडल अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से बेहतर उपचार के लिए आशीष और उसकी दादी को पावापुरी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। जहां आशीष और दादी की इलाज के दौरान मौत हो गई।

भाई जख्मी, 60 साल पुराना था मकान

केरल में मजदूरी करते पिता

धर्मवीर कुमार घर के जीवकोपार्जन चलाने के लिए केरल में रहकर मजदूरी करने का काम करते हैं। इस हादसे के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है। घटना की सूचना पर धर्मवीर गांव लौट रहे हैं। परिवार वालों की मांग है कि सरकार उचित मुआवजा और रोजगार दें। इलाज की बेहतर व्यवस्था हो सके। दोनों बच्चे अपनी मां के साथ सोए हुए थे। गर्मी लगने की वजह से वह दादी के कमरे में चले गए। जहां पंखा लगा हुआ था। तभी अचानक देर रात हादसा हो गया। कल शाम यहां बारिश भी हुई थी। इस मामले में रहुई थाना अध्यक्ष कुणाल कुमार ने बताया इलाज के क्रम में एक बच्चा और उसकी दादी की मौत हो गई है। पुलिस शव को कब्ज में लेकर पोस्टमार्टम कराने की प्रक्रिया में जुट गई है। मकान का छत पुराना हो गया था। तभी देर रात हादसा हुआ है।

बांका में प्रसव के समय महिला की मौत सास ने लगाया लापरवाही का आरोप

कहा- रेफर करने में देरी की

भागलपुर, एजेंसी। बांका के बनहुआकुरा थाना क्षेत्र की एक गर्भवती महिला की प्रसव के दौरान मौत हो गई। मृतका की पहचान हरिलवा गांव निवासी मो इक़बाल अंसारी की पत्नी नसीमा बीबी (34) के रूप में हुई है। सोमवार रात करीब 9 बजे नसीमा को प्रसव पीड़ा होने पर बौसी अस्पताल लाया गया। मृतका की सास रकिंवा देवी के अनुसार, अस्पताल में मौजूद नर्स घंटों तक सोती रहीं। विनती करने पर नसीमा को लेबर रूम में ले जाया गया। रात से सुबह तक प्रसव नहीं हो सका। परिजनों ने निजी अस्पताल ले जाने की अनुमति मांगी, लेकिन अस्पताल कर्मियों ने मना कर दिया। नर्स की ओर से दिए गए कई इंजेक्शन के बाद भी स्थिति नहीं सुधरी।

दबाव के कारण बच्चेदानी फटी

एनम और नर्स ने पेट को दबाकर प्रसव कराने का प्रयास किया। इस दौरान अधिक दबाव के कारण बच्चेदानी फट गई और तेज रक्तस्राव होने लगा। गंभीर स्थिति को देखते हुए नसीमा को भागलपुर के जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया। रास्ते में ही उनकी मृत्यु हो गई। बता दें कि शव को भागलपुर लाया गया था। परिजनों का कहना है कि रेफर करने में देरी की गई। इस कारण ही मौत हुई है। मृतका के दो बेटा और दो पुत्रियां हैं। परिजनों ने बौसी अस्पताल प्रशासन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है।

मुजफ्फरपुर में पुल के नीचे मिली महिला की लाश

गुस्साए लोगों ने पुलिस की गाड़ी का शीशा तोड़ा

कहा- पुलिसकर्मी गश्ती करते, तो ये नहीं होता

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर के कुढ़नी थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह एक महिला की लाश मिली है। गरहुआ चौर स्थित पुल के नीचे से अज्ञात महिला (25) का शव मिला। शुरुआती जांच में आशंका जताई जा रही है कि महिला की गला रेतकर हत्या की गई और हत्या के बाद शव को पुल के नीचे फेंक दिया गया। घटना से गुस्साए लोगों ने पुलिस की गाड़ी का शीशा तोड़ दिया है। सुबह करीब 8 बजे स्थानीय लोगों ने पुल के नीचे शव देख कर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही कुढ़नी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेज दिया। मृतका की शिनाख्त अब तक नहीं हो पाई है। पुलिस महिला की पहचान के लिए आसपास के थानों से भी संपर्क कर रही है। ग्रामीणों के अनुसार यह घटना देर रात करीब 1:30 से 2 बजे के बीच हुई। आशंका है कि महिला की हत्या घटनास्थल के पास ही की गई और फिर शव को पुल के नीचे फेंका गया।

पुलिस की गाड़ी पर लोगों ने किया हमला

मृतका का शव मिलने के बाद घटनास्थल पर तनाव की स्थिति बन गई। मौके पर पहुंची पुलिस की गाड़ी को उपद्रवियों ने क्षतिग्रस्त कर दिया। अचानक हुई इस घटना से ग्रामीणों में दहशत फैल गई है।

जिले में बढ़ते अपराध से लोग आक्रोशित

पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच तेज कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि महिला की पहचान और हत्या के कारणों का पता लगाने के लिए हर पहलू से जांच की जा रही है। ग्रामीण शंकर कुशवाहा ने कहा है कि सुबह में महिला की हत्या कर फेंकने की सूचना मिली। लाश की अभी तक पहचान नहीं हो सकी है। डीएसपी कई थानों की पुलिस के साथ घटना स्थल पर पहुंचे हैं। जिले में बढ़ते अपराध से लोग आक्रोशित है। घटना स्थल पर जैसे ही पुलिस टीम पहुंची ग्रामीण आक्रोशित हो गए। फिर पुलिस गाड़ी पर पथराव किया। ग्रामीणों का कहना है कि पुलिस इलाके में गशित करती, तो शायद घटना नहीं घटती। पश्चिमी एसडीपीओ अनिमेश चंद्र ज्ञानी घटनास्थल पर पहुंचे है। उन्होंने कहा कि मृतका देखने में शादीशुदा लग रही है और उसकी उम्र करीब 25 साल आंकी जा रही है। मौके से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। शव की शिनाख्त अभी तक नहीं हो पाई है। अपराधियों की पहचान कर जल्द ही गिरफ्तारी की जाएगी। वैज्ञानिक तरीके से जांच की जा रही है। एफएसएल की टीम पर पहुंच रही है

दरभंगा में मतदान केंद्र के मूलभूत सुविधाओं की समीक्षा

दो मतदान केंद्रों पर बिजली नहीं होने की सूचना ,डीएम ने कार्रवाई के दिए आदेश

दरभंगा, एजेंसी। दरभंगा के समाहरणालय स्थित बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर सभागार में मंगलवार को बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 की तैयारी को लेकर संयुक्त समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी दरभंगा कौशल कुमार व वरीय पुलिस अधीक्षक जगुनाथ रेड्डी जला रेड्डी ने संयुक्त रूप से की। बैठक में 78-कुशेश्वरस्थान और 79-गौड़ाबौराम विधानसभा क्षेत्र के निर्वाची पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी, सेक्टर पदाधिकारी व सभी थाना अध्यक्ष शामिल हुए। जिलाधिकारी ने जानकारी दी कि कुशेश्वरस्थान में 300 और गौड़ाबौराम में 296 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। सभी मतदान केंद्रों की स्थिति और मूलभूत सुविधाओं की समीक्षा की गई। इस दौरान दो मतदान केंद्रों पर बिजली उपलब्ध नहीं होने की सूचना मिली।

मतदान केंद्र पर सुविधा उपलब्ध कराने का निर्देश : डीएम ने निर्देश दिया कि सभी सेक्टर पदाधिकारी व प्रखंड विकास पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों के मतदान केंद्रों का भौतिक सत्यापन कर शौचालय, पेयजल, रैंप, बिजली और पहुंच मार्ग जैसी न्यूनतम मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करें। उन्होंने संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी व प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी को आपसी समन्वय स्थापित कर हर मतदान केंद्र पर सुविधा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। इसके साथ ही, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को मतदान केंद्रों के लोकेशन की सूची थानाध्यक्ष को उपलब्ध कराने और थानाध्यक्ष को प्रत्येक मतदान केंद्र का भौतिक सत्यापन सुनिश्चित करने का आदेश दिया गया। डीएम ने स्पष्ट कहा कि निर्वाचन काम में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का शत-प्रतिशत पालन अनिवार्य होगा। बैठक में सेक्टर संख्या 29, 33 और 36 के मतदान केंद्रों की जांच के लिए अनुमंडल पदाधिकारी बिरौल को विशेष निर्देश दिए गए। साथ ही, आवश्यकता पड़ने पर सेक्टरों की संख्या बढ़ाने के लिए प्रतिवेदन देने को कहा गया। वहीं, वरीय पुलिस अधीक्षक ने सभी थानाध्यक्षों को निर्देशित किया कि वे मतदान केंद्रों का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्था का फीडबैक हासिल करें और आवश्यक कदम सुनिश्चित करें।

पानी से भरे गढ्ढ़े में डूब कर मासूम की मौत

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर में मंगलवार को एक बच्चे की मौत हो गई। खेलते-खेलते गांव का तीन साल का मासूम सत्यम कुमार पानी भरे गड्ढे में जा गिरा। कुछ ही देर में उसकी सांसें थम गईं। इकलौते बेटे की मौत से परिवार में कोहराम मच गया है। मां गुड़िया देवी बार-बार बेहोश हो जा रही हैं, जबकि पिता रणजीत सहनी रो-रोकर चिल्ला रहे हैं। मामला पारू थाना क्षेत्र के चाकी सोहागपुर गांव का है। गांववालों के मुताबिक, सत्यम अपने दादा जगेश्वर सहनी के साथ घर से बाहर निकला था। दादा किसी काम में उलझ गए। तभी मासूम खेलते-खेलते पास में बने पानी भरे गड्ढे में चला गया। लोगों ने शोर मचाया और दौड़कर उसे बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी जान जा चुकी थी।

मजदूरी कर परिवार चलाते हैं पिता

सत्यम परिवार का इकलौता बेटा था। पिता रणजीत सहनी गांव में रहकर मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। बेटे की मौत की खबर सुनकर वे फूट-फूटकर रो पड़े। चाचा सुनील सहनी ने बताया कि परिवार पहले से ही आर्थिक तंगी से गुजर रहा है। अब इस हादसे ने सब कुछ उजाड़ दिया। घटना के बाद पूरे गांव में मातम छा गया। आसपास के लोग परिवार को ढांढस बंधाने पहुंचे, लेकिन मां-बाप की चीखें सुनकर हर किसी की आंखें नम हो गईं। ग्रामीणों का कहना है कि बरसात के दिनों में जगह-जगह गहरे गड्ढों में पानी भर जाता है। इन पर ध्यान न देने से हर साल हादसे होते हैं। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द ऐसे गड्ढों को पाटने और जलजमाव रोकने की व्यवस्था की जाए, ताकि मासूमों की जिंदगी खतरे में न पड़े।

चुरचू में 10वां नमो फुटबॉल टूर्नामेंट शुरू

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। सांसद खेल महोत्सव-2025 के तहत बुधवार को मांडू विधानसभा क्षेत्र के चुरचू स्थित आदर्श हाई स्कूल, कारूखाप मैदान में 10वें नमो फुटबॉल टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ हुआ। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र में क्रमवार आयोजित किए जा रहे इस खेल महोत्सव का उद्घाटन सांसद मनीष जायसवाल द्वारा किया गया। टूर्नामेंट का पहला मुकाबला एफसी कशियाडिह और जख्मी एलेवन जुल्फीया के बीच खेला गया। कुल 32 टीमों की भागीदारी से यह प्रतियोगिता खिलाड़ियों और दर्शकों दोनों के लिए रोमांचक होने जा रही है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के वरिष्ठ नेता रंजीत कुमार सिन्हा उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के तौर पर मांडू विधानसभा सांसद प्रतिनिधि द्वारिका सिंह, आजसू जिलाध्यक्ष सह समाजसेवी परमेश्वर महतो, मांडू विधानसभा मीडिया सांसद प्रतिनिधि रीमा कुमारी, चुरचू सांसद प्रतिनिधि फुलेश्वर महतो, चुरचू मंडल अध्यक्ष शशि कुमार साहू, हेंदेगढ़ा मुखिया गिरजा कुमारी, पंचायत समिति सदस्य मालती देवी, चरही पंचायत सदस्य आशा राय, महामंत्री रोहित महतो, उपमुखिया दशरथ महतो सहित कई जनप्रतिनिधि एवं समाजसेवी मौजूद रहे। इसके अलावा डाड़ी मंडल अध्यक्ष बसंत प्रजापति, छत्रधारी महतो, प्रेमनाथ महतो, लालचंद महतो, महादेव विश्वकर्मा, पारस महतो, पवन कुमार, आशुतोष कुमार, हरेन्द्र ठाकुर, गणेश महतो, अशोक तुरी, रमेश यादव समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं खेल प्रेमी उपस्थित थे। टूर्नामेंट का संचालन हजारीबाग जिला के आयोजक बंटी तिवारी व उनकी टीम द्वारा किया जा रहा है।

हीरो एशिया कप 2025 के सफल आयोजन हेतु डीएम व एसपी ने किया निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। स्पोर्ट्स क्लब राजगीर में हीरो एशिया कप 2025 के सफल आयोजन हेतु संबंधित पदाधिकारियों के साथ डीएम कुंदन कुमार एवं पुलिस अधीक्षक भारत सोनी स्थलीय निरीक्षण किया। विदित हो कि बिहार राज्य खेल प्राधिकरण, पटना के तत्वाधान में राजकीय खेल अकादमी- सह- खेल परिसर, राजगीर में हीरो एशिया कप 2025 का आयोजन 29 अगस्त से 7 सितम्बर 2025 तक निर्धारित है। इस प्रतियोगिता में कुल 8 देशों यथा भारत, चीन, जापान , चीन ताइपे, मलेशिया, दक्षिण कोरिया, कजाकिस्तान एवं बांग्लादेश की टीमें भाग ले रही हैं। निरीक्षण के क्रम में हीरो एशिया कप 2025 के अवसर पर नियंत्रण कक्ष, साफ सफाई, आवास,खानपान व्यवस्था, परिवहन, यातायात व्यवस्था, विधि व्यवस्था, प्रचार प्रसार, पेयजल, शौचालय, पार्किंग, लाइटिंग, दर्शकों की बैठने की व्यवस्था, यातायात रुट प्लानिंग आदि हेतु उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। यह प्रतिष्ठित पुरुष हॉकी टूर्नामेंट का 12वां संस्करण बिहार में पहली बार 29 अगस्त से 7 सितंबर 2025 तक राजगीर खेल परिसर के अत्याधुनिक अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में आयोजित होगा। बिहार में हीरो एशिया कप- 2025 का आयोजन हम सभी के लिए गौरव की बात है। यह न केवल राज्य की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेल आयोजन की क्षमता को प्रदर्शित करेगा बल्कि पर्यटन, कला और संस्कृति के क्षेत्र में भी बिहार की वैश्विक छवि को और सुदृढ़ करेगा। बिहार में पहली बार आयोजित हीरो एशिया कप 2025 टूर्नामेंट में भारत, चीन, जापान, चीनी ताइपे, मलेशिया, दक्षिण कोरिया, कजाकिस्तान और बांग्लादेश की टीमें हिस्सा लेंगी। इस अवसर पर नगर आयुक्त, उप विकास आयुक्त, सहायक समाहर्ता, अपर समाहर्ता, अपर समाहर्ता आपदा, अनुमंडल पदाधिकारी,भूमि सुधार उपसमाहर्ता सहित संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जान जोखिम में डाल बस की छत पर बैठ यात्रा कर रहे यात्री

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। जिले में आए दिन दुर्घटना घट रही है। बावजूद बसों में कोई खास असर दिखाता नजर नहीं आ रहा है। जिले के विभिन्न रुटों में चलने वाली निजी बसों में ओवरलोडिंग हो रही है। बता दें कि प्रतिदिन दुर्घटना होने के बावजूद भी बस संचालक सवारियों को बस की छत पर सफर करवाया जा रहा है। यहां निजी बस मालिक लगातार क्षेत्र में अपनी बसों में यात्रियों को छतों पर भेड़-बकरियों की तरह ठूंस-ठूंस कर भर रहे हैं। निजी बस मालिक चंद पैसों की खातिर यात्रियों की जान को जोखिम में डालकर ओवरलोडिंग करने में लगे हुए हैं। यहां तक जिले में जब कहीं भी बस हादसा होता है तो उस वक्त बड़े-बड़े नेता व प्रशासन एक दम हरकत में आते हैं। साथ ही बड़े-बड़े कानून बनाने की बातें कहते हैं, लेकिन कुछ समय बाद फिर स्थिति पहले जैसे ही हो जाती है। यातायात नियमों की अवहेलना पर कोई सख्त कार्रवाई नहीं होती। यहां तक तक की जब कभी बस चालक की नजर पुलिस पर पड़ती है तो बस चालक बसों में सवारियों को छतों से उतार कर अंदर ठूंस दिया जाता है। परिवहन मंत्री के आदेशों की निजी बस मालिक कोई भी परवाह नहीं करते हैं। जम्होर के प्रदीप कुमार, विकास साव, औरंगाबाद शाहपुर के बब्लू सिंह ने बताया कि झारखंड के रांची से आ रहे हैं। ट्रेन से अनुग्रह नारायण रोड स्टेशन उतरे तो बस में भीड़ अत्यधिक थी। मजबूरन जान जोखिम में डालकर बस के छत के ऊपर बैठ गए। जान जोखिम में डालकर किसी तरह औरंगाबाद पहुंचे है। एमवीआई औरंगाबाद ने बताया कि ओवरलोडिंग वाहनों के खिलाफ हमेशा जांच अभियान चलाकर कार्रवाई की जाती है।

महिला चिकित्सक की कमी से प्रभावित हो रहा संस्थागत प्रसव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हुलासगंज। सरकार एक ओर संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के लिए स्वास्थ्य केंद्रों को संसाधनों से सुसज्जित कर रही है, वहीं दूसरी ओर महिला चिकित्सकों की भारी कमी इस अभियान को बुरी तरह प्रभावित कर रही है। हुलासगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में संस्थागत प्रसव की सबसे बड़ी बाधा महिला चिकित्सक की अनुपस्थिति बन गई है। करीब सवा लाख की आबादी वाले प्रखंड क्षेत्र में तीन अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के साथ हुलासगंज सीएचसी पर जच्चा-बच्चा मृत्यु दर पर नियंत्रण के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। मुरगांव स्थित अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भी 24 घंटे सेवाएं उपलब्ध हैं। इसके बावजूद प्रसव की जिम्मेदारी ज्यादातर एएनएम पर ही आ जाती है। जानकारी के अनुसार, यहां दो महिला चिकित्सकों की प्रतिनियुक्ति की गई थी, लेकिन एक लंबे समय से छुट्टी पर हैं। वर्तमान में मात्र एक महिला चिकित्सक तैनात हैं, वह भी सप्ताह में केवल एक दिन ही ड्यूटी करती हैं। ऐसे में गंभीर प्रसव मामलों में अक्सर एएनएम को ही मोर्चा संभालना पड़ता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रसव के दौरान मामूली जटिलता की स्थिति में भी मरीजों को तुरंत रेफर कर दिया जाता है। इस वजह से परिजन जोखिम उठाने के बजाय नज़दीकी इस्लामपुर स्थित निजी क्लीनिकों में प्रसव कराने को मजबूर हैं। हुलासगंज की एक एएनएम ने बताया कि हर महीने औसतन 30 से 50 प्रसव के मामले आते हैं। जगुआ बिगहा निवासी संजय बिंद ने बताया कि पिछले हफ्ते चिकित्सक की अनुपस्थिति के कारण प्रसव के बाद नवजात की मौत हो गई। परिजन के अनुसार, गंभीर स्थिति में रेफर करने के दौरान रास्ते में ही बच्चे ने दम तोड़ दिया। इस संबंध में स्वास्थ्य प्रबंधक वीरेश कुमार ने स्वीकार किया कि महिला चिकित्सक की कमी से हुलासगंज सीएचसी की स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। उन्होंने बताया कि विभाग से स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ की मांग की गई है।

मरीज की मौत के बाद गोह में अवैध क्लिनिक सील

गोह (औरंगाबाद)।/नबिटा संवाददाता प्रखंड मुख्यालय स्थित एक निजी अस्पताल में मरीज की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए रामकिशोर सिंह क्लीनिक को सील कर दिया। जानकारी के अनुसार, बीते मंगलवार की शाम गोह निवासी संतोष पांडेय को अपेंडिक्स ऑपरेशन के लिए उक्त अस्पताल में भर्ती कराया गया था। आरोप है कि ऑपरेशन से पहले चिकित्सक ने बेहोशी की दवा अधिक मात्रा में दे दी, जिससे मरीज की मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों ने चिकित्सक पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए स्थानीय थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई। जांच टीम में बीडीओ डॉ. राजेश कुमार दिनकर, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. शिवशंकर कुमार तथा गोह थानाध्यक्ष मोहम्मद इरशाद शामिल थे।

पूर्व रेलवे

वरिष्ठ मंडल अभियंता/सी/हावड़ा, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, हावड़ा स्टेशन के नज़दीक, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस या किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के पास पंजीकृत समेत समरूप प्रकृति के कार्य का अनुभव एवं आवश्यक वित्तीय क्षमता रखने वाले निविदादाताओं से ऑनलाइन के जरिये निम्नलिखित ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **[वरिष्ठ मंडल अभियंता/मुख्यालय/हावड़ा** के अधीन]: **ई-निविदा संख्या: 136 _2025-26, दिनांक 19.08.2025। कार्य का विवरण:** सहायक अभियंता/मुख्यालय/हावड़ा के अधिकार क्षेत्र के अधीन एसएसई/डब्ल्यू/हावड़ा के खंड में 24 (चौबीस) महीनों की अवधि के लिए हावड़ा गुड्स एरिया में प्रेशर फ़िल्टर वाटर ट्रीटमेंट प्लांट तथा ऑटोमैटिक क्लोरीनेशन प्लांट का परिचालन एवं रखरखाव तथा एसएसई/डब्ल्यू/बीएमजी के अधीन 2 (दो) लगातार वर्षों की अवधि के लिए आईएस 10500-1991 के मार्फ़त भारतीय मानक ब्यूरो के मापदंड के अनुरूप पेय जल के जीवाणु उपचार का प्रावधान। **अनुमानित लागत:** ₹ 36,32,129.76। **बयाना राशि:** ₹ 72,700। **निविदा प्रपत्र की कीमत:** शून्य। **पूरा करने की अवधि:** स्वीकृति पत्र जारी किये जाने की तारीख से 24 (चौबीस) महीना। निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित बंद होने की तारीख को किसी कारणवश छुट्टी/बंद/हड़ताल घोषित होने पर ऑनलाइन निविदा के बंद होने की तारीख में कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में आवेदन निविदा बंद होने की तारीख एवं समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि, ऑनलाइन निविदा को अगले कार्य दिवस में खोला जाएगा। **निविदा बंद होने की तारीख और समय:** 15.09.2025 को दोपहर 2:00 बजे। निविदा का सम्पूर्ण विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदादाताओं से अनुरोध है कि वे उपर्युक्त वेबसाइट पर अपने प्रस्ताव ऑनलाइन जमा करें। ईएमडी और टीडीसी का भुगतान - ई-निविदा के सम्बन्ध में निविदा दस्तावेज की कीमत एवं जमा बयाना राशि (ईएमडी) का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के जरिये स्वीकार किया जायेगा। **द्रष्टव्य:** आईआरईपीएस (ई-निविदा पोर्टल) पर आमंत्रित निविदाओं के लिए ईएमडी के रूप में सावधि जमा रसीद (एफडीआर) स्वीकार नहीं की जाएगी। मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

(HWH-255/2025-26)

निविदा सूचना वेबसाइट:**www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

पीएमईजीपी व पीएमएफएमई योजनाओं का लें लाभ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। जिले में छोटे पैमाने पर उद्योग लगाने के इच्छुक उद्यमियों के लिए सुनहरा अवसर है। अब वे प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम और प्रधानमंत्री औपचारिकरण सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम योजना के अंतर्गत आवेदन कर सकते हैं। इच्छुक उद्यमी आवश्यक जानकारी और मार्गदर्शन हेतु जिला उद्योग केन्द्र, औरंगाबाद से संपर्क कर सकते हैं। यह निर्णय जिला उद्योग केन्द्र सभाकक्ष में जिलाधिकारी श्रीकांत के निर्देश पर आयोजित बैठक में लिया गया। बैठक में विभिन्न राइस मिल संचालकों और उद्योग विभाग से जुड़े उद्यमियों ने भाग लिया। महाप्रबंधक, जिला उद्योग केन्द्र और सहायक अभियंता, विद्युत अवर प्रमंडल की मौजूदगी में उद्यमियों की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई। अधिकांश उद्यमियों ने विद्युत आपूर्ति से जुड़ी कठिनाइयों को रखा, जिस पर सहायक अभियंता ने त्वरित समाधान का आश्वासन दिया। कुछ उद्यमियों ने आवेदन के माध्यम से भी अपनी शिकायतें दर्ज कराईं। बैठक में महाप्रबंधक ने बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन नीति, 2016 के तहत मिलने वाले लाभों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उद्यमियों को 10 से 12 प्रतिशत ब्याज अनुदान अथवा अधिकतम 10 करोड़ रुपये तक की राशि का लाभ मिल सकता है। वहीं, एसआईपीबी नीति के तहत राइस मिल और अन्य विनिर्माण इकाइयों की स्थापना पर स्टाम्प शुल्क, निबंधन शुल्क व सपरिवर्तन शुल्क में 100 प्रतिशत छूट, साथ ही ब्याज कर, एसजीएसटी और विद्युत शुल्क में छूट का प्रावधान है। महाप्रबंधक ने उद्यमियों से कहा कि वे योजनाओं का लाभ उठाकर उद्योगों का संचालन बेहतर ढंग से करें, क्योंकि इन योजनाओं के सफल क्रियान्वयन से न केवल स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन होगा बल्कि राज्य और देश की आर्थिक प्रगति भी सुनिश्चित होगी।

भाजपा नेता ने रक्तदान कर बचाई प्रसूता की जान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हसपुरा (औरंगाबाद)। सामाजिक सरोकार में आगे रहते हुए हसपुरा प्रखंड के गवसपुर गांव निवासी समाजसेवी सह भाजपा नेता नंदन यादव ने मंगलवार की शाम आपात स्थिति में रक्तदान कर एक प्रसूता की जान बचाई। मिली जानकारी के अनुसार रघुनाथपुर गांव निवासी राहुलदेव उर्फ़ मनोहर साहू की पत्नी सत्यवंती देवी की डिलीवरी के दौरान अचानक स्थिति बिगड़ गई। महिला के शरीर में मात्र 7 ग्राम ही हीमोग्लोबिन होने के कारण डॉक्टरों ने तुरंत रक्त की आवश्यकता बताई। स्थिति गंभीर होने पर पीड़िता के पिता अर्जुन गुप्ता (निवासी पीरू गांव) ने रक्तवीर योद्धा जिला स्तरीय समिति से संपर्क किया। समिति के अध्यक्ष राजू भारती और सचिव अनीश केसरी ने तत्परता दिखाते हुए नंदन यादव से सहयोग का अनुरोध किया। सूचना मिलते ही नंदन यादव ने तुरंत अस्पताल पहुंचकर स्वेच्छा से रक्तदान किया और महिला की जान बच गई। नंदन यादव ने बताया कि यह उनका तीसरा रक्तदान है। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर मैं आगे भी रक्तदान करता रहूंगा। किसी की जान बचाने से बड़ा कोई धर्म नहीं है। उनके इस मानवीय कार्य की क्षेत्र में खूब सराहना हो रही है।

नियोजन कैंप में 57 अभ्यर्थियों का चयन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जहानाबाद। जहानाबाद के युवाओं के लिए मंगलवार का दिन ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण रहा। यहां जिले के बेरोजगार युवकों के लिए एम.आर.एफ प्राइवेट लिमिटेड के सौजन्य से परसबिगहा स्थित सरकारी आईटीआई कॉलेज में एक दिवसीय रोजगार कैम्प का आयोजन किया गया। इस कैम्प में कम्पनीं के द्वारा अभ्यर्थियों के लिए कुल 80 रिक्तियां अधिसूचित की गई थी। परन्तु इस नियोजन कैम्प में कुल 72 आवेदकों ने ही अपनी सहभागिता दर्ज की। जिसमें से कुल 57 आवेदकों को कैंप स्थल पर ही औपबंधिक रूप से चयनित कर लिया गया। कैंप में कंपनी के प्रतिनिधि के साथ- साथ जिला नियोजनालय, जहानाबाद के कर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। बताया गया कि इस जॉब कैम्प के सफल आयोजन के उपरांत आगे भी नियोजन कार्यालय द्वारा जॉब कैम्प का आयोजन किया जाएगा।

शोक : पूर्व मंत्री श्याम रजक की धर्मपत्नी अलका रजक का निधन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हसपुरा (औरंगाबाद)। अखिल भारतीय धोबी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष, बिहार सरकार के पूर्व मंत्री व जदयू के राष्ट्रीय महासचिव श्याम रजक की धर्मपत्नी अलका रजक का निधन हो गया। वे बीते दिनों से अस्वस्थ चल रही थी और इलाज के दौरान पटना पीएमसीएच में उन्होंने अंतिम सांस ली। अलका रजक के निधन की सूचना मिलते ही धोबी समाज समेत पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। हसपुरा प्रखंड के धोबी महासंघ के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने गहरी संवेदना व्यक्त की। प्रखंड अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार लाल, सचिन संजय रजक, उपाध्यक्ष गिरजा रजक, उप सचिव सुरेंद्र रजक, कोषाध्यक्ष धर्मेंद्र रजक, सदस्य सुनील रजक, महिला मोर्चा अध्यक्ष इंदु कुमारी, युवा मोर्चा अध्यक्ष मनीष रजक, विनोद रजक, जयवंश कुमार, राजू रजक, मिथिलेश रजक, अनिल रजक और साजन रजक सहित अन्य ने श्रद्धांजलि अर्पित की। सभी ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि अलका रजक का निधन धोबी समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। ईश्वर से प्रार्थना है कि उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें और शोकाकुल परिवार को इस कठिन घड़ी में संबल दें।

लगातार बारिश से दलित परिवार बेघर प्रशासन ने दिलाई तत्काल सहायता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हसपुरा (औरंगाबाद)। प्रखंड क्षेत्र के डुमरा पंचायत अंतर्गत रतनपुर टोले चुल्हन बिगहा में लगातार बारिश ने कहर बरपा दिया है। भारी वर्षा से एक दर्जन दलित परिवारों के कच्चे मकान ध्वस्त हो गए, जिससे वे खुले आसमान के नीचे बेघर हो गए। घर टूटने से न केवल आश्रय छिन गया बल्कि घरों में रखा अनाज, कपड़े और बिछावन भी पूरी तरह नष्ट हो गया। हालात ऐसे हो गए कि प्रभावित परिवारों के पास पहनने के लिए कपड़े और खाने तक का अनाज भी नहीं बचा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पंचायत के सरपंच प्रतिनिधि श्याम किशोर यादव ने तुरंत प्रखंड व अंचल प्रशासन को सूचना दी। सूचना मिलते ही हसपुरा प्रखंड के बीडीओ प्रदीप कुमार चौधरी और सीओ कौशल्या कुमारी मौके पर पहुंचे और आपदा राहत से सभी प्रभावित परिवारों को तत्काल तिरपाल उपलब्ध कराया, ताकि वे खुले में रात बिताने से बच सकें। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि पीड़ित परिवारों को नियमानुसार आगे और भी मदद उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही सीओ ने स्थल निरीक्षण कर कर्मचारियों को क्षति का विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया। रिपोर्ट के आधार पर आपदा राहत विभाग को प्रस्ताव भेजा जाएगा। बेघर हुए परिवारों में चंदेश्वर राम, शिवनंदन दास, चरित्र दास, शोभा देवी, सोनी कुमारी, मनिया देवी, सरोज देवी, मनी देवी, बंगाली राम, लाल राम, महेंद्र राम और सविता देवी शामिल हैं।

भारत के निर्माण में राजीव गांधी ने निभाई अद्वितीय भूमिका : कांग्रेस

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रजौली। रजौली प्रखंड कांग्रेस कार्यालय में प्रखंड अध्यक्ष रामरतन गिरी की अध्यक्षता में राजीव गांधी की 81वीं जयंती मनाई गई। प्रखंड अध्यक्ष ने कहा कि राजीव गांधी भारत के प्रधानमंत्री के रूप में अपने शानदार कार्य से उन्होंने दुनिया के सामने भारत को खड़ा कर दिया। उन्होंने दुनिया के शीर्ष नेताओं में अपनी जगह बनाई। 21वीं सदी के भारत के निर्माण में राजीव गांधी ने अद्वितीय भूमिका का निर्वाह किया। वे डिजिटल इंडिया के शिल्पकार थे। उनके दूरसंचार और आईटी क्रांति व कंप्यूटरीकरण कार्यक्रम ने भारत को दुनिया के अग्रिम पंक्ति के देशों में खड़ा किया और लाखों युवाओं को रोज़गार मिला। उनके कई हस्तक्षेप जैसे मतदान की उम्र कम करना, पंचायती राज को मजबूत करना, निरंतर शांति समझौते कर सद्भाव स्थापित करना, लोकतंत्र की मज़बूती का माध्यम बनें। राजीव गांधी ने समाज के सभी तबकों के कल्याण को ध्यान में रख कर अपने शासनकाल में 11 नीतियां बनायी। इसमें नई शिक्षा नीति, आवास नीति, नई स्वास्थ्य नीति, नई सिंचाई नीति प्रमुख है। उन्होंने कई संस्थाओं की स्थापना की।

मिश्र बिगहा के ग्रामीणों का ऐलान - सड़क नहीं तो वोट नहीं

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रफीगंज (औरंगाबाद)। रफीगंज प्रखंड के कोटवारा पंचायत अंतर्गत मिश्र बिगहा गांव के ग्रामीणों ने सड़क निर्माण की मांग को लेकर आक्रोश प्रकट किया। ग्रामीणों ने कच्ची सड़क की बदहाली पर नाराजगी जताते हुए 'सड़क नहीं तो वोट नहीं' का नारा लगाया और स्पष्ट कहा कि अगर जल्द सड़क नहीं बनी तो वे आगामी चुनावों में मतदान का बहिष्कार करेंगे। ग्रामीण रौशन मिश्र, महावीर राम, रंजन मिश्र, राज कुमार, व्रजेश, नीलेश, जय प्रकाश, नीतेश सहित दर्जनों लोगों ने बताया कि आजादी के बाद से आज तक गांव की करीब दो किलोमीटर लंबी सड़क कच्ची ही है। बरसात के दिनों में यह सड़क पूरी तरह कीचड़ में बदल जाती है, जिससे न केवल वाहन चलाना बल्कि पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। स्थिति इतनी खराब हो जाती है कि बीमार मरीजों को खाट पर उठाकर गरवा गांव तक ले जाना पड़ता है, जहां से किसी तरह वाहन द्वारा रफीगंज अस्पताल पहुंचाया जाता है। कई बार तो समय पर इलाज न मिलने से मरीजों की मौत तक हो चुकी है।

ग्रामीणों ने यह भी बताया कि बरसात में बच्चों को भदवा उच्च विद्यालय तक पहुंचने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। कई बच्चे रास्ते की समस्या के कारण पढ़ाई बीच में ही छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं। गांव के प्राथमिक विद्यालय तक जाने का रास्ता भी दुर्गम हो जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क निर्माण की मांग को लेकर कई बार जिलाधिकारी, सांसद और विधायक से गुहार लगाई गई, लेकिन अब तक सिर्फ आश्वासन ही मिला है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इस बार भी सड़क का निर्माण नहीं हुआ तो वे वोट का बहिष्कार करेंगे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सम्मान समारोह आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रफीगंज (औरंगाबाद)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रफीगंज में शनिवार को सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अरविंद कुमार सिंह को पदोन्नति के उपलक्ष्य में सम्मानित किया गया। हाल ही में उन्हें औरंगाबाद जिले का एसीएमओ (डीएस) का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। वहीं, रफीगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के नए प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी के रूप में डॉ. संतोष कुमार को नियुक्त किया गया है। समारोह में स्वास्थ्य केंद्र के कर्मियों और स्थानीय समाजसेवियों ने डॉ. अरविंद कुमार सिंह और डॉ. संतोष कुमार को माला एवं बुके भेंट कर सम्मानित किया। इसी कड़ी में पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि डॉ. संजय यादव भी अपने समर्थकों के साथ पहुंचे और दोनों पदाधिकारियों को अंगवस्त्र व माला पहनाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में प्रभारी स्वास्थ्य प्रबंधक विकास कुमार सिंह, बीसीएम सनी कुमार, बीएमसी सुभाष कुमार, अकाउंटेंट राजेश कुमार, लैब टेक्नीशियन रंजीत कुमार, रविंद्र कुमार, एएनएम रंजना कुमारी, राधा कुमारी, दावन तिग्गा, जिएनएम सुमन कुमारी, प्रियंका कुमारी, रिंकी कुमारी सहित कई स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे। समाजसेवी तुलसी यादव, सिद्धि यादव, संजय यादव, राजेश यादव और दीपक कुमार ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

महिला चिकित्सकों के अभाव में हुलासगंज सीएचसी पर संकट, एएनएम के सहारे चल रहा प्रसव एवं बंध्याकरण कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जहानाबाद। हुलासगंज प्रखंड का एकमात्र सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महिला चिकित्सकों की कमी से जूझ रहा है। लाखों की आबादी की स्वास्थ्य देखभाल की जिम्मेदारी संभाल रहे इस केंद्र पर प्रसव और बंध्याकरण कार्यक्रम एएनएम के सहारे संचालित हो रहे हैं। स्थिति यह है कि जटिल मामलों में मरीजों को तुरंत रेफर करना आम बात बन गई है, जिससे महिलाओं और नवजात शिशुओं की जान पर हमेशा खतरा बना रहता है। स्वास्थ्य केंद्र में स्त्री रोग विशेषज्ञ के रूप में दो महिला चिकित्सकों की प्रतिनियुक्ति तो की गई है, लेकिन इनमें से एक लंबे समय से छुट्टी पर हैं, जबकि दूसरी सप्ताह में केवल एक दिन ही ओपीडी सेवा देती हैं। नतीजतन, प्रसव और बंध्याकरण की ज्यादातर जिम्मेदारी एएनएम पर ही है। बताया जाता है कि यहां रोजाना करीब 50 प्रसव संबंधी मामले आते हैं और महीने में 20 से अधिक बंध्याकरण किए जाते हैं। महिला चिकित्सकों की अनुपस्थिति के कारण स्थानीय मरीजों को मजबूरी में निजी क्लीनिकों का सहारा लेना पड़ रहा है। कई लोग पड़ोसी नालंदा जिले के इस्लामपुर बाजार स्थित निजी क्लीनिकों में प्रसव कराने को विवश हैं। इसी बीच, प्रसव में लापरवाही का एक गंभीर मामला भी सामने आया है। जगुआ बिगहा गांव के संजय बिंद ने बताया कि चिकित्सकों की अनुपस्थिति में प्रसव के दौरान उनके नवजात शिशु की मौत हो गई। बच्चे की स्थिति बिगड़ने पर उसे रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। महिला चिकित्सकों की कमी को स्वीकार करते हुए स्वास्थ्य प्रबंधक वीरेश कुमार ने कहा कि विभागीय स्तर पर विशेषज्ञ महिला चिकित्सकों की मांग की गई है। उन्होंने माना कि इस अभाव से स्वास्थ्य सेवाएं गंभीर रूप से प्रभावित हो रही हैं। ज्ञात हो कि हुलासगंज प्रखंड क्षेत्र में सीएचसी के अलावा चार अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भी संचालित हैं। इनमें मुरगांव का केंद्र सप्ताह के सातों दिन 24 घंटे सेवा देता है। सरकार की ओर से संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने, परिवार नियोजन कार्यक्रम चलाने और मातृ-शिशु मृत्यु दर को नियंत्रित करने के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर महिला चिकित्सकों की कमी इस प्रयास को पलीता लगा रही है।

दक्षिण पूर्व रेलवे-निविदा

भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से मंडल विद्युत अभियंता/टीआरडी, दक्षिण पूर्व रेलवे, आद्रा द्वारा निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **क्रमांक एवं ई-निविदा सूचना सं.; कार्य का विवरण; अनुमानित निविदा मूल्य: (1) टीआरडी-एडीए-ई-टेंडर-16-2025, दिनांक 18.08.2025;** आद्रा मंडल में विविध विद्युतीय टीआरडी सम्पत्तियों का प्रतिस्थापन/सुधार। भाग-I; रु. 1,75,29,696.55। **(2) टीआरडी-एडीए-ई-टेंडर-17-2025, दिनांक 18.08.2025;** आद्रा मंडल में विविध विद्युतीय टीआरडी सम्पत्तियों का प्रतिस्थापन/सुधार। भाग-II; रु. 2,14,25,744.62। उपरोक्त कार्यों के लिए **ई-निविदाओं के बंद होने की तारीख एवं समय:** दोनों के लिए 12.09.2025 को अपराह्न 3.00 बजे तथा दोनों **ई-निविदाएं** दिनांक 12.09.2025 को अपराह्न 3.00 बजे के उपरांत **खोली जाएगी**। उपरोक्त ई-निविदा का विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखे जा सकते हैं। **(PR-544)**

New page 4_page 12 29.05.2025.qxd 20-08-2025 21:52 Page 1

इलाज के दौरान युवक की मौत, हंगामा

चिकित्सक एवं कर्मी पर प्राथमिकी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। गोह थाना मुख्यालय में चल रहे अवैध क्लिनिक में मंगलवार शाम अपेंडिक्स के ऑपरेशन से पहले 45 वर्षीय संतोष पांडेय की मौत हो गई। स्वजनों के अनुसार ऑपरेशन से पहले तथाकथित चिकित्सक ने बेहोश करने की सूई का डोज अधिक दे दिया जिस कारण मौत हुई है।

संतोष की मौत के बाद स्वजनों ने जमकर हंगामा किया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आक्रोशित स्वजनों को शांत कराया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए सदर अस्पताल औरंगाबाद में अंत्यपरीक्षण कराया। स्वजनों ने बताया कि संतोष को अमरेंद्र कुमार सिंह द्वारा संचालित रामकिशोर सिंह अस्पताल में मंगलवार शाम तीन बजे अपेंडिक्स के ऑपरेशन के लिए भर्ती कराया।

बेहोशी की दवा अधिक देने से मौत हो गई। संतोष की मौत होने के बाद क्लिनिक में मौजूद अमरेंद्र एवं अन्य कर्मी फरार हो गए। इससे पहले भी गोह में संचालित अवैध क्लिनिक में दो मरीजों की मौत हुई थी। गोह में करीब एक दर्जन अवैध नर्सिंग होम संचालित है। थानाध्यक्ष मो. इरशाद ने बताया कि मामले में प्राथमिकी की गई है। प्राथमिकी के बाद राजेश कुमार, चिकित्सा प्रभारी डा. शिवशंकर कुमार एवं थानाध्यक्ष मो. इरशाद की उपस्थिति में नर्सिंग होम को सील कर दिया है। बीडीओ ने बताया कि गोह में जो भी अवैध क्लिनिक संचालित है उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। चिकित्सा प्रभारी ने बताया कि क्लिनिक से एक्सपायरी दवा बरामद की गई है। पुलिस हर बिंदू पर अनुसंधान कर रही है। नर्सिंग होम के चिकित्सक एवं कर्मी फरार हो गए हैं। गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। अमरेंद्र को गिरफ्तार करने में पुलिस लगी है।

प्रसूता की मौत से गुस्साये परिजनों ने काटा बवाल

डाक्टर की जगह एएनएम से आपरेशन कराने का आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ। बिहारशरीफ शहर के बैंगनाबाद मुहल्ले में चल रहे अवैध क्लीनिक में प्रसव के दौरान महिला की मौत हो गई। घटना के बाद स्वजन और स्थानीय लोगों ने जमकर हंगामा किया।

प्रसव के लिए आई महिला दीपनगर थाना क्षेत्र के बाजितपुर गांव निवासी राजकुमार यादव की पत्नी किरण देवी है। स्वजन का कहना है कि प्रसव पीड़ा शुरू होने पर किरण को पहले सदर अस्पताल ले जाया गया था। वहां चिकित्सकों ने खून की कमी बताया और खून की व्यवस्था करने की सलाह दी।

इसी बीच परिवार महिला को बैंगनाबाद स्थित एक एएनएम के क्लीनिक में ले आए, जहां पहले भी उसका प्रसव कराया गया था। आरोप है कि बिना किसी जांच और चिकित्सकीय अनुमति के

एएनएम ने स्वयं आपरेशन कर दिया।

बच्चे को जन्म देने के बाद प्रसूता की हालत बिगड़ने लगी। स्थिति गंभीर होने पर क्लीनिक संचालिका ने दोष छिपाने के लिए मरीज के स्वजन पर मोबाइल चोरी का आरोप मढ़कर मामले को दबाने की कोशिश की।

कुछ ही देर बाद प्रसूता किरण की मौत हो गई। इसके बावजूद अपनी करतूत छिपाने के लिए महिला के शव को एंबुलेंस बुलाकर अन्य अस्पताल भेजने का प्रयास किया गया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह एएनएम लंबे समय से किराए के मकान में दिव्या ज्योति प्रसव केंद्र के नाम से क्लीनिक चला रही थी। यहां खुलेआम बैनरझपोस्टर लगाकर मरीजों का इलाज और प्रसव कराया जाता था, लेकिन स्वास्थ्य विभाग को इसकी भनक तक नहीं लगी। बिहार थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और आक्रोशित लोगों को शांत कराया। प्रभारी थानाध्यक्ष रौशन कुमार ने बताया कि अब तक किसी भी पक्ष से लिखित शिकायत नहीं मिली है। इस बाबत सिविल सर्जन से बात करने की कोशिश की गई, लेकिन उन्होंने काल का जवाब नहीं दिया।

अज्ञात वाहन की ठोकर से बाइक सवार तीन जख्मी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सारण। बुधवार की दोपहर छपरा-रेवा एनएच-722 पर भेल्दी थाना क्षेत्र के राजा चौक के समीप एक बड़ा हादसा हो गया। अज्ञात वाहन की ठोकर से बाइक पर सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य को गंभीर हालत में पीएमसीएच पटना रेफर किया गया है। मृतक की पहचान भेल्दी थाना क्षेत्र के उमरपुर गांव निवासी स्वर्गीय कामेश्वर राय के पुत्र उपेंद्र राय (35 वर्ष) के रूप में की गई है। उपेंद्र राय अपने दो साथियों के साथ बाइक से कहीं जा रहे थे कि अचानक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने सामने से टक्कर मार दी। हादसे में उपेंद्र राय बुरी तरह घायल हो गए और अस्पताल पहुंचने से पहले ही उन्होंने दम तोड़ दिया। हादसे में उपेंद्र राय के साथ बाइक पर सवार दो और लोग घायल हुए। इनमें उनके ही गांव के नीतीश राय पुत्र पुलिस राय और थाना क्षेत्र के पैगा गांव निवासी आलमगीर शामिल हैं। दोनों को पहले गड़खा अस्पताल लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें छपरा रेफर कर दिया गया। छपरा सदर अस्पताल के डॉक्टरों ने उनकी हालत गंभीर देखते हुए तत्काल पीएमसीएच पटना रेफर कर दिया।

मौत की खबर जैसे ही उमरपुर गांव पहुंची, पूरे इलाके में कोहराम मच गया। घर पर उनकी पत्नी ललिता देवी, मां निर्मला देवी, बेटे नवनीत, रॉकी, आर्यन और बेटी दीपिका का रो-रोकर बुरा हाल था। वहीं छोटे भाई गजेंद्र राय और धुरेंद्र राय भी गहरे सदमे में हैं। गौरतलब है कि कुछ माह पूर्व ही मृतक के छोटे भाई धुरेंद्र राय पश्चिम बंगाल में एक सड़क दुर्घटना के शिकार हुए थे, जिसमें उनका पैर कट गया था। परिवार उस दुख से अभी पूरी तरह उभर भी नहीं पाया था कि उपेंद्र राय की असमय मौत ने उन्हें एक बार फिर गहरे संकट में डाल दिया।घटना की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में ले लिया।

शहीद सूबेदार राकेश कुमार सिंह को नम आंखों से दी गई अंतिम विदाई

चारों ओर गूंजे अमर रहे के नारे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के सरैया थाना क्षेत्र के सिउरीएमा गांव का माहौल बुधवार की शाम गमगीन हो उठा। थल सेना के सूबेदार राकेश कुमार सिंह (50 वर्ष) का पार्थिव शरीर जैसे ही पैतृक गांव पहुंचा, वहां भारत माता की जय और शहीद राकेश सिंह अमर रहें के नारों से पूरा वातावरण गूंज उठा। गांव पहुंचते ही परिजनों और ग्रामीणों ने नम आंखों से अपने वीर सपूत को अंतिम विदाई दी। सेना के जवानों की मौजूदगी में शहीद का अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ किया गया।

इससे पहले पार्थिव शरीर को पटना एयरपोर्ट से दानापुर आर्मी कैंट ले जाया गया था। वहां से मुजफ्फरपुर पहुंचने पर जगह-जगह लोगों ने फूल बरसाकर शहीद को श्रद्धांजलि दी। जिस-जिस मार्ग से उनका अंतिम यात्रा काफिला गुजरा, लोग सड़क किनारे खड़े होकर सलामी देते रहे। गौरतलब है कि 9 अगस्त की रात अरुणाचल प्रदेश के तवांग जिले के जिमनी ढांग क्षेत्र में चीन सीमा के समीप ड्यूटी के दौरान सड़क हादसे में सूबेदार राकेश कुमार सिंह शहीद हो गए थे। सेना ने लगातार आठ दिनों तक सर्च अभियान चलाया और 17 अगस्त को उनका पार्थिव शरीर घटनास्थल से करीब 12 किलोमीटर दूर नदी से बरामद किया।

शहीद राकेश कुमार सिंह वर्ष 1994 में भारतीय सेना में भर्ती हुए थे और अगले वर्ष मार्च 2026 में सेवानिवृत्त होने वाले थे। वे अपने पीछे पत्नी, पुत्र आयुष कुमार (17) और पुत्री साक्षी कुमारी (19) को छोड़ गए हैं। उनकी शहादत की खबर से गांव सहित पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। ग्रामीणों ने कहा कि क्षेत्र ने एक वीर सपूत खो दिया है, जिसकी भरपाई कभी नहीं हो सकती।

स्कूल का ताला तोड़कर चावल की चोरी

गयाजी। थाना क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय भलुई में बीते मंगलवार की रात अज्ञात चोरों ने मध्याह्न भोजन योजना के तहत आठ क्विंटल चावल चुरा लिया। सुबह जब विद्यालय की सफाईकर्मी सरिता देवी स्कूल परिसर में पहुंचीं, तो उन्होंने देखा कि चावल रखने वाले कमरे का दरवाजा खुला था।

दरवाजे की कुंडी मुड़ी हुई थी और ताला गायब था। कमरे में जाकर उन्होंने पाया कि 17 बोरे चावल में से केवल एक बोरा बचा था। इस घटना की जानकारी सरिता देवी ने तुरंत प्रभारी प्रधानाध्यापक गोपाल कुमार गोखले को दी। इसके बाद, प्रधानाध्यापक ने पुलिस को 112 नंबर पर सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और औपचारिकता पूरी कर लौट गई।

रसोइया शारदा देवी ने बताया कि चोरी हुआ चावल पन्द्रह दिन पहले ही आया था। इसे कोठी में रखना था, लेकिन पहले से रखा चावल कीड़े लगने के कारण नया चावल अलग रखा गया था।विद्यालय परिसर में चारदीवारी और मुख्य गेट पर ताला लगा था, लेकिन गेट का ताला टूटा या नहीं, इसकी पुष्टि नहीं हो पाई।

बाढ़ का पानी कम होते ही बढ़ा डेंगू का खतरा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

भागलपुर। जिले के दियारा एवं शहरी इलाके में बाढ़ का पानी घटते ही डेंगू के मामले सामने आने लगे हैं। अब तक डेंगू के तीन कंफर्म तो एक संदिग्ध मरीज मिले हैं।

सदर अस्पताल में सोमवार दोपहर बाद एक मरीज बुखार, सर्दी, शरीर में दर्द की शिकायत लेकर इलाज कराने पहुंचा। इस मरीज में डेंगू के लक्षण दिख रहे थे। ऐसे में तत्काल किट से इसकी जांच की गई। जिसमें वह पाजिटिव पाया गया।

किट जांच के बाद मरीज का एलीजा जांच कराने पर ही कंफर्म होता है कि वह डेंगू का शिकार है या नहीं। सदर अस्पताल प्रभारी डॉ. राजू कुमार ने बताया कि किट में पॉजिटिव आने के बाद उसे अस्पताल में भर्ती होने के लिए कहा गया।एलीजा जांच के लिए सैंपल लेने की तैयारी हुई। जब तक जांच के लिए सैंपल लिया जाता उससे पहले ही मरीज भाग गया। माइक्रोबायोलाजी लैब में मिले तीन मरीज जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के माइक्रोबायोलॉजी विभाग के लैब में 20 दिन के अंदर तीन डेंगू मरीज मिल चुके हैं। विभाग के डा. अमरेश कुमार ने बताया कि बीस दिन के अंदर तीन लोग एलीजा जांच में पाजिटिव पाए गए हैं। सात दिन पहले एक मरीज की जांच की गई जिसमें वो पाजिटिव पाए गए।

दूसरी ओर जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल में बने डेंगू वार्ड में अब तक एक भी मरीज को भर्ती नहीं किया गया है। इस बाबत बताया जा रहा है कि एलीजा जांच रिपोर्ट आने से पहले ही मरीज अपने घर चला जा रहा है।

डेंगू के लक्षण के बावजूद नहीं जा रहे अस्पताल गंगा और कोसी का पानी जिस इलाके में आया था, वहां से अब धीरे-धीरे वापस होने लगा है। इस वजह से खास कर गंगा से सटे इलाके में जगह जगह जल जमाव होने लगा है। इसी कड़ी में बूढ़ानाथ सकिचन घाट के कस्बा इलाके में आधे दर्जन से ज्यादा लोग डेंगू के लक्षण के शिकार हुए हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि लगातार लोग बीमार हो रहे। हालांकि सभी लोग निजी डाक्टर से इलाज करा कर सीधे दवा खा रहे हैं। ऐसे में किसी की तबीयत ज्यादा खराब नहीं है। तेज बुखार और शरीर में दर्द तो कराएं जांच शहर के वरीय चिकित्सक डॉ. विनय कुमार झा ने बताया कि यह एक वायरल रोग है। इसमें तेज बुखार सिर, शरीर और जोड़ों में दर्द होता है। उल्टी एवं दस्त होता है। कभी-कभी मरीज के त्वचा पर चकत्ते या लाल धब्बे आ सकते हैं। इस रोग से बचने के लिए मच्छरदानी का उपयोग करें। स्वच्छ पानी घर के आसपास जमा नहीं होने दें। सीएस ने कहा, मरीज नहीं बताते सही पता सीएस डा. अशोक कुमार ने बताया कि जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल में दो संदिग्ध डेंगू मरीज मिले थे। इनकी एलीजा जांच कराई गई। जब तक रिपोर्ट आती तब तक मरीज फरार हो गया। मरीज ने अपना पता गलत बताया था। यहां तक की इनके पिता का नाम और मोबाइल नंबर भी गलत थे। वहीं सदर अस्पताल में भी मरीज आए थे। पूरी जांच जब तक होती उससे पहले मरीज फरार हो गए। इस हालत में हमारे सामने परेशानी यह है कि जहां से मरीज आए हैं उस इलाके की पहचान संभव नहीं हो पाती है। यहां

किशोर को सुनायी गयी अनूठी सजा

मंदिर प्रबंधन समिति को दी गयी हिदायत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। किशोर न्याय बोर्ड, औरंगाबाद ने एक विधि विरुद्ध किशोर को अनूठी सजा सुनाई है। बोर्ड के प्रधान न्यायाधीश सह अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (एसीजेएम) सुशील प्रसाद सिंह ने बुधवार को जीआर संख्या-917/22 एवं जेजेबी वाद संख्या-420/25 में सुनवाई के बाद यह आदेश दिया। फैसले के तहत किशोर को औरंगाबाद के विश्व प्रसिद्ध देव सूर्य मंदिर में 15 दिनों तक सामुदायिक सेवा करनी होगी।

बोर्ड ने अपने आदेश की कॉपी देव सूर्य मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष और सचिव को भेजी है। साथ ही सख्त निर्देश दिया गया है कि किसी भी सूरत में विधि विरुद्ध किशोर की पहचान उजागर नहीं की जाएगी। सामुदायिक सेवा की अवधि में मंदिर प्रबंधन को किशोर के आचरण और व्यवहार की रिपोर्ट न्याय बोर्ड में प्रस्तुत करनी होगी।

अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि यह फैसला नजीर है। इससे विधि विरुद्ध किशोर को सुधरने का अवसर मिलेगा और समाज को भी संदेश जाएगा कि अपराध करने की बजाय सुधार और सकारात्मक दिशा अपनाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि यह फैसला एक तरह का सामाजिक दंड है,

एक रात दो घरों में चोरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के कुढ़नी थाना क्षेत्र में चोरों का आतंक एक बार फिर देखने को मिला है। अख्तियारपुर पड़ैया पंचायत के पड़ैया गांव में अज्ञात चोरों ने एक ही रात में दो घरों को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के आभूषण, नकदी और कीमती सामान चोरी कर लिया। इस घटना से पूरे गांव में दहशत और आक्रोश का माहौल है। जानकारी के अनुसार, चार की संख्या में आए चोरों ने पहले गृहस्वामी को कमरे के बाहर से बंद कर दिया। इसके बाद घर के पिछले हिस्से से अंदर घुसकर दरवाजे की कुंडी तोड़ी और अलमारी एवं संदूक को खंगाल डाला। चोरों ने बेहद योजनाबद्ध तरीके से वारदात को अंजाम दिया।

घटना के दौरान घर में सो रहे परिजनों को भनक तक नहीं लगी। सुबह जब लोग जागे और सामान बिखरा देखा तो चोरी का पता चला। चोरों ने करीब 7 लाख रुपये मूल्य के आभूषण और नकदी उड़ा लिए। पीड़ित परिवार ने चोरी हुए सामान की विस्तृत सूची पुलिस को उपलब्ध करा दी है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

जमीन अधिग्रहण को ले किसानों और प्रशासन के बीच विवाद

▶ चार किसानों को लिया गया हिरासत में ▶ खेतों में लगी फसल को रौंदने का आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कैमूर। जिले से होकर गुजर रही भारतमाला परियोजना के तहत बनने वाले एक्सप्रेसवे की जमीन अधिग्रहण को लेकर मंगलवार को किसानों और प्रशासन के बीच विवाद गहरा गया। इस दौरान पुलिस ने चार किसानों को हिरासत में लिया, जिन्हें देर रात छोड़ दिया गया।

बुधवार को भारतीय किसान यूनियन से जुड़े बड़ी संख्या में किसान चैनपुर प्रखंड के करवंदिया गांव पहुंचे। मौके पर किसी अप्रिय घटना से निपटने के लिए भारी पुलिस बल की तैनाती की गई है। किसानों ने आरोप लगाया कि कैमूर डीएम ने पहले ही निर्देश दिया था कि चिन्हित जमीन पर किसान फसल नहीं लगाएं। इसके जवाब में किसानों की मांग थी कि 10 जुलाई तक मुआवजा राशि का भुगतान कर दिया जाए, लेकिन अब तक किसी को भी मुआवजा नहीं मिला है। किसानों का आरोप है कि पुलिस बल की मौजूदगी में जेसीबी मशीन से खेतों में लगी खड़ी फसलें रौंद दी गईं।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि प्रशासन और निर्माण कंपनी मिलकर जबरन जमीन कब्जा कर रहे हैं। किसान नेताओं ने कहा कि अधिकारी किसानों के हितों की रक्षा करने के बजाय कंपनी के एजेंट की तरह बर्ताव कर रहे हैं। किसानों ने सरकार की नीतियों पर भी सवाल खड़े किए। उनका कहना है कि सरकार कॉर्पोरेट कंपनियों को लाभ पहुंचाने के लिए अंग्रेजों जैसी नीति पर चल रही है। डबल इंजन सरकार किसानों को जबरन उनकी जमीन से बेदखल कर रही है।

क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण संपन्न

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अररिया। बुधवार को अररिया जिले में मध्याह्न भोजन योजना से आच्छादित विद्यालयों में मध्याह्न भोजन बनाने वाले सभी रसोईया-सह- सहायकों के लिए एक दिवसीय क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण का रोहित कुमार चैरसिया, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी,मध्याह्न भोजन योजना, अररिया ने दीप प्रज्जलित कर शुरूआत की। जिले के 1933 विद्यालयों में कार्यरत 6314 रसोईया-सह- सहायकों के लिए 20अगस्त से 31अगस्त तक प्रखंडवार 50-50 रसोईया-सह- सहायकों के बैच का प्रशिक्षण कार्यक्रम का रोस्टर निर्गत किया है। सरोज कुमार तिवारी,जिला समन्वयक,मध्याह्न भोजन योजना ने संबोधित करते हुए योजना का उद्देश्य,लक्ष्य एवं मानको के संबंध में विस्तार से चर्चा की। रोहित कुमार चैरसिया,जिला कार्यक्रम पदाधिकारी द्वारा उपस्थित सभी रसोईया-सह-सहायकों को निदेशित किये कि बच्चों की उपस्थिति के अनुसार निर्धारित मात्रा में एवं मीनू के अनुसार मध्याह्न भोजन तैयार कर सुरक्षित ढंग से ससमय बच्चों को खाने हेतु परोसा जाय। प्रशिक्षण में लेखापाल राजन कुमार एवं प्रखंड साधनसेवी सदानंद पासवान मास्टर ट्रेनर के रूप में उपस्थित होकर रसोईया-सह-सहायकों को प्रशिक्षित किया। कार्यक्रम में रसोईया-सह- सहाययकों के मासिक मानदेय दुगुना किये जाने पर विनायक मिश्रा, निदेशक, मध्याह्न भोजन योजना, बिहार,पटना, अपर मुख्य सचिव, शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्री एवं मुख्य मंत्री को रसोईया-सह-सहायकों ने धन्यवाद ज्ञापित भी किये।

अब पटना में भी आवारा कुत्तों ने मचाया आतंक

हर दिन हो रहे सैकड़ों शिकार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राजधानी पटना में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। शहर के प्रमुख अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों की रिपोर्ट के अनुसार, हर दिन 100 से अधिक लोग कुत्तों के काटने का शिकार बन रहे हैं। इसके चलते एंटी रेबीज वैक्सीन लेने वालों की संख्या भी 250 के पार पहुंच गई है, जिससे लोगों में डर और बेचैनी का माहौल है।

शहर के विभिन्न चौराहों, गलियों और मोहल्लों में आवारा कुत्तों के झुंड घूमते देखे जा सकते हैं। ये कुत्ते राहगीरों, साइकिल सवारों और दोपहिया चालकों पर अचानक हमला कर देते हैं।

पीएमसीएच, न्यू गार्डिनर रोड अस्पताल, राजेंद्र नगर सीएचसी और गर्दनीबाग अस्पताल से मिली जानकारी के अनुसार, प्रतिदिन दर्जनों लोग कुत्ते के काटने के बाद इलाज के लिए पहुंच रहे हैं।

पटना के सिविल सर्जन डा. अविनाश कुमार सिंह ने बताया कि हर दिन लगभग 250 लोग एंटी रेबीज इंजेक्शन लेने आ रहे हैं, जिनमें से 50 से 60 लोग पहली बार वैक्सीन ले रहे हैं, जबकि बाकी लोग दूसरी या तीसरी डोज लेने आते हैं। उन्होंने बताया कि वैक्सीन की कोई कमी नहीं है, क्योंकि पीएचसी स्तर तक इसकी व्यवस्था और बजट आवंटन कर दिया गया है। पीएमसीएच अधीक्षक डॉ. आईएस ठाकुर के अनुसार, अकेले पीएमसीएच में प्रति माह 5,000 से अधिक लोग एंटी रेबीज वैक्सीन लगवाते हैं। डॉग बाइट सेंटर पर विशेष व्यवस्था की गई है, और अतिरिक्त नर्सों की ड्यूटी लगाकर यह सुनिश्चित किया गया है कि किसी को टीका लगवाने के लिए ज्यादा इंतजार न करना पड़े।

कुत्ते के काटने के बाद 24 घंटे के भीतर एंटी रेबीज वैक्सीन लेना बेहद जरूरी है। विलंब होने पर संक्रमण घातक साबित हो सकता है। डॉक्टरों की मानें तो यदि समय पर टीका न लगे, तो रेबीज के चलते मरीज की जान भी जा सकती है।

सांसद को दी धमकी

समस्तीपुर। खगड़िया लोजपा (आर) सांसद राजेश वर्मा को जान से मारने की धमकी देने के मामले में पटोरी से रामनाथ पोद्दार के छोटे पुत्र कुंदन पोद्दार को भागलपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस जांच में कुछ सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है। वैसे पटोरी थाने में कुंदन पर कोई भी आपराधिक मामला दर्ज नहीं है। पड़ोस के लोगों ने भी बताया कि वह शांत स्वभाव का युवक है। किंतु ससुराल वालों से हमेशा परेशान रहा करता है। वह बाढ़ में प्राइवेट नौकरी करता है। कुंदन दरबा गांव निवासी रामनाथ पोद्दार का छोटा पुत्र है। अभी हाल ही में पटोरी बाजार के हरिओम नगर में मकान बनाकर परिवार के साथ रह रहा था। कुंदन बाढ़ में प्राइवेट नौकरी करता है। जबकि, उसका बड़ा भाई चंदन पटोरी से बाहर एक निजी कंपनी में काम करता है। उसके पिता नागालैंड में मुंशी तथा वाहन चालक का कार्य करते हैं। 11 अगस्त की रात्रि 10:05 में वरीय पुलिस अधीक्षक भागलपुर के मोबाइल नंबर 9431800003 पर मोबाइल नंबर 92633 76231 से मैसेज आया कि 'खगड़िया एमपी राजेश वर्मा की मौत मेरे हाथों से होगी इलेक्शन 2025 से पहले'।

कई पार्टियों को डीलिस्ट करने की प्रक्रिया शुरू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। छह वर्षों से चुनाव में भाग नहीं लेने वाले दलों को डीलिस्ट करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस क्रम में पटना जिलांतर्गत पांच दलों को चिह्नित किया गया है। इन्हें नोटिस का तामील कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

जिन दलों को नोटिस तामील कराना है उनमें भारतीय युवा जनशक्ति पार्टी, एकता विकास महासभा पार्टी, गरीब जनता दल (सेकुलर), राष्ट्रीय सदाबहार पार्टी एवं यंग इंडिया पार्टी शामिल है।

दरअसल, भारत निर्वाचन आयोग ने वैसे पंजीकृत गैरमान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को डीलिस्ट करने की कार्रवाई शुरू की है, जिन्होंने 2019 से अब तक किसी भी चुनाव में भाग नहीं लिया है। जिनके कार्यालय देशभर में कहीं भी भौतिक रूप से नहीं पाए गए हैं।

नोटिस का कराया जायेगा तामिला

आयोग ने संबंधित राजनीतिक दल से कारण-पृच्छा कर तथ्यात्मक प्रतिवेदन भेजने का निर्देश दिया है। इस आलोक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी ने पटना जिलांतर्गत पांच पंजीकृत गैरमान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को निर्वाचन विभाग से जारी नोटिस तथा भारत निर्वाचन आयोग के पत्र का विधिवत ढंग से तामिला कराने का निर्देश दिया है।

साथ ही अधिकारियों को 24 घंटा के अंदर प्रतिवेदन देना है। यदि किसी कारण नोटिस का तामीला नहीं होता है तो इस संबंध में संबंधित पदाधिकारी को स्पष्ट प्रतिवेदन देने का निर्देश दिया गया है।

किसी भी राजनीतिक दल को अनुचित रूप से डीलिस्ट नहीं किया जाए, इसको लेकर भारत निर्वाचन आयोग ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ऐसे दलों को कारण बताओ नोटिस जारी करने का निर्देश दिया है।

इसके बाद मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी इन दलों को सुनवाई का अवसर देंगे। किसी भी ऐसे दल को डीलिस्ट करने का अंतिम निर्णय भारत निर्वाचन आयोग ही लेगा।

वन महोत्सव में अब तक लगे 1 करोड़ 39 लाख पौधे

जीविका ने 10 लाख और मनरेगा से 42 लाख से अधिक पौधे लगाए

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राज्य में वन महोत्सव के अवसर पर अब तक एक करोड़ से भी अधिक पौधे लगे गए हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य में वन महोत्सव की शुरूआत विगत 13 जुलाई को पौधरोपण करके की थी। इसके तहत आगामी तीन महीने में व्यापक स्तर पर 5 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। वन महोत्सव के दौरान सागवान, महोगनी, सेमल, जामुन, अर्जुन समेत विभिन्न प्रजातियों के पौधे राज्यभर में लगाए जा रहे हैं। इसका मुख्य उदेश्य वनों का संरक्षण, पौधरोपण और हरित आवरण को विस्तार देना है। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार इतनी बड़ी संख्या में पौधरोपण के लक्ष्य को पाने के लिए ग्रामीण विकास विभाग, जीविका समूह, मनरेगा, सरकारी और गैर सरकारी संस्थानों के अलावा विभिन्न सामाजिक संगठनों के स्तर से बड़े पैमाने पर पौधे लगे है। अकेले वन विभाग के स्तर से 96 लाख पौधे लगाए गए हैं। वहीं जीविका समूह के द्वारा 10 लाख, मनरेगा के माध्यम से 42 लाख, सरकारी एवं गैर सरकारी स्कूलों एवं कॉलेजों से 1 लाख, 43 हजार के अतिरिक्त बागवानी एवं कृषि विभाग के स्तर से 42 हजार पौधे लगाये जा चुके हैं। मौजूदा अगस्त महीने में ही अबतक 1 करोड़, 39 लाख पौधे लगाए जा चुके हैं। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग से कोई भी किसान या व्यक्ति इन पौधों को 10 रुपये प्रति पौधे की दर पर शुल्क देकर खरीद सकता है। इन पौधों का संरक्षण अगले तीन वर्ष तक करने के बाद वन विभाग द्वारा उन्हें प्रति पेड़ 60 रुपये का अनुदान दिया जा रहा है। मिशन 'मेरी लाईफ' के तहत आम लोगो के बीच जन जागरूकता के लिए यह अभियान चलाया जा रहा है। जो लोग पौधरोपण कर रहे है, उन्हें पांच पौधे मुफ्त में दिए जा रहे हैं। प्रत्येक स्कूल के छात्र को 2-2 पौधे के अलावा सरकारी स्कूल और कॉलेज को मुफ्त पौधे दिए जायेंगे। राज्य के विभिन्न जिलों में स्थापित पौधशालाओं में कई प्रजातियों के पौधे उपलब्ध हैं जिन्हें वहां से प्राप्त किये जा सकते हैं। इससे जुड़ी जानकारी देने के लिए वन एवं पर्यावरण विभाग ने एक कॉल सेंटर बना रखा है।

बिहार में 10 वर्षों में 1445 गोद लिए बच्चों का पंजीकरण, पटना में सबसे अधिक 101

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार में वर्ष 2015-24 के बीच 1,445 दंपत्तियों ने गोद लिए बच्चों के गोदनामा का पंजीकरण कराया है। इनमें से सबसे अधिक 101 पंजीकरण राजधानी पटना में दर्ज किए गए हैं। यह जानकारी मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग के आंकड़ों से सामने आई है। राज्य में बच्चा गोद लेने के लिए नियम निर्धारित हैं। कोई भी व्यक्ति या दंपत्ति आपसी सहमति से बच्चा गोद ले सकता है। अगर कोई व्यक्ति या दंपत्ति बेटा गोद ले रहा है तो उनके पास पहले से अपना बेटा नहीं होना चाहिए। इसी तरह बेटी गोद लेने के लिए पहले से अपनी बेटी नहीं होनी चाहिए। गोद लेने वाले पुरुष या महिला की आयु गोद लिए जाने वाले बच्चे की आयु में कम से कम 21 वर्ष का अंतर होना चाहिए। इसके साथ ही गोद लिए जाने वाले बच्चे की आयु 15 वर्ष से कम होनी चाहिए। बच्चा गोद देने वाले व्यक्ति या दंपत्ति की सहमति अनिवार्य है। गोदनामा पंजीकरण के लिए 2,000 रुपये स्टाम्प शुल्क और 1,500 रुपये निबंधन शुल्क देना होता है। हालांकि पंजीकरण अनिवार्य नहीं है, लेकिन यह भविष्य की कानूनी जरूरतों के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। गोद लिया बच्चा गोद लेने वाले परिवार की संपत्ति में वही अधिकार पाता है जो जैविक संतान को मिलता है, लेकिन गोद देने वाले परिवार की संपत्ति में उसका कोई हक नहीं होता। गोदनामा एकबार पंजीकृत होने के बाद रद्द नहीं किया जा सकता। ये नियम केवल हिंदू धर्म पर लागू हैं। अन्य धर्मों के लिए अलग नियम हैं।

एनएच-139 को चार लेन बनाने के लिए डॉ. भीम सिंह ने लिखा नितिन गडकरी को पत्र

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राज्यसभा सांसद डॉ. भीम सिंह ने पटना से औरंगाबाद तक राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-139 को चार लेन में विस्तारित करने की मांग की है। इसके लिए उन्होंने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखा है। सांसद ने पत्र में कहा है कि पटना से औरंगाबाद तक का यह मार्ग बिहार और झारखंड की जीवनरेखा है। यह सड़क न केवल दोनों जिलों को जोड़ती है, बल्कि रांची, पलामू, नागपुर और अन्य औद्योगिक एवं धार्मिक क्षेत्रों तक संपर्क का प्रमुख माध्यम है। उन्होंने कहा कि यह मार्ग शिक्षा, उद्योग और धार्मिक पर्यटन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। डॉ. सिंह ने उल्लेख किया कि पूर्व में बोधगया में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान इस परियोजना की घोषणा की गई थी, लेकिन अब तक कार्य शुरू नहीं हो पाया है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में यह सड़क बेहद संकीर्ण और जर्जर हो चुकी है जिसके कारण लगातार जाम, दुर्घटनाएं और समय की बर्बादी हो रही है। सांसद ने आग्रह किया है कि एनएच-139 को शीघ्र चार लेन में विकसित किया जाए जिससे क्षेत्रीय विकास को गति मिले और बिहार-झारखंड के लाखों लोगों को राहत मिल सके।

धनबाद और यशवंतपुर के बीच एक जोड़ी स्पेशल ट्रेन का परिचालन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हाजीपुर। पर्व त्यौहार के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर रेलवे द्वारा गोमो-गया-पं.दीनदयाल उपाध्याय जं-प्रयागराज छिवकी-इटारसी-नागपुर के रास्ते धनबाद और यशवंतपुर के मध्य एक जोड़ी पूजा स्पेशल चलाने का निर्णय लिया गया है - गाड़ी सं. 06563/06564 यशवंतपुर-धनबाद-यशवंतपुर एक्सप्रेस स्पेशल यशवंतपुर से 23.08.2025 से 27.12.2025 तक सप्ताह के प्रत्येक शनिवार को तथा धनबाद से 25.08.2025 से 29.12.2025 तक सप्ताह के प्रत्येक सोमवार को परिचालित की जायेगी। गाड़ी संख्या 06563 यशवंतपुर-धनबाद एक्सप्रेस स्पेशल यशवंतपुर से शनिवार को 07.30 बजे खुलकर सोमवार को 03.10 बजे पं.दीनदयाल उपाध्याय जं., 04.15 बजे भभुआ रोड, 04.55 बजे सासाराम, 05.50 बजे अनुग्रह नारायण रोड, 07.10 बजे गया, 08.30 बजे कोडरमा, 09.00 बजे हजारीबाग रोड, 09.18 बजे पारसनाथ एवं 09.35 बजे गोमो रूकते हुए 11.00 बजे धनबाद पहुंचेगी।

बी.डी. कॉलेज के छात्रों ने किया बापू टावर का शैक्षणिक भ्रमण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बी.डी. कॉलेज के इतिहास, प्राचीन इतिहास और दर्शनशास्त्र विभाग के छात्रों ने बुधवार को बापू टावर संग्रहालय का शैक्षणिक भ्रमण किया। यह कार्यक्रम प्राचार्या प्रो. रत्ना अमृत के निर्देशन में आयोजित हुआ। भ्रमण का उद्देश्य छात्रों को महात्मा गांधी के विचारों और दर्शन से अवगत कराना था। संग्रहालय की प्रदर्शनी में गांधी के जीवन, उनके विचारों और बिहार से उनके गहरे संबंधों को विस्तार से प्रस्तुत किया गया है। छात्रों ने इसे एक अविस्मरणीय अनुभव बताते हुए कहा कि यह भ्रमण उनकी शोधपरक दृष्टि को समृद्ध करेगा और इतिहास एवं समाज के प्रति समझ को गहरा बनाएगा। भ्रमण के दौरान छात्रों ने स्पिक मैके द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शास्त्रीय गायिका रुचिरा केदार के मनमोहक गायन का भी आनंद लिया। इस अवसर पर प्राचार्या प्रो. रत्ना अमृत के साथ शिक्षक डॉ. दिव्या कुमार, डॉ. मनिता कुमारी यादव, डॉ. दिवाकर कुमार पांडेय, नीतू तिवारी, डॉ. स्वर्णा कुमार और आलोक कुमार भी उपस्थित थे।

आधुनिक बाजार प्रांगण से व्यापारियों, उद्यमियों और निर्यातकों की भागीदारी बढ़ेगी : विजय कुमार सिन्हा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। उप मुख्यमंत्री-सह-कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि बिहार सरकार किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कृषि उपज बाजार प्रांगणों का निरंतर विकास कर रही है। इसी क्रम में कैमूर (मोहनियां) एवं सीतामढ़ी स्थित कृषि उपज बाजार प्रांगणों का जीर्णोद्धार, आधुनिकीकरण एवं समुचित विकास का कार्य पूर्ण कर लिया गया है एवं अन्य 19 कृषि उपज बाजार प्रांगणों का कार्य जल्द-से-जल्द पूर्ण करने हेतु में बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड को निदेश दिया गया है। कैमूर (मोहनियां) के कृषि उपज बाजार प्रांगण का निर्माण कुल 3841.79 लाख रुपये की लागत से तथा सीतामढ़ी के कृषि उपज बाजार प्रांगण का निर्माण कुल 4767.59 लाख रुपये की लागत से पूरा हुआ है। इन प्रांगणों में वेंडिंग प्लेटफार्म, दुकान, वे-ब्रिज, जल निकाय, प्रशासनिक भवन, श्रमिक विश्राम गृह, अतिथि गृह, मछली बाजार, सोलर पैनल जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। मास्टर प्लान आधारित एवं विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन के तहत तैयार किए गए ये बाजार प्रांगण अब पूरी तरह से आधुनिक एवं विकसित संरचना का रूप ले चुके हैं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि इन बाजार प्रांगणों का उद्देश्य किसानों को अपनी फसल और कृषि उपज का लाभकारी मूल्य दिलाने के लिए आवश्यक आधारभूत सुविधाएं प्रदान करना है। अब किसान अपनी उपज को बाजार प्रांगण में लाकर बेहतर ढंग से भंडारित और बेच सकेंगे। साथ ही इन सुविधाओं से किसानों को दलालों और बिचौलियों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा तथा उन्हें अपनी मेहनत का सही मूल्य प्राप्त होगा। उन्होंने बताया कि आधुनिक कृषि उपज बाजार प्रांगणों में व्यापारियों, उद्यमियों, प्रसंस्करण इकाइयों और निर्यातकों की भी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित होगी। इससे बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और क्रय-विक्रय की मात्रा में वृद्धि होगी।

एनटीपीसी ने सतर्कता जागरुकता अभियान की शुरूआत की

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। एनटीपीसी लिमिटेड ने स्कोप कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली में अपने तीन महीने के सतर्कता जागरूकता अभियान 18 अगस्त से 17 नवंबर 2025 का शुभारंभ किया। इस अभियान का उद्घाटन मुख्य सतर्कता अधिकारी रश्मिता झा, एनटीपीसी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से विभिन्न स्थानों के सतर्कता अधिकारियों की उपस्थिति में किया।

सतर्कताः हमारी साझा जिम्मेदारी विषय पर जोर देते हुए सीवीओ ने सभी सतर्कता अधिकारियों से केंद्रीय सतर्कता आयोग द्वारा निर्धारित प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया- लंबित शिकायतों और मामलों का समय पर निपटान, आई जीओटी कर्मयोगी जैसे प्लेटफार्मों के माध्यम से क्षमता निर्माण, प्रभावी परिसंपत्ति प्रबंधन और बेहतर पारदर्शिता के लिए डिजिटल पहल को मजबूत करना। उन्होंने व्यापक प्रभाव के लिए सभी हितधारकों - कर्मचारियों, विक्रेताओं और जनता को शामिल करने और नाटकों, क्विज वीडियो, जिंगल और विक्रेता बैठकों के माध्यम से रचनात्मक पहुंच को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया। पिछले वर्ष के अभियान की सफलता की सराहना करते हुए सीवीओ ने विश्वास व्यक्त किया कि इस वर्ष के प्रयास एनटीपीसी की ईमानदारी और पारदर्शिता के प्रति प्रतिबद्धता को और बढ़ावा देंगे।

स्पेशल ट्रेनों की परिचालन अवधि में विस्तार

हाजीपुर (नवबिहार टाइम्स ब्यूरो)। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर कई स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है। यात्रियों की मांग एवं इस ट्रेन की उपयोगिता को देखते हुए इनके परिचालन अवधि में निम्नानुसार विस्तार किया जा रहा है। गाड़ी सं. 03697 गया-दिल्ली स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार करते हुए इसे अब गया से 23.08.2025 से 15.09.2025 तक रविवार एवं गुरूवार को छोड़कर सप्ताह के शेष पांच दिन चलायी जाएगी। गाड़ी सं. 03698 दिल्ली-गया स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार करते हुए इसे अब आनंद विहार से 24.08.2025 से 16.09.2025 तक सोमवार एवं शुक्रवार छोड़कर सप्ताह के शेष पांच दिन चलायी जाएगी।

ग्रामीण सड़कों के निर्माण में लक्ष्य का 80 प्रतिशत कार्य पूर्ण

राज्य के 24 हजार से भी अधिक गांवों को पक्की सड़कों की मिली सौगात

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार सरकार ने ग्रामीण सड़कों के विकास को माध्यम बनाकर राज्य के सामाजिक और आर्थिक परिदृश्य को एक नई दिशा देने का सफल प्रयास किया है। मुख्यमंत्री ग्राम सम्पर्क योजना के अंतर्गत राज्य में अबतक 40 हजार 893 किमी से भी अधिक सड़कों का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है जबकि ग्रामीण कार्य विभाग ने कुल 49 हजार, 541.7 किलोमीटर सड़क के निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यानी लक्ष्य का 80 प्रतिशत से भी अधिक निर्माण कार्य को पूरा कर लिया गया। इन सड़कों के निर्माण से राज्य के 24 हजार से भी अधिक गांवों को पक्की सड़कों की सौगात मिली है। चूंकि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में 500 तक की आबादी वाले टोलों को ही शामिल लिया जा सकता है। इसलिए इससे छोटी आबादी वाले टोलों को संपर्कता देने के लिए मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क योजना की शुरूआत वर्ष 2013 में की गई थी। अब हर टोले को पक्की बारहमासी सड़क से जोड़ने की दिशा में ग्रामीण कार्य विभाग जुटा हुआ है। ग्रामीण कार्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार इस योजना के तहत 49 हजार, 541.309 किमी लंबाई की कुल 33 हजार 618 किमी सड़कों के निर्माण की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। इनमें अबतक 80 प्रतिशत से भी अधिक परियोजनाएं पूर्ण की जा चुकी हैं। यह राज्य में ग्रामीण संपर्कता की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है।

ग्रामीण सड़कों की निर्माण का जिलावार आंकड़ा

सड़क निर्माण की संख्या और लंबाई के आधार पर मुजफ्फरपुर जिला इस योजना के क्रियान्वयन में राज्यभर में अव्वल है। मुजफ्फरपुर के लिए निर्धारित अबतक 2830.99 किलोमीटर सड़कों के निर्माण का लक्ष्य है जिसके विरुद्ध 2581.278 किमी सड़क का निर्माण पूरा कर लिया गया है। इसके बाद मधुबनी जिला में कुल 2455.21 किमी का निर्माण पूर्ण हो चुका है जबकि अररिया में 2628.175 किमी के लक्ष्य के विरुद्ध 2305.858 किमी और पूर्वी चंपारण में 2770.415 किमी के लक्ष्य के विरुद्ध 2180.896 किमी सड़क का निर्माण पूरा किया जा चुका है। ग्रामीण सड़कों के निर्माण से न केवल आवागमन सुगम हुआ है, बल्कि सड़क सुरक्षा में भी व्यापक सुधार दर्ज की गई है।

धातु शिल्पकारों के लिए उच्च स्तरीय प्रशिक्षण

मुरादाबाद में 15 शिल्पकारों को मिल रहा उन्नत कौशल

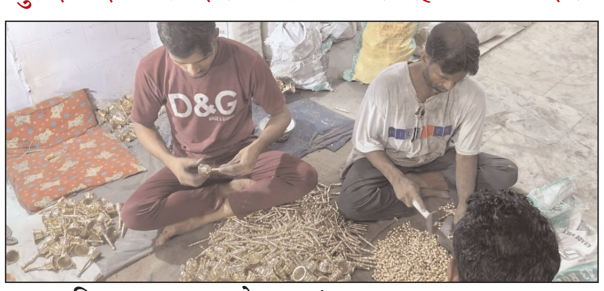

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। उपेन्द्र महारथी शिल्प अनुसंधान संस्थान, पटना द्वारा पश्चिम चंपारण जिला के मझौलिया प्रखंड अंतर्गत कसेरा टोला क्लस्टर में कार्यरत 15 कांसा एवं पीतल शिल्पकारों को मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) में 5 दिवसीय उच्च स्तरीय प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है जिसमें शिल्पकारों को कांसा और पीतल शिल्प निर्माण की नई तकनीकें, आधुनिक डिजाइन, फिनिशिंग, पॉलिशिंग, उन्नत औजारों का प्रयोग और बाजार की मांग के अनुसार उत्पाद तैयार करने की विधि सिखाई जा रही है। प्रशिक्षण में शिल्पकारों को उत्पाद की गुणवत्ता सुधारने, डिजाइन में विविधता लाने और आधुनिक बाजार के रुझानों के अनुरूप काम करने की विशेष जानकारी दी जा रही है। इसका उद्देश्य उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धा के लिए सक्षम बनाना है। प्रशिक्षण अवधि के दौरान सभी प्रतिभागी शिल्पकारों को नाश्ता, भोजन और आवास की सुविधा निःशुल्क उपलब्ध कराई गई है जिससे वे पूरी तरह से प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित कर सकें।

भारतरत्न पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयन्ती पर कांग्रेसजनों ने किया नमन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्व. राजीव गांधी की 81वीं जयन्ती के अवसर पर आज प्रदेश कांग्रेस कमिटी के मुख्यालय सदाकत आश्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित कांग्रेसजनों के साथ सदाकत आश्रम के उद्यान में स्थित उनकी प्रतिमा पर बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम सहित वरिष्ठ नेताओं ने माल्यार्पण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष राजेश राम ने किया। इस अवसर पर राजेश राम ने कहा कि राजीव गांधी संचार क्रांति के जनक थे तथा सत्ता के विकेन्द्रीकरण के लिये पंचायती राज की स्थापना की जिसे बाद में कांग्रेस सरकार के दौरान संविधान संशोधन कर पंचायत को विशेष अधिकार सौंपे गये। उन्होंने कहा

कि राजीव गांधी ने देश के युवाओं को मताधिकार दिलाया तथा महिला सशक्तिकरण के दिशा में उल्लेखनीय कार्य किया था। राजेश राम ने कहा कि इन्दिरा गांधी एवं राजीव गांधी ने देश की एकता एवं अखण्डता की रक्षा के लिये एवं इसके धर्मनिरपेक्ष चरित्र को अक्षुण्ण बनाये रखने के लिये अपनी कुबार्नी दी। उन्होंने कहा कि आज देश के धर्मनिरपेक्ष चरित्र पर बड़ा खतरा उत्पन्न हो गया है। उन्होंने कहा कि आज कांग्रेसजनों को संकल्प लेना है कि वे इन्दिरा गांधी एवं राजीव गांधी के सपनों का भारत बनाने में अपनी सारी शक्ति लगायेंगे। इस अवसर पर स्व. राजीव गांधी के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष चंदन वागची, प्रेमचन्द्र मिश्रा, अभय दूबे, वीणा शाही, मोती लाल शर्मा, राजेश राठौड़, ब्रजेश प्रसाद मुनन, डा0 हरखू झा, प्रमोद कुमार सिंह, कपिलदेव प्रसाद यादव, अम्बुज किशोर झा, विनय वर्मा, अजय चौधरी, राजेश कुमार सिन्हा, ज्ञान रंजन, चन्द्र प्रकाश सिंह, सौरभ सिन्हा, राजीव मेहता, मंजीत आनन्द साहू, वैद्यनाथ शर्मा, अरविन्द लाल रजक, संतोष श्रीवास्तव, वसी अख्तर, सत्येन्द्र कुमार सिंह, शशिकांत तिवारी, संजीव कर्मवीर, कमल कमलेश सुधा मिश्रा ,रीता सिंह, साधना रजक, असफर अहमद, मनोज मेहता, मो0 शाहनवाज, विश्वनाथ बैठा, रामाशंकर पाण्डेय, कैसर, संजय श्रीवास्तव, अखिलेश्वर सिंह, विमलेश तिवारी, सुनील कुमार सिंह, हीरा सिंह वग्गा, अजय पासवान, प्रियंका सिंह, सुनील कुमार चैधरी, सुदय शर्मा, रामाशंकर कुमार, शम्मी कपूर, नदीम अंसारी आदि प्रमुख थे।

इएसआइसी स्प्री योजना को लेकर श्रम अधीक्षकों एवं पदाधिकारियों के साथ बैठक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। श्रम संसाधन विभाग, बिहार सरकार के तत्वावधान में नियोजन भवन पटना में श्रम आयुक्त एवं क्षेत्रीय निदेशक इएसआइसी बिहार के द्वारा स्प्री योजना-2025 के विषय पर सभी श्रम अधीक्षकों एवं श्रम प्रवर्तन पदाधिकारियों के साथ विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक का आयोजन किया गया। क्षेत्रीय निदेशक सीए निरंजन कुमार ने सभी उपस्थित श्रम अधीक्षकों एवं श्रम प्रवर्तन पदाधिकारियों को इएसआइसी द्वारा हाल ही में लांच योजना के विषय में विस्तार से बताते हुए अवगत कराया कि वैसे नियोक्ता या संस्थान जिन्होंने चूकवश या अनजाने में अपने संस्थान को अबतक इएसआइ अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत नहीं करा पाये हैं उन्हें 1 जुलाई से 31 दिसंबर 2025 तक बिना पिछले अवधि के बकाया की मांग के पंजीकृत करने के लिए अवसर प्रदान करती है। इस योजना के तहत कर्मचारी द्वारा घोषित पंजीकरण तिथि से पहले की अवधि के लिए कोई रिकॉर्ड जांच या बकाया की मांग नहीं की जायेगी।

मंडल रेल प्रबंधक की अध्यक्षता में दानापुर की मंडल रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति की बैठक संपन्न

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। दानापुर मंडल मुख्यालय के सभाकक्ष में मंडल की मंडल रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति की बैठक का आयोजन किया गया। वर्तमान परामर्शदात्री समिति की वर्ष-2025-26 की यह प्रथम बैठक है। मंडल रेल प्रबंधक विनोद कुमार की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में स्वागतोपरांत, सर्वप्रथम समिति के सम्मानित सदस्यों से उनका परिचय प्राप्त किया गया। तदुपरांत बैठक के दौरान मंडल के अंतर्गत विभिन्न स्टेशनों पर व ट्रेनों में यात्री सुविधा के साथ ट्रेनों व उनके ठहराव, खान-पान, माल परिवहन सुविधा, सुरक्षा, संरक्षा, चिकित्सा, स्वच्छता आदि अन्य विभिन्न बिंदुओं पर गहन चर्चा की गई। बैठक में समिति के सदस्यों द्वारा रेलवे की विभिन्न सुविधाओं को लेकर अपने बहुमूल्य सुझाव भी दिए गए जिस पर मंडल की ओर से इन सुझावों पर गंभीरता से विचार करते हुए समुचित सकारात्मक कार्यवाही किये जाने की बात कही गई। बैठक में सदस्यों द्वारा रेलवे द्वारा विगत वर्षों में बड़े पैमाने पर किए गए विकास व सुधार कार्यों की बदौलत आये सकारात्मक परिवर्तन की सराहना भी की गई। मंडल रेल प्रबंधक की अध्यक्षता में मंडल रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति की इस बैठक के दौरान अपर मंडल रेल प्रबंधक सहित शाखा अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक का संचालन अभिनव सिद्धार्थ, वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक दानापुर द्वारा किया गया।

दादीजी मंदिर में 22 से होगी भादो बदी अमावस्या महोत्सव पूजा की धूम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भादो बदी अमावस्या के अवसर पर 22 अगस्त से दो दिवसीय महोत्सव का प्रारंम्भ बैंक रोड स्थित श्री दादीजी मंदिर में पूरे धूमधाम से होगा। यह जानकारी अध्यक्ष अमर अग्रवाल ने आज अंतिम तैयारी की बैठक के बाद दी। अमर अग्रवाल ने बताया कि इसके लिए पूरे श्री दादीजी मन्दिर परिसर को रंग बिरंगे देशी एवं विदेशी फूलों से काफी अच्छी तरह से सजाया जा रहा है जो देखने में काफी आकर्षक लगेगा तथा मन को मोह लेगा। इस दिन पूरा दादीजी परिसर का माहौल राजस्थानी संस्कृति में रचा बसा नजर आयेगा। अग्रवाल ने बताया कि इस अवसर पर लाल पीली चुनड़ी में सजी 1100 महिलाओं के द्वारा अखंड सुहाग के लिए सामूहिक रूप से श्री दादीजी का मंगल पाठ किया जाएगा। श्री दादीजी सेवा समिति के तत्वावधान में यह महोत्सव दूसरे दिन शनिवार 23 अगस्त तक चलेगा। अग्रवाल ने बताया कि महोत्सव के दूसरे दिन सुबह छह बजे से हीं महिलाएं एवं पुरुष मंगल आरती के लिए कतार में लग कर आरती करेंगे। आरती के बाद दादीजी की पूजा अर्चना करने के लिए भक्तगणों स्वास्तिक बनाकर रोली, मेंहदी,चावल, पेड़ा, चुनरी के साथ बहुत सारे श्रृंगार के सामान दादीजी को चढ़ाकर पूजा अर्चना करेंगे।

एचडीएफसी बैंक ने भारत जीपीटी क्रिएटर कोरोवर में निवेश किया

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी बैंक ने एक अग्रणी संवादात्मक एआई कंपनी कोरोवर में निवेश की घोषणा की है। कोरोवर एक अग्रणी, संप्रभु और उद्यम-स्तरीय लार्ज लैंग्वेज मॉडल (एलएलएम) है जिसने भारतजीपीटी का निर्माण किया है। कोरोवर का उपयोगकर्ता आधार लगभग 1 अरब है और इस पर 25,000 से अधिक उद्यम और डेवलपर्स भरोसा करते हैं जो संवादात्मक एआई एजेंट, एआई सहायक (वीडियोबॉट, वॉयसबॉट, चैटबॉट) और टेलीफोनी एआई समाधान विकसित करता है। ये समाधान भारतजीपीटी द्वारा संचालित हैं जो एक बहुभाषी,

बहुविध और डोमेन-अनुकूलनीय एलएलएम है जिसे पूरी तरह से भारत में, भारत के लिए बनाया गया है। एचडीएफसी बैंक के ग्रुप हेड ट्रेजरी, अरूप रक्षित ने कहा भारतजीपीटी का विकास, जो भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में कई भारतीय भाषाओं में सूचनाओं के आदान-प्रदान को सक्षम बनाता है, ने कोरोवर को हमारे लिए विशिष्ट बना दिया है। हम कोरोवर की विशेषज्ञता को महत्व देते हैं जो विशिष्ट स्थानीय आवश्यकताओं को पूरा करती है। कोरोवर के संस्थापक और सीईओ अंकुश सभरवाल ने कहा भारतजीपीटी की पहुंच और प्रभाव का विस्तार करते हुए हमें एचडीएफसी बैंक और अन्य निवेशकों का विश्वास और समर्थन प्राप्त करने पर गर्व है।

संपादकीय

समूची दुनिया में मौसम के बिगड़ते स्वरूप को लेकर जताई जा रही है चिंता

कई शहरों में एक-दो घंटे की बरसात में ही सब कुछ ठहर-सा जाता है और चारों ओर बाढ़ का दृश्य बन जाता है। यह निश्चित रूप से अनियोजित शहरी विकास का नतीजा है, जहां बहुत अच्छी सड़कें तो बना दी जाती हैं, लेकिन पानी के निकास का उचित और पर्याप्त इंतजाम नहीं किया जाता है। मौसम की अपनी गति होती है और सामान्य स्थितियों में वह पारिस्थितिकी चक्र को बनाए रखने का एक जरूरी हिस्सा होती है। मगर पिछले कुछ समय से इसके स्वरूप में तेजी से बदलाव दर्ज किया जा रहा है और खासतौर पर बारिश की वजह से होने वाली तबाही की तस्वीर ज्यादा बिगड़ती जा रही है। यों हर वर्ष मानसून के पूरे मौसम में बारिश की वजह से देश के ज्यादातर हिस्से कम या ज्यादा प्रभावित होते हैं, लेकिन कई बार ऐसा लगता है कि बरसात अब बेलगाम हो रही है और तबाही का सिलसिला-सा बनता जा रहा है।पिछले दिनों उत्तराखंड के धराली और हर्षिल में, फिर जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में बादल फटने और उससे हुई जानमाल की भारी तबाही की जैसी घटनाएं हुई, उन्होंने देश के बाकी हिस्सों के लोगों को भी दहला दिया। अब कश्मीर के कठुआ में भी बादल फटने और भूस्खलन की घटना में सात लोगों की जान चली गई। दूसरी ओर, मुंबई में लगातार तीन दिन की बारिश के बाद हालत यह हो गई, मानो शहर में बाढ़ आ गई हो। वहां कई इलाकों में जलभराव की वजह से जनजीवन पूरी तरह बाधित हो गया, कई जिलों में चेतावनी जारी कर दी गई है। वहीं मराठवाड़ा क्षेत्र में बादल फटने की घटना में नांदेड़ के पांच लोगों के लापता होने की खबर आई।इसी तरह, हिमाचल प्रदेश के मंडी सहित कई इलाकों में जिस तरह लगातार बार-बार बादल फटने की घटनाएं सामने आ रही हैं, उससे समूची स्थानीय आबादी के सामने किसी तरह खुद को बचाने की चुनौती खड़ी हो रही है। यह समझना मुश्किल हो रहा है कि कम या ज्यादा बरसात वाले जिस मानसून को देश की खेती-किसानी के लिए एक जरूरत के तौर पर देखा जाता था, अब वह कई राज्यों में व्यापक तबाही का कारण क्यों बन रहा है। कई इलाकों में अब बारिश के समांतर बादल फटने की घटना में भी इतनी तेजी से बढ़ोतरी क्यों देखी जा रही है? दूसरी ओर, कई शहरों में एक-दो घंटे की बरसात में ही सब कुछ ठहर-सा जाता है और चारों ओर बाढ़ का दृश्य बन जाता है। यह निश्चित रूप से अनियोजित शहरी विकास का नतीजा है, जहां बहुत अच्छी सड़कें तो बना दी जाती हैं, लेकिन पानी के निकास का उचित और पर्याप्त इंतजाम नहीं किया जाता है। नतीजतन, दिल्ली जैसे महानगर का बड़ा हिस्सा कुछ देर की घनघोर बरसात में ही जलभराव, सड़क जाम से त्रस्त हो जाता है और पेड़ों के गिरने से होने वाले जानमाल के नुकसान की अनेक घटनाएं सामने आती हैं।

सत्ता पक्ष जहां शासन संचालन और नीतियों को लागू करने के लिए जिम्मेदार होता है, वहीं विपक्ष लोकतंत्र का प्रहरी बनकर उसके हर कदम पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है, असंतोष को स्वर देता है और जनभावनाओं को दिशा देता है। लेकिन वर्तमान विपक्ष इन भूमिकाओं में नकारा साबित हो रहा है, ऐसा प्रतीत होता है कि विपक्ष अपनी ही बिसात पर मात खा रहा है, जिस तरह से विपक्ष और विशेषतः कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वोट चोरी, ईवीएम में गड़बड़ी एवं मतदाता सूचियों के विशेष गहन परीक्षण पर बेतूके एवं आधारहीन आरोप लगाये हैं, उससे संवैधानिक संस्था चुनाव आयोग की गरिमा एवं प्रतिष्ठा तो आहत हुई ही है, लेकिन विपक्ष की भूमिका भी कठघरे में दिख रही है।

अपनी ही बिसात पर मात खा रहा है विपक्ष

(ललित गर्ग)

लोकतंत्र का सार यही है कि सत्ता और विपक्ष दोनों एक-दूसरे के पूरक हों, शत्रु नहीं। विपक्ष को केवल विरोध की राजनीति से बाहर आकर वैकल्पिक दृष्टिकोण देना होगा, और सत्ता-पक्ष को भी यह समझना होगा कि विपक्ष की आलोचना लोकतंत्र का अभिन्न हिस्सा है।

भारत का लोकतंत्र विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यह केवल संख्याओं और मतों का खेल नहीं है, बल्कि एक ऐसी जीवंत प्रक्रिया है जिसमें सत्ता और विपक्ष दोनों की समान रूप से महत्वपूर्ण भूमिका होती है। सत्ता पक्ष जहां शासन संचालन और नीतियों को लागू करने के लिए जिम्मेदार होता है, वहीं विपक्ष लोकतंत्र का प्रहरी बनकर उसके हर कदम पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है, असंतोष को स्वर देता है और जनभावनाओं को दिशा देता है। लेकिन वर्तमान विपक्ष इन भूमिकाओं में नकारा साबित हो रहा है, ऐसा प्रतीत होता है कि विपक्ष अपनी ही बिसात पर मात खा रहा है, जिस तरह से विपक्ष और विशेषतः कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वोट चोरी, ईवीएम में गड़बड़ी एवं मतदाता सूचियों के विशेष गहन परीक्षण पर बेतूके एवं आधारहीन आरोप लगाये हैं, उससे संवैधानिक संस्था चुनाव आयोग की गरिमा एवं प्रतिष्ठा तो आहत हुई ही है, लेकिन विपक्ष की भूमिका भी कठघरे में दिख रही है। यह अच्छा हुआ कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने प्रेस कांफ्रेंस कर वोट चोरी सहित ऐसे ही बेहूदा, आधारहीन एवं गुमराह करने वाले राहुल गांधी के आरोपों का न केवल बिन्दुबार जबाव दिया, बल्कि उन्हें बेनकाब करते हुए यह भी कहा कि वे या तो अपने निराधार आरोपों के सन्दर्भ में शपथ पत्र दें या सात दिनों के भीतर देश से माफी मांगें। निश्चित ही राहुल गांधी को ऐसी चेतावनी देना आवश्यक हो गया था, क्योंकि वे अपने संकीर्ण एवं स्वार्थी राजनीतिक हितों की पूर्ति के लिये लोकतंत्र की संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा को धुंधलाने की सारी हदें पार चुके हैं।

हाल के दिनों में जिस तरह चुनाव आयोग, मतदाता सूची और वोट चोरी के आरोपों को लेकर बहस छिड़ी है, उसने इस प्रश्न को फिर से गहराई से सोचने को बाध्य किया है कि क्या लोकतंत्र में विपक्ष बेबुनियाद आरोप लगाते हुए अपनी भूमिका को प्रश्नों के घेरे में कब तक डालता रहेगा? विपक्ष बिना ठोस प्रमाण के बड़े आरोप लगाकर लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर प्रश्न खड़े कर देता है। क्या जनहित के नाम पर जनता के व्यापक हित से जुड़े सुधारों का विरोध करना विपक्ष का शगल बन गया है? पिछले एक दशक से विपक्ष लोकतंत्र को सशक्त बनाने की अपनी भूमिका की बजाय उसे कमजोर एवं जर्जर करने में जुटा है। उसने सत्ता-पक्ष को घेरने के लिये जरूरी मुद्दों को सकारात्मक तरीकों से उठाने की बजाय विध्वंसात्मक तरीकों से विकास के जनहितकारी मुद्दों को भी विवाद का मुद्दा बनाते हुए सारी हदें पार कर पार दी है। आधार को बैंक अकाउंट से जोड़ने का मामला हो या अनुच्छेद 370 को खत्म करना हो। सीएए-एनआरसी का मामला हो या हाल में चुनाव आयोग द्वारा बिहार में मतदाता सूची का विशेष गहन परीक्षण अभियान हो। विपक्ष मोदी सरकार के इन विकासमूलक सुधारों को जनहित के खिलाफ बताते हुए मुखर विरोध कर रहा हैं, जो लोकतंत्र को धुंधलाने की एक बड़ी साजिश प्रतीत होती है। निश्चित ही विपक्ष की इस खींचतान में सबसे बड़ी क्षति जनता की आस्था की होती है। जब चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता संदिग्ध बनाई जाती है, तो लोकतंत्र की नींव हिलने लगती है। लोकतंत्र में हार-जीत से भी बड़ा मुद्दा चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता और विश्वसनीयता होता है।

विपक्ष केवल सत्ता की आलोचना करने के लिए नहीं है। उसका दायित्व है कि वह जनता की समस्याओं जैसे बेरोजगारी, महंगाई, जीएसटी की अतिश्योक्तिपूर्ण वसूली, पर्यावरण, सफाई, नारी की असुरक्षा जैसे ज्वलंत मुद्दों को उजागर करे, ठोस विकल्प प्रस्तुत करे और लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती में योगदान दे। केवल आरोप-प्रत्यारोप में उलझकर यदि विपक्ष अपनी ऊर्जा खर्च कर देता है तो वह जनता का विश्वास खो देता है। यही कारण है कि आज विपक्ष की स्थिति कमजोर मानी जा रही है, क्योंकि वह केवल आरोप लगाता हुआ दिखता है, समाधान प्रस्तुत करने में पिछड़ जाता है। सत्ता पक्ष को भी यह नहीं भूलना चाहिए कि लोकतंत्र केवल बहुमत से नहीं चलता, बल्कि सहमति और पारदर्शिता से भी चलता है। यदि विपक्ष लगातार सवाल उठा रहा है तो सत्ता पक्ष का कर्तव्य है कि वह धैर्यपूर्वक उत्तर दे, जाँच के रास्ते खोले और हर आरोप को तथ्यों से परखे। विपक्ष को नकार देना लोकतंत्र को कमजोर करना है। जब सत्ता और विपक्ष के बीच टकराव बढ़ता है, तब न्यायपालिका अंतिम सहारा बनती है। यही कारण है कि आज बार-बार सुप्रीम कोर्ट से हस्तक्षेप की माँग उठती है। यह स्थिति लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है, क्योंकि इसका अर्थ है कि जनता और राजनीतिक दल चुनाव आयोग व अन्य संवैधानिक संस्थाओं पर भरोसा नहीं कर पा रहे। इसलिए न्यायपालिका की भूमिका भी अब केवल विवाद सुलझाने की नहीं रह गई है, बल्कि लोकतंत्र के विश्वास को पुनः स्थापित करने की हो गई है, जबकि यह कार्य राजनीतिक दलों एवं चुनी हुई सरकारों का होता है।

लोकतंत्र का सार यही है कि सत्ता और विपक्ष दोनों एक-दूसरे के पूरक हों, शत्रु नहीं। विपक्ष को केवल विरोध की राजनीति से बाहर आकर वैकल्पिक दृष्टिकोण देना होगा, और सत्ता-पक्ष को भी यह समझना होगा कि विपक्ष की आलोचना लोकतंत्र का अभिन्न हिस्सा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रारंभ से ही विपक्ष को महत्व दिया है, उन्होंने संवेदनशील सरकार के साथ सृजनात्मक नेतृत्व का परिचय दिया है लेकिन विपक्ष जब आग्रह, पूर्वाग्रह एवं दुराग्रह से घिरा हो तो सकारात्मक दिशाएं कैसे उद्घाटित हो सकती है? आज की राजनीति में लोकतंत्र और विपक्ष के बीच खींचतान तेज़ है। यह टकराव लोकतंत्र को कमजोर करने वाला नहीं बल्कि उसे और परिपक्व बनाने वाला होना चाहिए। आवश्यकता इस बात की है कि विपक्ष अपनी रचनात्मक भूमिका निभाए और सत्ता पक्ष उसकी आलोचना को स्वीकार कर उत्तरदायित्वपूर्ण जवाब दे। तभी लोकतंत्र की असली शक्ति और जनता के विश्वास को बनाए रखा जा सकता है।

लोकतंत्र की शक्ति केवल सरकार में नहीं बल्कि एक सशक्त और रचनात्मक विपक्ष में भी निहित होती है। विपक्ष लोकतांत्रिक ढांचे का आवश्यक स्तंभ है, जो सत्ता पर निगरानी रखता है, नीतियों में कमियों को उजागर करता है और जनता की आवाज़ को सदन तक पहुँचाता है। लेकिन जब विपक्ष अपनी इस जिम्मेदारी को भूलकर केवल नकारात्मक राजनीति पर उतर आए, तो लोकतंत्र की नींव कमजोर होने लगती है और देश की छवि तथा स्थिरता पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो जाता है। आज भारत का विपक्ष जिस तरह संसद को ठप करने, व्यक्तिगत हमलों, दुष्प्रचार और असंवेदनशील आचरण पर आमादा है, उसने लोकतंत्र की गरिमा को ठेस पहुँचाई है। संसद सत्र, जहाँ जनता की समस्याओं का समाधान खोजा जाना चाहिए, वहाँ विपक्ष का रवैया अवरोध पैदा करने वाला अधिक दिखता है। महत्वपूर्ण विधेयकों पर सार्थक चर्चा के बजाय नारेबाज़ी और वॉकआउट आम बात हो गई है। यह स्थिति केवल सरकार ही नहीं, पूरे राष्ट्र के लिए घातक है। इतिहास गवाह है कि जब-जब विपक्ष ने रचनात्मक भूमिका निभाई है तो लोकतंत्र और मजबूत हुआ है। 1977 में आपातकाल के विरोध से लेकर 1989 तक विपक्ष ने लोकतंत्र को बचाने और पुनर्जीवित करने का कार्य किया। लेकिन 2014 के बाद से जिस तरह विपक्ष अपरिपक्व, निरंतर बिखरा हुआ, नेतृत्वविहीन और नकारात्मक एजेंडे पर केंद्रित रहा है, उसने लोकतांत्रिक संस्कृति को आघात पहुँचाया है।

विदेशी ताकतें हमेशा से भारत की आंतरिक कमजोरी का फायदा उठाने की फिराक में रहती हैं। जब विपक्ष सरकार की नीतियों का विरोध करने के नाम पर राष्ट्र-विरोध, राष्ट्रीय सुरक्षा, सेना की कार्रवाई या विदेश नीति तक पर सवाल उठाने लगता है, तो इसका सीधा लाभ पाकिस्तान और चीन जैसे देशों को मिलता है। अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की छवि को धूमिल करना विपक्ष का उद्देश्य नहीं होना चाहिए, लेकिन दुर्भाग्य से हालात यही इशारा कर रहे हैं। लोकतंत्र में मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन मतभेद को 'विघटन' में बदल देना खतरनाक है। विपक्ष को याद रखना होगा कि उसकी जिम्मेदारी केवल सत्ता पाने की नहीं, बल्कि देश की स्थिरता और विकास को सही दिशा देने की भी है। अगर विपक्ष अपने दायित्वों को नकारात्मक राजनीति में खोता रहा तो यह न केवल उसके लिए बल्कि पूरे लोकतंत्र के लिए आत्मघाती सिद्ध होगा। आज समय की मांग है कि विपक्ष आत्ममंथन करे।

दुनिया के चौधरी बने अमेरिका की धड़ाधड़ बंद हो रही दुकान ...भारत ने ब्रिक्स में चल दी ये तगड़ी चाल

(दिनेश मिश्र)

दुनिया के चौधरी बने फिर रहे अमेरिका के दिन अब लदने वाले हैं। दूसरी बार अमेरिका की सत्ता संभालने वाले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ये लगा था कि वो पूरी दुनिया में अपनी बात मनवा लेंगे। मगर, उनकी यह कोशिश नाकाम हो चुकी है। ट्रंप बार-बार अपने मंसूबे में फेल हो रहे हैं। उन्होंने भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना अच्छा दोस्त बताने के बावजूद 50 फीसदी टैरिफ लगाकर अचानक गच्चा दे दिया। वहीं, रूस से तेल न खरीदने को लेकर धमकियां भी दे डाली थी। ऐसे में भारत ने भी खुद को संप्रभु राष्ट्र बताते हुए ट्रंप को साफ कर दिया था कि हम झुकने वालों में से नहीं हैं। अब इससे एक कदम और आगे जाकर भारत ने ब्रिक्स के रूप में नई चाल चल दी है।

भारत ने ऐसा क्या कर दिया, जिससे परेशान अमेरिका: दरअसल, ट्रंप के 50 फीसदी टैरिफ के जवाब में भारत ने भी चुपचाप एक चाल चल दी। नवभारत टाइम्स पर छपी एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने बैंकों को बिना पूर्व अनुमति के और अधिक वोस्ट्रो खाते खोलने का निर्देश दिया गया है। वेबसाइट वेचरगुरु पर छपी रिपोर्ट के हवाले से ये बताया गया था कि हाल ही में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने कहा है कि बैंक अब दूसरे देशों के आयात-निर्यात व्यवसायों को विशेष वोस्ट्रो खातों के माध्यम से रुपये में व्यापार निपटान की अनुमति दे सकते हैं। विश्लेषकों का कहना है कि इस कदम से अंतरराष्ट्रीय बाजारों में डॉलर के प्रभुत्व में गिरावट और तेज हो सकती है। अमेरिकी की बड़ी परेशानी की वजह यही है।

रिक-यह भी दे रहा है ट्रंप को सिरदर्द: डोनाल्ड ट्रंप को एक और बात से बड़ा सिरदर्द हो रहा है। वह है आरआईसी का मंच तैयार करना। ट्रंप की चिंता यही है कि भारत उसके दो प्रतिद्वंद्वियों रूस और चीन के करीब जा रहा है। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर हाल ही में चीन में शंघाई सहयोग संगठन में हिस्सा लेने गए थे। वहां उन्होंने इस बात के संकेत दिए थे। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी वहां जा सकते हैं। ऐसे में ट्रंप की टेंशन बढ़ना स्वाभाविक है।

रूस-यूक्रेन युद्ध भी नहीं खत्म करा पाए: ट्रंप ने वादा किया था कि वो रूस-यूक्रेन युद्ध जल्द खत्म करा देंगे। मगर, वह इतने दिन बाद भी ऐसा नहीं करा पाए। वह भारत-पाकिस्तान में सीजफायर का भी दावा कर चुके थे। मगर, भारत ने बार-बार सिरे से उनकी बात का खंडन कर दिया था। ऐसा कोई दावा और किसी देश ने भी नहीं किया था। उनका हर दावा झूठा निकला है। ब्रिक्स क्या है, इसका मकसद क्या है काउंसिल ऑन फारेन रिलेशंस-पर छपी एक रिपोर्ट के अनुसार, ब्रिक्स में शामिल देश ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका के अलावा पांच नए सदस्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं का एक अनौपचारिक समूह हैं। ये सदस्य वैश्विक व्यवस्था में अपना प्रभाव बढ़ाने की उम्मीद कर रहे हैं। 2009 में ब्रिक्स की स्थापना इस आधार पर की गई थी कि अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं पर पश्चिमी शक्तियों का अत्यधिक प्रभुत्व था और वे विकासशील देशों की को मदद देने से पीछे हट रही थीं। इस समूह ने अपने सदस्यों की आर्थिक और कूटनीतिक नीतियों में तालमेल बनाने, नए वित्तीय संस्थानों की स्थापना करने और अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम करने का प्रयास किया है।

ब्रिक्स क्यों महत्वपूर्ण है, अमेरिका परेशान: यह गठबंधन कोई औपचारिक संगठन नहीं है, बल्कि गैर-पश्चिमी अर्थव्यवस्थाओं का एक स्वतंत्र समूह है जो एक साझा लक्ष्य के इर्द-गिर्द आर्थिक और कूटनीतिक प्रयासों का समन्वय करता है। ब्रिक्स देश विश्व बैंक , ग्रुप ऑफ़ सेवन (जी7) और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद जैसे प्रमुख बहुपक्षीय समूहों में पश्चिमी दृष्टिकोण के प्रभुत्व के विकल्प के रूप में एक विकल्प बनाने का प्रयास करते हैं। इसके अलावा, ब्रिक्स 24 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था वाला बाजार है। इसी पर अमेरिका की नजर है।

यह भी है बड़ी वजह : समूह का 2024 का विस्तार कई भू-राजनीतिक निहितार्थों के साथ आया है। यह बढ़ती आर्थिक और जनसांख्यिकीय ताकत का प्रतीक है। 11 ब्रिक्स देश अब वैश्विक अर्थव्यवस्था के एक-चौथाई से ज्यादा और दुनिया की लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह समूह गाजा पट्टी और यूक्रेन में युद्धों , वैश्विक आर्थिक व्यवस्था के स्वरूप, चीन और पश्चिम के बीच प्रतिस्पर्धा और स्वच्छ ऊर्जा में परिवर्तन के प्रयासों पर प्रभाव डालने के लिए तैयार है। हालांकि, बढ़ती सदस्यता के साथ नई चुनौतियां भी आ रही हैं, जिनमें पश्चिमी देशों और समूह के भीतर विभाजनों से बढ़ता प्रतिरोध भी शामिल है। विशेषज्ञों का कहना है कि ब्रिक्स सदस्य इन तनावों से कैसे निपटते हैं, यह तय करेगा कि क्या यह समूह वैश्विक मंच पर एक अधिक एकीकृत आवाज बन पाएगा।

ऐसे हुई थी ब्रिक्स की पैदाइश

यह शब्द मूल रूप से गोल्डमैन सैक्स के अर्थशास्त्री जिम ओ-नील द्वारा 2001 के एक शोध पत्र में गढ़ा गया था , जिसमें उन्होंने तर्क दिया था कि तत्कालीन ब्रिक देशों (ब्राजील, रूस, भारत और चीन) की वृद्धि प्रमुख जी 7 धनी अर्थव्यवस्थाओं को चुनौती देने के लिए तैयार थी।

आरक्षण में क्रीमी लेयर पर राजनीतिक दलों की चुप्पी

आरक्षण की जरूरत है या नहीं, इस पर चर्चा तक करने से कतराते हैं। अन्य पिछड़ा वर्ग की आय सीमा से संबंधित को संसदीय समिति की आठवीं रिपोर्ट में आय सीमा को बढ़ाने की सिफारिश की है। समिति की रिपोर्ट में कहा गया है कि आय सीमा को 6.5 लाख रुपये से बढ़ाकर 8 लाख रुपये प्रति वर्ष करने संबंधी संशोधन 2017 में किया गया था। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) के नियमों के अनुसार, इस सीमा की समीक्षा हर तीन साल पर या जरूरत पडने़ पर उससे पहले भी की जानी चाहिए। भाजपा सांसद गणेश सिंह की अध्यक्षता वाली स्थायी समिति ने कहा कि वर्तमान सीमा कम है, जिसके दायरे में ओबीसी का केवल एक छोटा सा हिस्सा आता है।

(योगेंद्र योगी)

संभव है कि संसद में इस समिति की सिफारिश मानते हुए आय सीमा बढ़ा दी जाए। इस पर शायद ही कोई राजनीतिक दल ऐतराज करे। राजनीतिक दलों में इतना साहस ही नहीं है कि आरक्षण की सीमा तय करने और उसके प्रभावों पर किसी तरह की चर्चा करें।

देश में आरक्षण एक ऐसा मुद्दा है, जिसे हर राजनीतिक दल लपकने को तैयार रहता है। राजनीतिक दलों को लगता है कि बहुआयामी विकास के मुद्दे के बजाए आरक्षण की पैरवी करके सत्ता पाना ज्यादा आसान है। इसके लिए नेता किसी भी हद तक जाने के लिए तैयार रहते हैं। यहां तक कि अदालतों के निर्णयों को भी चुनौती देने में पीछे नहीं रहते। नेताओं की दिलचस्पी आरक्षण को बढ़ाने में रहती है। आरक्षण की जरूरत है या नहीं, इस पर चर्चा तक करने से कतराते हैं। अन्य पिछड़ा वर्ग की आय सीमा से संबंधित को संसदीय समिति की आठवीं रिपोर्ट में आय सीमा को बढ़ाने की सिफारिश की है।

समिति की रिपोर्ट में कहा गया है कि आय सीमा को 6.5 लाख रुपये से बढ़ाकर 8 लाख रुपये प्रति वर्ष करने संबंधी संशोधन 2017 में किया गया था। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) के नियमों के अनुसार, इस सीमा की समीक्षा हर तीन साल पर या जरूरत पडने़ पर उससे पहले भी की जानी चाहिए। भाजपा सांसद गणेश सिंह की अध्यक्षता वाली स्थायी समिति ने कहा कि वर्तमान सीमा कम है, जिसके दायरे में ओबीसी का केवल एक छोटा सा हिस्सा आता है। उन्होंने कहा कि मुद्रास्फीति और निम्न आय वर्ग की बढ़ती आय के कारण इसमें वृद्धि करना समय की मांग है।

संभव है कि संसद में इस समिति की सिफारिश मानते हुए आय सीमा बढ़ा दी जाए। इस पर शायद ही कोई राजनीतिक दल ऐतराज करे। राजनीतिक दलों में इतना साहस ही नहीं है कि आरक्षण की सीमा तय करने और उसके प्रभावों पर किसी तरह की चर्चा करें। इसके विपरीत आरक्षण का दायरा बढ़ाने के लिए राजनीतिक दलों में प्रतिस्पर्धा रहती है। यही वजह है कि जब-जब आरक्षण में क्रीमी की पहचान कर अलग करने की बात की जाती है, तब राजनीतिक दलों को काठ मार जाता है। क्रीमी लेयर के मुद्दे पर चर्चा से सभी राजनीतिक दल भयभीत रहते हैं कि कहीं उनका वोट खिसक नहीं जाए।

आरक्षित वर्ग के हित में होने के बावजूद कोई भी राजनीतिक दल क्रीमी लेयर को आरक्षण के दायरे से बाहर करना तो दूर, बल्कि इस पर सार्वजनिक तौर पर बहस तक करने को तैयार नहीं है। जबकि यदि क्रीमी लेयर की पहचान कर उसे आरक्षण से बाहर कर दिया जाए तो आरक्षण से वंचित उसी वर्ग के लोगों को इसका फायदा मिल सकेगा।

संसदीय समिति की जो रिपोर्ट संसद में रखी गई है, उसमें अन्य पिछड़ा वर्ग की आय सीमा बढ़ाने की सिफारिश तो गई है किन्तु क्रीमी लेयर का जिक्र तक नहीं किया गया है। पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के पुनर्विचार निर्णय में सुप्रीम कोर्ट ने अगस्त 2024 में एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया, जिसमें राज्यों को आरक्षण के संबंध में अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) जैसे आरक्षित श्रेणी समूहों को उप-वर्गीकृत करने का अधिकार दिया गया। साथ ही कोर्ट ने कहा कि एसटी-एसटी क्रीमीलेयर को लेकर रिजर्वेशन में कैटेगरी बनाई जा सकती है। सर्वोच्च न्यायालय के इस निर्णय में कहा गया कि क्रीमी लेयर सिद्धांत, जो पहले केवल अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) पर लागू होता था (जैसा कि इंद्रा साहनी मामले में उजागर किया गया था) अब एससी और एसटी पर भी लागू होना चाहिए। इसका मतलब है कि राज्यों को एससी और एसटी के भीतर क्रीमी लेयर की पहचान करनी चाहिए। उसे आरक्षण के लाभ से बाहर करना चाहिए। अदालत ने कहा कि आरक्षण केवल पहली पीढ़ी तक ही सीमित होना चाहिए। यदि परिवार में किसी पीढ़ी ने आरक्षण का लाभ ले लिया है और उच्च दर्जा प्राप्त कर लिया है, तो आरक्षण का लाभ तार्किक रूप से दूसरी पीढ़ी को उपलब्ध नहीं होगा। इस निर्णय में विभिन्न राज्यों के कानूनों को बरकरार रखा गया, जिन्हें पहले रद्द कर दिया गया था, जैसे कि पंजाब और तमिलनाडु के कानून, जो राज्यों को एससी और एसटी समूहों के भीतर उप-श्रेणियां बनाने की अनुमति देते हैं। अर्थात राज्य मौजूदा आरक्षण के दायरे में ही अति पिछड़ों की पहचान कर उसे अलग से आरक्षण दे सकते हैं। इस पर भी ज्यादातर राज्य खामोश हैं। उन्हें लगता है इससे जिस वर्ग का आरक्षण कम हुआ है, वह नाराज नहीं हो जाएगा और वोट नहीं देगा। ऐसा करने से कहीं उस वर्ग का वोट बैंक हाथ से नहीं खिसक जाए, यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को एक साल होने के बाद भी ज्यादातर राज्यों ने आरक्षित दायरे में अति पिछड़ों की पहचान कर उन्हें अलग से आरक्षण देने की कवायद तक नहीं की।

क्रीमी लेयर को आरक्षण के दायरे से बाहर करने के सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय पर देश के किसी भी राजनीतिक दल और सरकारों ने चर्चा तक नहीं की। जबकि कोर्ट का साफ कहना था कि क्रीमी लेयर को हटाने से उसी वर्ग के वंचित लोगों को आरक्षण का फायदा मिल सकेगा। राजनीतिक दलों ने पहले कभी ओबीसी के क्रीमी लेयर का जिक्र तक नहीं किया, सुप्रीम कोर्ट ने इसमें एससी-एसटी को भी शामिल कर लिया। यह मुद्दा नेताओं के लिए अत्यधिक ज्वलनशील हो गया। क्रीमी लेयर को हटाना तो दूर रहा कोई इसके दायरे पर बहस तक करने को तैयार नहीं है। इसके विपरीत राजनीतिक दल आरक्षण की 50 प्रतिशत सीमा को हटाने पर तत्पर हैं।

नेताओं को लगता है कि आरक्षण की सीमा में नए वर्गों को शामिल करने से उनका वोट बैंक मजबूत होगा। यह अलग बात है कि आरक्षण की 50 प्रतिशत सीमा को हटाने के उनके मंसूबों को सुप्रीम कोर्ट ने सफल नहीं होने दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने 30 अप्रैल को यह घोषणा की थी कि आगामी जनगणना के साथ-साथ जाति गणना भी की जाएगी। इसके तुरंत बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारत में कोटा पर 50 प्रतिशत की सीमा को हटाने की अपनी मांग दोहराई। राहुल गांधी ने कहा, रिजर्वेशन पर 50 प्रतिशत की सीमा हमारे देश की प्रगति और पिछड़ी जातियों, दलितों और आदिवासियों की प्रगति में बाधा बन रही है और हम चाहते हैं कि इस बाधा को समाप्त किया जाए।

नक्सलियों के खिलाफ पुलिस ओर सीआरपीएफ को मिली बड़ी सफलता

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। नक्सली संगठन भाकपा माओवादी के खिलाफ गिरिडीह पुलिस और सीआरपीएफ को महत्वपूर्ण सफलता हाथ लगी है. पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने नक्सलियों द्वारा छिपा कर रखे गए विस्फोटक को बरामद किया है. यह बरामदगी जिले के खुखरा थाना क्षेत्र से हुई है. क्षेत्र पारसनाथ की तराई वाला बताया जा रहा है जो जानकारीपुलिस को मिली है उसके अनुसार नक्सलियों के खिलाफ पुलिस और सीआरपीएफ के द्वारा संयुक्त रूप से इलाके में सर्च अभियान चलाया जा रहा था. इस बीच गिरिडीह के पुलिस कप्तान डॉक्टर विमल कुमार एवं सीआरपीएफ 154 बटालियन के कमांडेंट सुनील दत्त तिवारी को यह सूचना मिली थी कि पारसनाथ के जंगल में किसी कांड को कारित करने के उद्देश्य से नक्सलियों द्वारा विस्फोटक छिपाकर रखा गया है एसपी एवं कमांडेंट के निर्देश पर सीआरपीएफ के द्वितीय कमान अधिकारी कुमार ओमप्रकाश सिंह, एएसपी अभियान सुरजीत, सहायक कमांडेंट सीएच तोम्बा सिंह के नेतृत्व में एक टीम ने पूरे क्षेत्र को खंगालने का काम शुरू किया. इसी दौरान जोकाई नाला के पास विस्फोटक बरामद किया गया पूरे मामले की पुष्टि जिले के एसपी डॉ बिमल कुमार ने की है. बताया है कि जोकाई नाला चतरो कानाडीह के समीप गड्ढे में 300 मीटर कोडेक्स वायर, 13 लीटर एक्सप्लॉसिव केमिकल लिक्विड मिला है. टीम में निरीक्षक जीडी ओमप्रकाश के अलावा जिला पुलिस बल तथा सीआरपीएफ की टीम भी शामिल थी यहां बता दें कि जिले के पीरटांड प्रखंड खासकर पारसनाथ का तराईवाला इलाका कभी नक्सलियों की सेफ जोन में शुमार था. यहां नक्सलियों की चहलकदमी आम थी. आए दिन नक्सली घटनाओं को अंजाम देते रहते थे. हालांकि पिछले कुछ वर्षों से नक्सलियों की गतिविधि पर लगाम लगा है. पुलिस और सीआरपीएफ की टीम के संयुक्त प्रयास से इस क्षेत्र से नक्सलियों के पांव लगभग उखड़ ही गए हैं यहां यह भी बता दें कि संयुक्त बिहार में नक्सलवाद की पौध इसी क्षेत्र में तैयार हुई थी. 70 के दशक में यहां नक्सलवाद पनपा. यहां के कई लोग संगठन में शामिल होते गए जिसे संगठन में महत्वपूर्ण पद भी मिलता रहा. अभी वर्तमान में नक्सली संगठन के टॉप नेता मिसिर बेसरा (एक करोड़ के इनामी), अनल ऊर्फ पतिराम (एक करोड़ के इनामी), अजय महतो (25 लाख के इनामी) समेत कई बड़े नक्सलियों का घर इसी क्षेत्र में हैं. ऐसे में इस क्षेत्र में पुलिस और सीआरपीएफ अभियान चलाती रहती है.

इनरव्हील क्लब ऑफ गिरिडीह सनशाइन द्वारा एडल्ट लिटरेसी की शुरूआत

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। इनरव्हील क्लब ऑफ गिरिडीह सनशाइन द्वारा पचंबा स्थित पचंबा गर्ल्स हाई स्कूल में एडल्ट लिटरेसी प्रोग्राम की शुरूआत की गई। जहां पीडीसी पूनम सहाय ने एडल्ट लिटरेसी केंद्र की शुरूआत करके महिलाओं को साक्षरता का महत्व बताया, उनसे खुल कर बात की यह सराहनीय पहल विशेष रूप से महिलाओं के लिए शुरू की गई है, ताकि हर महिला सशक्त बन सके और अपने जीवन में आत्मनिर्भरता प्राप्त कर सके इस कार्यक्रम की शुरूआत गर्ल्स हाई स्कूल की प्रधानाचार्या एवं क्लब की सक्रिय सदस्य शमा परवीन के सहयोग से संभव हो पाई। यह कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है, जिसका उद्देश्य महिलाओं को पढ़ने-लिखने योग्य बनाना, उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करना, और उन्हें समाज में सम्मानपूर्वक जीवन जीने के लिए सक्षम बनाना है। कार्यक्रम के अंतर्गत सप्ताह में तीन दिन कक्षाएं आयोजित की जाएंगी, जिन्हें क्लब की सदस्याएं स्वयं आकर लेंगी। यदि किसी कारणवश वे उपस्थित नहीं हो पाती हैं, तो स्कूल की प्रधानाचार्या स्वयं कक्षा संचालित करेंगी। कार्यक्रम के दौरान पीडीसी पूनम सहाय, क्लब की अध्यक्ष कविता राजगढ़िया सचिव स्मृति आनंद सदस्य संगीता सिंह शमा परवीन और अन्य मेम्बर शामिल थीं। इनरव्हील क्लब ऑफ गिरिडीह सनशाइन की यह पहल समाज में एक सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में प्रशंसनीय प्रयास है, जो निश्चित ही आने वाले समय में कई महिलाओं के जीवन को रोशन करेगा।

गांवॉ और तीसरी वन विभाग की संयुक्त टीम ने छापेमारी कर अवैध ढिबरा लदा वाहन किया जब्त

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। गांवों और तीसरी वन विभाग की संयुक्त टीम ने छापेमारी कर अवैध ढिबरा लदा दो टाटा चार सौ सात पीक अप वाहन जब्त किया, गांवॉ वन क्षेत्र के वन पाल राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि वन क्षेत्र पदाधिकारी को गुप्त सूचना मिली थी कि अवैध ढिबरा लदा दो वाहन डोरण्डा के रास्ते गिरिडीह की ओर ले जाया जा रहा है और तभी गांवॉ और तीसरी वन विभाग की संयुक्त टीम गठित कर वाहनों का पीछा करते हुए गिरिडीह जिले के डोरण्डा के नजदीक पकड़ा गया वाहन चालक वाहन छोडकर अंधेरे का फायदा उठाते हुए भागने में सफल रहा। साथ ही कहा कि अवैध ढिबरा कारोबारी की खोजबीन जारी है अवैध ढिबरा का व्यापार करने वालों को किसी भी सुरत में बख्शा नहीं जाएगा इनलोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। लेकिन सवाल ये उठता है कि वन विभाग के लगातार दबिश के बावजूद ढिबरा माफिया कारोबार में सक्रिय हैं और इस अवैध कारोबार को अंजाम दे रहे हैं साथ ही वाहन जब्त होने के बावजूद इस अवैध कारोबार में संलिप्त लोग बार बार ढिबरा के अवैध कारोबार को चला रहे हैं और रात को चोरी छुपे जंगलों से निकालकर अपने उपयुक्त ठिकाने तक पहुंचाने में कामयाब हो रहे हैं! इस अवैध ढिबरा के उत्खनन में कई जाने जा चुकी हैं फिर भी गरीब मजदूर अपने परिवार और अपना पेट भरने के लिए अपने जान जोखिम में डाल कर ये कार्य कर रहे हैं, और ढिबरा कारोबार से जुड़े लोग इस अवैध धंधे को अंजाम देने में सक्रिय हैं। वन विभाग की टीम में गांवां वन पाल राजेंद्र प्रसाद, जिलाजीत कुमार, सूर्य कुमार बेसरा, अक्षय सिन्हा, हीरालाल, रविश कुमार, शशि कुमार आदि मौजूद थे।

पुलिस अधीक्षक को मिली सूचना के आधार पर साइवर अपराधी गिरफ्तार

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पुलिस अधीक्षक, गिरिडीह को गुप्त सूचना प्राप्त हुई की गिरिडीह के गांडेय थानान्तगर्त गाण्डेय से डाकबंगला जाने वाली मूख्य सड़क के समीप मनियाडीह गाँव के पास कुछ साइबर अपराधी द्वारा फोन के माध्यम से ठगी किया जा रहा है। उपरोक्त सूचना के आधार पर थाना प्रभारी साईबर थाना गिरिडीह के नेतृत्व में एक छापामारी दल का गठन किया गया। छापामारी दल के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए एक साइबर अपराधी को गिरफ्तार किया गया है एवं अन्य दो फरार हो गए। गिरफ्तार अभियुक्त ने अपने स्वीकारोक्ति बयान में बताया कि ये साइबर ठगी करने हेतु गुगल पर अपना फर्जी नम्बर पंच किए रहते है जब कोई डाक्टर के पास नम्बर लगवाने के लिए उस नम्बर पर कॉल करता है तो उसके व्हाट्सअप पर फर्जी ऐपक फाइल का लिंक भेज कर उनके साथ ठगी करते है। इस संदर्भ मे साइबर थाना कांड सं0-31/2025 दिनांक-19.08.2025 दर्ज किया गया है गिरफ्तार अभियुक्तों का नाम एंव पता निम्न प्रकार है तकमुल अंसारी उम्र करीब 38वर्ष पिता अब्दुल रहमान ग्राम बनसिम्मी थाना-मारगोमुण्डा जिला-देवघर फरार अभियुक्तों का नाम एंव पता निम्न प्रकार है मकबुल अंसारी उम्र करीब 35वर्ष पिता-अब्दुल रहमान ग्राम-बनसिम्मी थाना-मारगोमुण्डा जिला-देवघर छोटु अंसारी उर्फ मो० फारूक पिता-लियाकत अंसारी ग्राम-फुलजोरी थाना-गाण्डेय जिला-गिरिडीह बरामद सामानों का विवरण मोबाइल 03 सिम-03छापामारी दल में शामिल पुलिस कर्मी पु०नि० रामेश्वर भगत, साइबर थाना प्रभारी पु०नि० गुंजन कुमार, पु०नि० पुनीत कुमार गौतम स०अ०नि० गजेन्द्र कुमार स०आ० 68 अभिमन्यु कुमार पुलिस लाइन से प्राप्त सशस्त्र बल शामिल थे।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी जी की 81वी जयंती मनाई गई

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। जिला कांग्रेस कार्यालय में बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी जी की 81वी जयंती मनाई गई नेतृत्व जिला अध्यक्ष धनंजय सिंह ने किया पार्टी के उपस्थिति

नेताओं व कार्यकताओं ने राजीव गांधी की तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी और उनके बताएं मार्गों पर चलने का संकल्प लिया। जिला अध्यक्ष धनंजय सिंह ने कहा कि राजीव गांधी आधुनिक भारत के निमार्ता थे संचार क्रांति के जनक थे देश के सभी हाथों में कंप्यूटर मोबाइल उनकी ही देन है। 18 वर्ष की आयु में मतदान देने का अधिकार उनकी ही देन है राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा इसके बाद कांग्रेस के कार्यकर्ताओ ने वृद्धा आश्रम पहुंच कर वृद्ध आश्रम में फल भी वितरण किया मौके पर कार्यकारी अध्यक्ष सतीश केडिया, प्रदेश सचिव अजय सिन्हा ,मदनलाल विश्वकर्मा,अशोक विषकर्म,योगेश्वर महथा ,लड्डू खान,दिनेश बिष्कर्मा,पंकज सागर,सोहेल इराकी,पुरुसुत्तम चौधरी,गुलाम मुस्तफा, सलाकात अंसारी, सरफराज,बेलाल हुसैनी, सुजीत मंडल, राजीव रंजन,गोल्डी सहित कई कांग्रेसी थे।

आईपीएस गर्ल्स पब्लिक स्कूल में कराटे बेल्ट ग्रीडिंग कार्यक्रम आयोजित

पटना/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। दानापुर स्थित आईपीएस गर्ल्स पब्लिक स्कूल में बुधवार को कराटे बेल्ट ग्रीडिंग कार्यक्रम का आयोजन किया।

कार्यक्रम का नेतृत्व श्री दीपक कुमार तथा उनके सहयोगी चंदन कुमार और आकाश कुमार द्वारा किया गया इस कार्यक्रम में कक्षा 2 से लेकर 6 तक के छात्रों ने भाग लियो कार्यक्रम के अंत में, विद्यालय की प्रधानाध्यापिका श्रीमती मधु ठाकुर ने सफल छात्राओं को पुरस्कृत करते हुए कहा कि कराटे न केवल शारीरिक रूप से मजबूत बनाता है, बल्कि मानसिक रूप से भी मजबूत करता है।

जेपीयू ने चार वर्षीय स्नातक सत्र में नामांकन की अंतिम तिथि 22 अगस्त तक छात्र हित में विस्तारित

छपरा (सारण)नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा ने चार वर्षीय स्नातक सत्र 2025झ29 (शैक्षणिक वर्ष 2025झ26) के लिए सीबीसीएस आधारित नामांकन प्रक्रिया के अंतर्गत द्वितीय चरण की प्रथम मेधा सूची जारी कर दी है। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार द्वितीय चरण के नामांकन हेतु प्रथम मेधा सूची 18 अगस्त 2025 से 20 अगस्त 2025 तक प्रकाशित की गई थी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने छात्रों की सुविधा को देखते हुए नामांकन की अंतिम तिथि 22 अगस्त 2025 तक बढ़ा दी है। इससे अब छात्र निर्धारित कॉलेजों में नामांकन प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे। छात्र कल्याण संकायाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) राणा विक्रम सिंह ने बताया कि माननीय कुलपति महोदय के आदेशानुसार नामांकन की तिथि में विस्तार किया गया है, ताकि अधिक से अधिक छात्र नामांकन का लाभ उठा सकें।

निर्वाचक सूची प्रेक्षक-सह-प्रमंडलीय आयुक्त ने की बैठक, मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर लिया गया फीडबैक

अब तक 5408 फॉर्म-6 (नाम जोड़ने हेतु), 2494 फॉर्म-7 (नाम हटाने हेतु) व 5204 फॉर्म-8 (संशोधन हेतु) हुए हैं प्राप्त

छपरा (सारण)नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। निर्वाचक सूची प्रेक्षक-सह-प्रमंडलीय आयुक्त सारण राजीव रौशन ने बुधवार को जिले के जनप्रतिनिधियों, विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, ईआरओ और एईआरओ के साथ विशेष बैठक की। बैठक में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत दावा-आपत्ति को लेकर सुझाव और फीडबैक लिये गये। आयुक्त ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्धारित प्रावधानों के तहत अमल योग्य सभी सुझावों पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने राजनीतिक दलों से आग्रह किया कि वे अपने बीएलए (बूथ लेवल एजेंट) के माध्यम से भी दावा/आपत्ति प्रस्तुत करें। उन्होंने यह भी बताया कि अभी तक बीएलए के माध्यम से कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है, जबकि इसमें सक्रिय सहयोग अपेक्षित है। विशेष पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत 1 अगस्त को प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित की गई थी। अब तक 5408 फॉर्म-6 (नाम जोड़ने हेतु), 2494 फॉर्म-7 (नाम हटाने हेतु) तथा 5204 फॉर्म-8 (संशोधन हेतु) प्राप्त हुए हैं। यह प्रक्रिया 1 सितंबर तक चलेगी। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी अमन समीर ने पीपीटी प्रजेंटेशन के जरिए बताया कि प्रकाशित सूची में कुल 28,60,885 मतदाता शामिल हैं, जिनमें से लगभग 80 प्रतिशत मतदाताओं के सत्यापन संबंधी दस्तावेज अपलोड हो चुके हैं। शेष 20 प्रतिशत दस्तावेज प्राप्त करने की प्रक्रिया जारी है। बैठक में विधायक तरैया जनक सिंह, विधायक छपरा डॉ. सी.एन. गुप्ता, विधायक गरखा सुरेंद्र राम, विधायक सोनपुर डॉ. रामानुज प्रसाद समेत विभिन्न दलों के प्रतिनिधि, उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनिल कुमार राय, उप निर्वाचन पदाधिकारी जावेद इकबाल, सभी ईआरओ एवं एईआरओ मौजूद रहे।

उच्च विद्यालय ताजपुर में प्रायोगिक शिक्षा को दिया जा रहा बढ़ावा

मांझी (सारण) नवबिहार टाइम्स संवाददाता। उच्च विद्यालय ताजपुर मांझी में विज्ञान विषय के शिक्षक मोहम्मद सुलेमान छात्रों को प्रायोगिकी आधारित शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। विशेष विज्ञान प्रयोगशाला सत्र के दौरान उन्होंने विद्यार्थियों को सूक्ष्मदर्शी का प्रयोग, पादप ऊतक की पहचान तथा विभिन्न वैज्ञानिक प्रक्रियाओं की जानकारी दी। सुलेमान ने छात्रों को समझाया कि केवल पुस्तकीय ज्ञान पर्याप्त नहीं है, बल्कि वास्तविक शिक्षा तभी सार्थक होती है जब विद्यार्थी स्वयं प्रयोग करें और अनुभव प्राप्त करें। इस दौरान बच्चों ने स्लाइड तैयार करने, टेस्ट ट्यूब में घोलों की प्रतिक्रिया देखने और सूक्ष्म जीवों का अवलोकन करने जैसे प्रयोग किए। आधुनिक प्रयोगशाला सामग्री के उपयोग से छात्रों में विज्ञान के प्रति नई जिज्ञासा और उत्साह देखने को मिला। कई विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि इस तरह की शिक्षा से उनकी समझ गहरी हुई है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने बताया कि विज्ञान शिक्षक मोहम्मद सुलेमान के प्रयासों से विद्यालय में प्रयोगात्मक शिक्षा का माहौल विकसित हो रहा है। इससे न केवल छात्रों का आत्मविश्वास बढ़ रहा है बल्कि विज्ञान विषय के प्रति

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत स्कूली बच्चों ने लगाए सैकड़ों पौधे

तरैया (सारण)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। प्रखंड के चैनपुर गांव स्थित रामजानकी मठ के समीप शिवाजी एकेडमी द्वारा बिहार सरकार के शिक्षा विभाग के निर्देश पर बुधवार को एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने सैकड़ों पौधरोपण किए। विद्यालय के निदेशक देवीलाल राय ने बताया कि बिहार सरकार द्वारा जल जीवन हरियाली के उद्देश्य से पर्यावरण को संतुलित और शुद्ध वातावरण करने के लिए वृक्षारोपण अभियान चलाया गया है। इस अभियान के तहत बिहार सरकार के शिक्षा विभाग द्वारा प्राप्त निर्देश के आलोक में विद्यालय के छात्र- छात्रोंओं द्वारा सड़क किनारे वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। जिसमें एक सौ से अधिक बच्चों ने पौधे लगाए। मौके पर विद्यालय के प्राचार्य राहुल राय, शिक्षक, अविनाश कुमार, रंजन कुमार यादव, निखिल कुमार, गीता देवी, राजकुमार यादव, प्रियंका कुमारी, अंजली कुमारी, रुचि कुमारी, इनामा खातून, दिया कुमारी, रुषि कुमारी, प्रशांती कुमारी, समेत सैकड़ों छात्र-छात्राएं उपस्थित थी।

पूर्व सांसद प्रभुनाथ सिंह की रिहाई की मांग को लेकर मांझी में समर्थकों ने निकाला पैदल मार्च

मांझी (सारण)नवबिहार टाइम्स संवाददाता। महाराजगंज के पूर्व सांसद प्रभुनाथ सिंह की रिहाई की मांग को लेकर बुधवार को उनके सैकड़ों समर्थकों ने मांझी में विशाल पैदल मार्च निकाला। पैदल मार्च माँझी नगर पंचायत के मियाँ पट्टी से दक्षिण टोला, थाना बाजार, ब्लॉक, मांझी चट्टी तथा बहोरन सिंह के टोला होते हुए बलिया मोड़ तक पहुंच कर सम्पन्न हो गया। रैली के पश्चात एक शिष्टमंडल ने मांझी प्रखण्ड के वरीय लिपिक से मिलकर मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में पूर्व सांसद को झूठे मुकदमे में फँसाये जाने का हवाला देते हुए सरकार से उन्हें रिहा कराने की मांग की गई। इससे पहले सैकड़ों समर्थकों ने प्रभुनाथ सिंह जिंदाबाद तथा जेल का फाटक टूटेगा प्रभुनाथ सिंह छूटेगा आदि नारे लगा रहे थे। पूर्व सांसद प्रतिनिधि उमाशंकर ओझा के नेतृत्व में आयोजित पैदल मार्च में जिला पार्षद फूल सिंह, पूर्व जिप सदस्य अशोक सिंह पंकज सिंह तथा धर्मेन्द्र सिंह समाज, पूर्व मुखिया क्रमशः विजय सिंह, अमरेन्द्र सिंह, राजीव कुमार सिंह संजीत साह, पैक्स अध्यक्ष बीरेन्द्र सिंह, गुड्डू सिंह, संतोष सिंह, संत सिंह,सुभाष सिंह, शिव प्रसाद साह, निरंजन सिंह, अनिल सिंह, सुनील सिंह, ईश्वर सिंह, उमेश सिंह तथा ओम प्रकाश सिंह समेत सैकड़ों लोग शामिल हुए।

जनता के समर्थन से एकमा समेत पूरे बिहार का होगा चहुंमुखी विकासः विकास सिंह

गोपालेश्वर मंदिर परिसर में जन सुराज पार्टी की बिहार बदलाव सभा आयोजित

एकमा (सारण)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। एकमा विधानसभा क्षेत्र के विशुनपुरा कलां खुटगढ़वा स्थित गोपालेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में बुधवार को जन सुराज पार्टी की ओर से बिहार बदलाव सभा का आयोजन किया गया। सभा में पार्टी पदाधिकारियों और स्थानीय कार्यकताओं की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। सभा को संबोधित करते हुए जो जन सुराज नेता ब्रजेन्द्र कुमार सिंह उर्फ मुन्ना भवानी, देवकुमार सिंह, राजेश गिरि, हरेन्द्र तिवारी, उर्मिला देवी समेत कई नेताओं ने केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों पर तीखा प्रहार किया। वक्ताओं ने कहा कि बिहार में सत्ता परिवर्तन की जरूरत है और जन सुराज पार्टी ही राज्य को नई दिशा दे सकती है। एकमा विधानसभा क्षेत्र से संभावित उम्मीदवार विकास कुमार सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि यदि जनता ने जन सुराज पार्टी को समर्थन दिया तो क्षेत्र समेत पूरे बिहार का चौमुखी विकास होगा। उन्होंने कहा कि पार्टी की नीतियों से रोजगार के नये अवसर पैदा होंगे और प्रदेश से पलायन की समस्या पर रोक लगेगी। सभा की अध्यक्षता मुखिया प्रतिनिधि रामनाथ मांझी ने की, जबकि संचालन असरफ रजा खान व धन्यवाद ज्ञापन पूर्व मुखिया बृजमोहन सिंह ने किया।

आरोप-प्रत्यारोप के बीच बीससूत्री की बैठक संपन्न

लहलादपुर (सारण)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। प्रखंड सह अंचल कार्यालय के सभागार में बीससूत्री कार्यक्रम की बैठक आयोजित हुई। इसकी अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष जीतेन्द्र कुमार सोनी ने की। बैठक में विभिन्न विभागों में व्याप्त धांधली एवं अनियमितताओं के मामले खुलकर सामने आए। बैठक के दौरान सीएससी की एक नर्स पर मरीज से रिश्वत लेने का आरोप लगाया गया। वहीं, बीडीसी सदस्या प्रीति कुशवाहा ने लहलादपुर गांव निवासी मुन्ना साह पर अंचल कार्यालय में अवैध रूप से कार्य करने तथा दाखिल-खारिज सहित अन्य कार्यों में अवैध वसूली करने का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने मांग की कि मुन्ना साह को अंचल कार्यालय से संबंधित कार्यों में दखलअंदाजी से वंचित रखा जाए। कुशवाहा ने कहा कि इस मुद्दे को उन्होंने पूर्व की कई बैठकों में भी उठाया था, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। आंगनबाड़ी केंद्रों से अवैध वसूली और उनमें हो रही अनियमितताओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में एमओ ने राशन वितरण में पारदर्शिता लाने के लिए विभाग द्वारा अपनाए गए नए तरीके की जानकारी दी, जबकि सीओ ने सर्वे से संबंधित आगामी शिविरों के बारे में बताया। मनरेगा, पीएचइडी, पीएमएवाई समेत अन्य बिंदुओं पर भी जोरदार बहस हुई।

जीएसटी के प्रस्तावित सुधार से सालाना 85000 करोड़ का होगा नुकसान

लोगों के खर्च करने की क्षमता बढ़ेगी

नई दिल्ली, एजेंसी। वस्तु एवं सेवा कर यानी जीएसटी में दो स्लैब की प्रस्तावित योजना से सरकार को सालाना 85,000 करोड़ रुपये के राजस्व का नुकसान हो सकता है। हालांकि, इससे लोगों की खर्च करने की क्षमता 1.98 लाख करोड़ रुपये बढ़ जाएगी। एसबीआई रिसर्च रिपोर्ट ने कहा, 5 और 18 प्रतिशत की दो दरों वाली संरचना की योजना सरकार की है। पान मसाला और तंबाकू जैसी वस्तुओं सहित 5-7 चुनिंदा वस्तुओं पर 40 प्रतिशत कर लगाया जाएगा। चालू वित्त वर्ष में नई कर दरों की अवधि अक्तूबर-मार्च मानते हुए राजस्व घाटा 45,000 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। रिपोर्ट के अनुसार, प्रभावी भारित औसत जीएसटी दर शुरुआत के समय 14.4 प्रतिशत से घटकर सितंबर, 2019 में 11.6 प्रतिशत हो गई थी। दरों के वर्तमान तर्कसंगत को देखते हुए प्रभावी भारित औसत जीएसटी दर घटकर 9.5 प्रतिशत हो सकती है। हालांकि, उपभोग में वृद्धि महंगाई को नहीं बढ़ाएगी, क्योंकि प्रस्तावित जीएसटी व्यवस्था में ज्यादातर उपभोग की वस्तुओं पर कर कम हो जाएंगे।

रिपोर्ट में कहा गया है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक यानी सीपीआई महंगाई 0.20 फीसदी से 0.25 फीसदी के दायरे में कम हो सकती है। चूंकि आवश्यक वस्तुओं (खाद्य, कपड़ा, आदि) की जीएसटी दर 12 प्रतिशत से घटकर 5 प्रतिशत होने की उम्मीद है, इसलिए खाद्य वस्तुओं पर 60 प्रतिशत प्रभाव को ध्यान में रखते हुए इस श्रेणी में सीपीआई मुद्रास्फीति भी 10-15 आधार अंकों तक कम हो सकती है। चालू वित्त वर्ष के बजट में घोषित आयकर दरों में कटौती के लाभों को मिला दें तो लोगों के पास 5.31 लाख करोड़ रुपये के अतिरिक्त खर्च करने की क्षमता बढ़ जाएगी। यह सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 1.6 प्रतिशत है। केंद्र के प्रस्ताव पर बुधवार और बृहस्पतिवार को राज्यों के वित्त मंत्रियों की एक समिति चर्चा करेगी।

रेलवे ने सर्वोटेक रिन्यूएबल पावर सिस्टम लि. को दिया रूफटॉप सोलर प्रोजेक्ट का काम

नई दिल्ली, एजेंसी।
एनर्जी सेक्टर की कंपनी- सर्वोटेक रिन्यूएबल पावर सिस्टम लिमिटेड को एक बड़ा ऑर्डर मिला है। यह ऑर्डर उत्तर पश्चिम रेलवे, जयपुर मंडल से मिला है। कंपनी ने 7.3 मेगावाट की ऑन-ग्रिड रूफटॉप सोलर प्रोजेक्ट के लिए ऑर्डर की घोषणा की है। इस परियोजना का कुल मूल्य 28.84 करोड़ है और यह भारत में क्लीन एनर्जी परिवर्तन को गति देने की सर्वोटेक की यात्रा में एक और मील का पत्थर है।

इस कॉन्ट्रैक्ट के तहत सर्वोटेक रूफटॉप सौर पीवी प्रणालियों के संपूर्ण कार्यान्वयन के लिए जिम्मेदार होगा। इसमें जयपुर मंडल के अलग-अलग स्थलों पर विभिन्न क्षमताओं के सोलर

प्लांट का डिजाइन, निर्माण, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग शामिल है। सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन सर्वोटेक के शेयर में खरीदारी देखी गई। मंगलवार को शेयर 124.69 रुपये पर बंद हुआ। एक दिन पहले की क्लोजिंग के मुकाबले शेयर 1.45 प्रतिशत बढ़ गया। ट्रेडिंग के दौरान शेयर 125.50 रुपये तक पहुंच गया था।

महारत्न कंपनी से फाइटर जेट खरीदेगी सरकार, 62000 करोड़ रुपये का ऑर्डर

नई दिल्ली, एजेंसी। महारत्न कंपनी हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के शेयर बुधवार को बाजार खुलते ही रॉकेट बन गए हैं। एयरोस्पेस एंड डिफेंस इंडस्ट्री से जुड़ी इस कंपनी के शेयर बुधवार को क्स्थ में 3 पर्सेंट से अधिक के उछाल के साथ 4611.60 रुपये पर जा पहुंचे हैं। हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के शेयरों में यह तेजी एक बड़े बिजनेस अपडेट के बाद आई है। डिफेंस कंपनी को 97 और स्वदेशी लाइट कॉम्बैट एयरक्रॉफ्ट तेजस एमके1ए फाइटर जेट्स का ऑर्डर मिलने की खबर है। केंद्र सरकार ने मंगलवार को 62000 करोड़ रुपये के ऑर्डर को मंजूरी दे दी है। इस ऑर्डर के तहत हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड से इंडियन एयर फोर्स के लिए 97 एडिशनल तेजस फाइटर जेट्स खरीदे जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी ने इस डील को अपनी अंतिम मंजूरी दे दी है। तेजस एमके1ए फाइटर जेट्स को ॠरु के बेंगलुरु स्थित मुख्यालय में बनाया जाएगा। एमके1ए फाइटर जेट्स के लिए यह दूसरा ऑर्डर होगा। इससे पहले, हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड को 83 एयरक्राफ्ट की सप्लाई का ऑर्डर मिल चुका है। इस ऑर्डर की वैल्यू 36,400 करोड़ रुपये है। विदेशी ब्रोकरेज हाउस यूबीएस ने हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड पर न्यूट्रल रेटिंग बनाए रखी है। ब्रोकरेज हाउस ने कंपनी के शेयरों के लिए 4900 रुपये का टारगेट दिया है। ब्रोकरेज हाउस का कहना है कि ॠरु के लिए यह दूसरा स्ध्1 ऑर्डर होगा। महारत्न कंपनी को पिछला ऑर्डर फरवरी 2021 में मिला था।

रिलायंस को 2030 तक दोगुना करना चाहते हैं मुकेश अंबानी

अभी रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 19 लाख करोड़ रुपये है।

नई दिल्ली, एजेंसी।
देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के 44 लाख शेयरहोल्डर्स के लिए अच्छी खबर है। कंपनी के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने फाइनेंशियल ईयर 2030 तक रिलायंस का साइज डबल करने का लक्ष्य रखा है। अभी रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 19 लाख करोड़ रुपये है। रिलायंस का यह प्लान ऐसे समय पर आया है जब कंपनी के शेयर पहले से ही इस साल 16 प्रतिशत बढ़ चुके हैं। हालांकि पिछले साल निवेशकों को थोड़ी निराशा हुई थी। अब सबकी निगाहें 29 अगस्त को होने वाली सालाना कंपनी की एजीएम पर है। माना जा रहा है कि अंबानी इस बैठक में कुछ बड़े ऐलान कर सकते हैं, जिससे शेयरधारकों को फायदा होगा।

जून तिमाही में रिलायंस के नतीजे मिलेजुले रहे। लेकिन रिलायंस के मैनेजमेंट ने आगे बढ़ने की पूरी उम्मीद जताई है। उनका कहना है कि 2029-30 तक कंपनी का ईबीआईटीडीए दोगुना हो जाएगा। कंपनी ने यह भी कहा है कि जियो और रिटेल दोनों ही अगले 3-4 साल में अपनी कमाई को दोगुना कर लेंगे। कंपनी को आगे

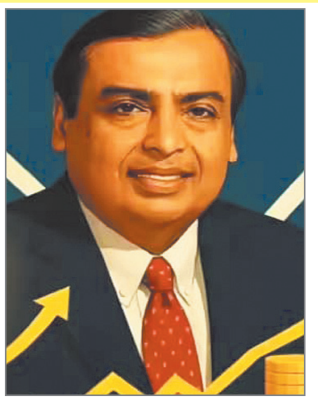

बढ़ाने में इन दोनों का बड़ा रोल होगा। बुधवार को कंपनी का शेयर बीएसई पर 1420.60 रुपये पर ट्रेड कर रहा है। इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 1,551 रुपये है।

सीएलएसए के विकास कुमार जैन ने कहा, हमें उम्मीद है कि जियो और रिटेल की बढ़ती हिस्सेदारी से रिलायंस का ईबीआईटीडीए बहुत जल्द बेहतर होगा। स्टॉक अभी अपनी सही कीमत से कम पर कारोबार कर रहा है। जियो में टैरिफ बढ़ने से अच्छी ग्रोथ हो रही है। रिटेल ऑपरेशंस भी सुधर रहे हैं। इससे स्टॉक में काफी उछाल आ सकता है। उन्होंने कहा कि जियो और रिटेल कारोबार को दोगुना करने का लक्ष्य और नए एनर्जी कारोबार को ओ2सी कारोबार के बराबर लाने का प्लान रिलायंस को एफवाय30 तक दोगुना करने में मदद करेगा।

ग्लोबल ब्रोकरेज हाउस सीएलएसए ने रिलायंस पर आउटपरफॉर्म रेटिंग देते हुए टारगेट प्राइस 1,650 रुपये रखा है। उनका मानना है कि भारतीय बाजार में रिलायंस का वैल्यूएशन अभी कम है, इसलिए यह बड़े निवेशकों के लिए एक अच्छा मौका है। बड़े-बड़े इन्वेस्टमेंट बैंक भी रिलायंस को सपोर्ट कर रहे हैं। उनका कहना है कि रिटेल और टेलिकॉम मिलकर एफवाय25 के कुल ईबीआईटीडीए का लगभग 54 प्रतिशत हिस्सा हैं। अगले तीन साल में ईबीआईटीडीए में जो भी बढ़ोतरी होगी, उसमें ज्यादातर हिस्सा इन्हीं दोनों का होगा।

ब्रोकरेज हाउस को उम्मीद है कि रिलायंस अपने खर्चों को संभालने के बाद भी अच्छा कैश फ्लो बनाए रखेगी। उसने रिलायंस के शेयर का टारगेट प्राइस 1,695 रुपये रखा है। इस बीच गोल्डमैन सैश का अनुमान है कि एफवाय25-28 में रिलायंस की कमाई 13 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। उसका मानना है कि रिलायंस के सभी कारोबार में सुधार होगा। नए फैशन ब्रांड, क्विक कॉमर्स और अपने कंज्यूमर ब्रांड्स से रिलायंस रिटेल की कमाई 17 प्रतिशत तक बढ़ जाएगी। एचएसबीसी ने चार साल बाद रिलायंस को बाय रेटिंग देते हुए टारगेट प्राइस 1,630 रुपये रखा है। नोमुरा का मानना है कि नया एनर्जी कारोबार रिलायंस के लिए अगला ग्रोथ ड्राइवर बन सकता है। कंपनी का लक्ष्य है कि वह इंटीग्रेटेड सोलर सॉल्यूशंस और श्वस्र बैटरी बनाने और लगाने में दुनिया में सबसे आगे रहे। गोल्डमैन साच्स का कहना है कि नए एनर्जी कारोबार की शुरुआत 1जीडब्लू लाइन से हुई है। 2026 तक ये पूरी तरह से इंटीग्रेटेड हो जाएगी और इसकी क्षमता 10जीडब्लू तक पहुंच जाएगी। इससे कंपनी को कम कीमत पर बिजली मिलेगी, जिसका इस्तेमाल वह अपने एनर्जी और डेटा सेंटर इन्फ्रास्ट्रक्चर में करेगी। ग्रीन एनर्जी के इस्तेमाल से कंपनी को एनर्जी की लागत में लगभग 25 प्रतिशत की कमी आ सकती है।

अब डाकघर होंगे स्मार्ट

इंडिया पोस्ट ने शुरू की 5800 करोड़ की नई एडवांस्ड पोस्टल तकनीक

नई दिल्ली, एजेंसी।
अब डाकघर की सेवाएं और तेज होंगी। इंडिया पोस्ट ने देशभर में 5,800 करोड़ की एडवांस्ड पोस्टल टेक्नोलॉजी (एपीटी) की शुरुआत की है। नई तकनीक से पार्सल और चिट्ठी की रियल-टाइम ट्रैकिंग संभव होगी। इससे लोग किसी भी बैंक से यूपीआई पेमेंट कर सकेंगे।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर लिखा, भारतीय डाक की ओर से एडवांस्ड पोस्टल टेक्नोलॉजी का राष्ट्रव्यापी शुभारंभ करते हुए बेहद प्रसन्न हूं। यह भारत की डिजिटल यात्रा में ऐतिहासिक कदम है। 5,800 करोड़ रुपये के निवेश से एपीटी, इंडिया पोस्ट को विश्वस्तरीय सार्वजनिक लॉजिस्टिक्स संगठन में बदल देगा।

सिंधिया ने आगे लिखा, एपीटी पूरी तरह स्वदेशी प्लेटफॉर्म है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डिजिटल इंडिया और मेक इन इंडिया की सोच से प्रेरित है। उन्होंने बताया कि नई तकनीक से रियल-टाइम निर्णय लेना आसान होगा, ई-कॉमर्स की पहुंच बढ़ेगी, ऑटोमेशन से परिचालन लागत घटेगी और नागरिकों को कहीं भी-कभी भी सेवाएं मिल सकेंगी।

टॉप-10 में से 8 अरबपतियों की दौलत में सेंध

● केवल वॉरेन बफे और बर्नार्ड अर्नाल्ट के ही नेटवर्थ में इजाफा हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी।
दुनिया के टॉप-10 अमीरों के लिए मंगलवार का दिन अमंगल साबित हुआ। 10 में से 8 अरबपतियों ने दौलत गंवाई। केवल वॉरेन बफे और बर्नार्ड अर्नाल्ट के ही नेटवर्थ में इजाफा हुआ। लैरी एलिसन, जो ओरेकल कॉर्पोरेशन के सह-संस्थापक हैं, ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के 20 अगस्त की लिस्ट के टॉप लूजर रहे। उनकी संपत्ति 15 अरब डॉलर कम होकर 286 अरब डॉलर रह गई है। इतनी संपत्ति के साथ दुनिया के अरबपतियों में दूसरे स्थान पर हैं। उनकी संपत्ति में इस साल 94.4 बिलियन की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है ।

एनविडिया के सीईओ जेन्सेन हुआंग मंगलवार को दौलत गंवाने वाले अरबपतियों में दूसरे नंबर पर हैं। इनकी संपत्ति में 5.48 अरब डॉलर की सेंध लगी है। इनका नेटवर्थ 153 बिलियन है और वे इस सूची में नौवें स्थान पर हैं। इस साल उनकी संपत्ति में 38.5 बिलियन का इजाफा हुआ है।

ट्यूजडे टॉप लूजर : ट्यूजडे टॉप लूजर में तीसरे नंबर मेटा प्लेटफॉर्म्स के सह-संस्थापक मार्क जुकरबर्ग हैं। इन्हें 5.44 अरब डॉलर की चोट पहुंची है। जुकरबर्ग 264 अरब

डॉलर की संपत्ति के साथ दुनिया के अमीरों में तीसरे स्थान पर हैं। इस साल उनकी संपत्ति में 56.6 बिलियन की बढ़ोतरी हुई है। टेस्ला और स्पेसएक्स के मालिक एलन मस्क 371 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति बने हुए हैं। इनकी संपत्ति में मंगलावर को 4.18 अरब डॉलर की गिरावट दर्ज की गई। इस गिरावट के साथ ही इस साल उनकी संपत्ति में 61.4 बिलियन की गिरावट हो गई है। जेफ बेजोस को मंगलवार को 3.07 अरब डॉलर का झटका लगा है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स में 249 अरब डॉलर के साथ बेजोस चौथे स्थान पर हैं। गूगल के सह-संस्थापक लैरी पेज 180 बिलियन की संपत्ति के साथ दुनिया के अमीरों में पांचवें स्थान पर हैं। इस साल उनकी संपत्ति में 12.2 बिलियन की वृद्धि हुई है। हालांकि, मंगलवार को इनकी संपत्ति भी 1.48 अरब डॉलर कम हुई। बता दें विश्व के सबसे अमीर लोगों की सूची में टेक सेक्टर का दबदबा कायम है। 20 अगस्त 2025 को जारी ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार टॉप-10 अरबपतियों में से 8 टेक्नॉलजी से हैं। टेक शेयरों में गिरावट की वजह से मंगलवार को इनकी संपत्ति में कमी देखने को मिली।

पेटीएम में मोतीलाल ओसवाल ने बढ़ाई हिस्सेदार

● खरीद डाले 26 लाख से ज्यादा शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी।
मोतीलाल ओसवाल म्यूचुअल फंड ने पेटीएम की मूल कंपनी वन 97 कम्युनिकेशंस में अतिरिक्त शेयर खरीदकर अपनी हिस्सेदारी पांच प्रतिशत से ऊपर कर ली है। इस बीच, मंगलवार को बीएसई पर वन 97 कम्युनिकेशंस का शेयर 4.58 प्रतिशत चढ़कर 1,227.30 रुपये पर बंद हुआ। शेयर ने ट्रेडिंग के दौरान 1232.65 रुपये तक के स्तर को टच किया। था।

क्या है डील की डिटेल

म्यूचुअल फंड कंपनी ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसने 11 अगस्त को खुले बाजार से वन 97 कम्युनिकेशंस के 26,31,244 शेयर खरीदे जिससे उसकी हिस्सेदारी 0.41 प्रतिशत बढ़ गई। इसके बाद पेटीएम में मोतीलाल ओसवाल एमएफ की कुल हिस्सेदारी बढ़कर 5.15 प्रतिशत हो गई है। हालांकि, उसने इस शेयर लेनदेन के मूल्यांकन का खुलासा नहीं किया। ये शेयर मोतीलाल ओसवाल मिडकैप फंड, फ्लेक्सी कैप फंड, ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड और विभिन्न ईटीएफ योजनाओं समेत 20 से अधिक योजनाओं के जरिये खरीदे गए।

ब्रोकरेज की ओर से यह हिस्सेदारी ऐसे समय में बढ़ाई गई है जब चीन के एंट ग्रुप ने बीते दिनों पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस में भी अपनी समूची 5.84 प्रतिशत हिस्सेदारी करीब 3,980 करोड़ रुपये में बेच दी।

पेटीएम पेमेंट्स सर्विसेज को गुड न्यूज: पेटीएम पेमेंट्स सर्विसेज को ऑनलाइन भुगतान 'एग्रीगेटर' के रूप में काम करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मंजूरी मिल गई है। इसकी मूल कंपनी एवं पेटीएम ब्रांड का स्वामित्व रखने वाली कंपनी वन 97 कम्युनिकेशंस ने यह जानकारी दी। इस कदम से पेटीएम पेमेंट्स सर्विसेज लिमिटेड पर नए कारोबारियों को जोड़ने पर लगा प्रतिबंध भी हट गया है। यह प्रतिबंध 25 नवंबर, 2022 को कंपनी पर लगाया गया था। बता दें कि कंपनी ने मार्च 2020 में इसके लिए आवेदन किया था लेकिन कंपनी में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश से संबंधित कुछ अनुपालन मुद्दों के कारण अनुमोदन अटक गया था।

मुनाफे में हुई 555 गुने की बढ़ोतरी तो पेनी स्टॉक पहुंचा सीधे अपर सर्किट में

मुंबई, एजेंसी। सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी और कंसल्टिंग सेक्टर की एक कंपनी है सिल्वरलाइन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड बीते कुछ दिनों से इसका एक शेयर 10 रुपये के आसपास घूम रहा है। इस कंपनी ने कल ही इस साल की पहली तिमाही मतलब कि 30 जून, 2025 को समाप्त तिमाही के लिए वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। इसके बाद कंपनी के शेयर अपर सर्किट को छूने लगे।

बीएसई में सिल्वरलाइन टेक्नोलॉजीज के शेयर कल 10.41 रुपये पर बंद हुए थे। आज क्स्थ में सुबह इसके शेयर दो फीसदी बढ़ कर 10.61 रुपये पर खुले। इसके साथ ही यह स्टॉक अपर सर्किट में फंस गया। इस शेयर का लोअर और अपर प्राइस का बैंड दो फीसदी का ही है। 2025-26 की पहली तिमाही में कंपनी का ऑपरेटिंग रेवेन्यू बढ़कर 100.08 करोड़ रुपये हो गया।

दवा सेक्टर में सबसे बड़ी डील करेगी अरबिंदो फार्मा !

सैकड़ों साल पुरानी विदेशी कंपनी पर है नजर

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत की दवा कंपनी अरबिंदो फार्मा चेक गणराज्य की जेनेरिक दवा बनाने वाली कंपनी ज़ेंटिवा को खरीदने की दौड़ में सबसे आगे है। यह सौदा 5 से 5.5 बिलियन डॉलर (लगभग 43,500 से 47,900 करोड़ रुपये) में हो सकता है। ज़ेंटिवा को एडवेंट इंटरनेशनल नामक कंपनी से खरीदा जाएगा। अगर अरबिंदो फार्मा यह डील करने में सफल होती है, तो यह भारत की किसी भी दवा कंपनी द्वारा किया गया अब तक का सबसे बड़ा अधिग्रहण होगा।

साल 2014 में दाइजी सेंक्यो ने रैनबैक्सी में हिस्सेदारी खरीदने के 3.2 बिलियन डॉलर की डील की थी जबकि बायोकॉन बायोलॉजिक्स ने विटारिस के बायोसिमिलर कारोबार को खरीदने के 3.3 बिलियन डॉलर खर्च गए थे। ज़ेंटिवा को खरीदने की होड़ में अरबिंदो फार्मा का मुकाबला अमेरिका की प्राइवेट इक्विटी फर्म तञ्ञष्टक्रसे है। दोनों कंपनियां इस सौदे को अंतिम रूप देने के लिए बातचीत कर रही हैं।

कई वित्तीय निवेशकों और दवा कंपनियों से ज़ेंटिवा को खरीदने के लिए संपर्क किया गया था। एक पीइ अधिकारी ने बताया कि मई से प्रतिस्पर्धा बढ़ गई है। कुछ हफ्ते पहले बोलियां जमा की गई थीं और बातचीत अंतिम चरण में है। अब कीमत पर कोई बात नहीं हो रही है। अगले कुछ हफ्तों या एक महीने में औपचारिक घोषणा हो सकती है। ज़ेंटिवा , अरबिंदो फार्मा को पूर्वी यूरोप (चेक गणराज्य, रोमानिया और स्लोवाकिया) में अपना कारोबार बढ़ाने में मदद करेगी। इन देशों में बाजार बढ़ रहा है और लोग बड़ी दवा कंपनियों के पेटेंट खत्म होने के बाद बायोसिमिलर दवाओं को अपना रहे हैं।

पूर्वी यूरोप में स्वास्थ्य सेवाओं पर ज्यादातर खर्च सरकार द्वारा किया जाता है। इसलिए, यहां से होने वाली कमाई अमेरिका की तुलना में ज्यादा स्थिर है, क्योंकि अमेरिका में दवाओं की कीमतें लगातार घटती रहती हैं। अरबिंदो फार्मा की कमाई में यूरोप का हिस्सा पहले से ही भारत की अन्य दवा कंपनियों से ज्यादा है। साल 2024 में ज़ेंटिवा की कमाई 1.7 बिलियन यूरो (लगभग 1.98 बिलियन डॉलर) थी और इसका एबिटा 400 मिलियन यूरो (लगभग 467 मिलियन डॉलर) था। दुनिया में राजनीतिक और आर्थिक अनिश्चितता के माहौल के बीच अरबिंदो फार्मा इतना बड़ा जोखिम लेने को तैयार है। एनालिस्ट्स ने इस बात पर हैरानी जताई है। अरबिंदो फार्मा का मार्केट कैप 63,684.90 करोड़ रुपये (लगभग 7.4

बिलियन डॉलर) है, जबकि ज़ेंटिवा एक प्राइवेट कंपनी है। सूत्रों के अनुसार अरबिंदो फार्मा ने स्न्न्ल से 4.75 बिलियन डॉलर का कर्ज लिया है। बाकी 800 मिलियन डॉलर कंपनी अपने आंतरिक संसाधनों से जुटाएगी। अरबिंदो और ज़ेंटिवा ने इस बारे में कोई जवाब नहीं दिया है।

ब्लूमबर्ग ने पिछले साल नवंबर में ज़ेंटिवा को बेचने की खबर दी थी और इस साल जुलाई में अरबिंदो की रुचि के बारे में बताया था। ज़ेंटिवा की शुरुआत 15वीं शताब्दी में ब्लैक ईगल फार्मेसी के रूप में हुई थी। 1946 में इसका राष्ट्रीयकरण किया गया और इसके बाद इसके कई मालिक बदले। 1998 में कंपनी के मैनेजमेंट ने इसका ज्यादातर हिस्सा खरीद लिया और इसे जेनेरिक दवाओं पर ध्यान केंद्रित करने के लिए बदल दिया।

सितंबर तक पूरी हो जाएगी बालू घाटों की नीलामी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड की मुख्य सचिव अलका तिवारी ने सभी जिलों के उपायुक्तों को निर्देश दिया है कि राज्य के सभी व्यावसायिक बालू घाटों की नीलामी की प्रक्रिया सितंबर के पहले पखवाड़े तक हर हाल में पूरी कर लें। उन्होंने कहा कि नीलामी शुरू करने से पहले उपायुक्त और खनन पदाधिकारी नई बालू नीति को अच्छे से समझ लें, ताकि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी रहे और तकनीकी दिक्कत न आए। इसके लिए जरूरत पड़ने पर अधिकारियों को प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

मुख्य सचिव ने स्पष्ट किया कि सरकार की मंशा उपभोक्ताओं को उचित दाम पर बालू उपलब्ध कराना है। साथ ही बालू के अवैध कारोबार पर रोक लगाना और अन्य राज्यों से बालू की आपूर्ति को हतोत्साहित करना भी इस नीति का हिस्सा है। बुधवार को सभी उपायुक्तों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान उन्होंने कहा कि नीलामी राज्य के लिए

बेहद महत्वपूर्ण है और इसे पूरी तैयारी के साथ संपन्न कराया जाना चाहिए।

खनन सचिव अरवा राजकमल और निदेशक राहुल सिन्हा ने कहा कि नीलामी की पूरी प्रक्रिया में उपायुक्तों की भूमिका सबसे अहम होगी। उन्होंने उपायुक्तों से मॉक ड्रिल कराने और बोली लगाने वालों को नीलामी की प्रक्रिया से अवगत कराने की बात कही। जरूरत पड़ने पर हेल्पलाइन उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया।

अधिकारियों ने बताया कि 15 अक्तूबर के बाद राष्ट्रीय ग्रीन ट्रिब्यूनल का प्रतिबंध खत्म हो जाएगा। इसलिए उससे पहले नीलामी पूरी कर ली जानी चाहिए, ताकि समय पर खनन शुरू हो सके और राज्य में बालू की किल्लत न हो। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि बालू की कीमत सरकार तय नहीं करेगी, लेकिन यह सुनिश्चित करेगी कि कारोबार पूरी तरह वैध और नियमों के तहत हो। नियमों का पालन नहीं करने वालों का ठेका रद्द करने का अधिकार उपायुक्तों को दिया गया है।

बालू घाटों को दो श्रेणियों में बांटा गया है। पहली श्रेणी में पांच हेक्टेयर से कम क्षेत्र वाले घाट शामिल हैं, जिनका संचालन ग्राम सभा के माध्यम से होगा। ऐसे घाटों की संख्या 374 है। दूसरी श्रेणी में पांच हेक्टेयर से बड़े घाट शामिल हैं, जिनकी नीलामी की जाएगी। छोटे और बड़े घाटों को मिलाकर कुल 60 समूह बनाए गए हैं। किसी भी व्यक्ति को एक हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र का घाट नहीं दिया जाएगा और दो से अधिक समूहों का ठेका भी नहीं मिलेगा।

बैठक में उपायुक्तों को नीलामी प्रक्रिया का प्रेजेंटेशन भी दिखाया गया। पर्यावरण संबंधी मुद्दों पर विशेषज्ञ राजीव लोचन बख्शी ने जानकारी दी और जैप आईटी के प्रतिनिधियों ने नीलामी की तकनीकी प्रक्रिया को विस्तार से समझाया,

मतदाताओं को गोलबंद करने में जुटी कांग्रेस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले वोटर लिस्ट में धांधली का आरोप गहराता जा रहा है। कांग्रेस और उसके सहयोगी दल इस मुद्दे को लेकर जनता को गोलबंद करने में लगे हुए हैं। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की अगुवाई में निकली वोटर अधिकार यात्रा अब धीरे-धीरे राजनीतिक बहस का केंद्र बन चुकी है। वहीं, झारखंड कांग्रेस विधायक दल के उपनेता और खिजरी विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजेश कच्छप ने नवादा में इस यात्रा में शिरकत की।

रांची लौटने पर मीडिया से बातचीत करते हुए कच्छप ने चौंकाने वाला दावा किया है। उन्होंने कहा कि बिहार में 65 लाख जीवित वोटरों के नाम वोटर लिस्ट से काट दिए गए हैं। वहीं, जिनका देहांत हो चुका है, उनके नाम लिस्ट में जोड़ दिए गए हैं। यह लोकतंत्र के साथ घोर अन्याय है।

सड़क हादसे में महिला सहित नवजात की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग। इचाक थाना क्षेत्र के सिरसी स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग 33 पर सोमवार को हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में पूनम देवी (पतिः अनिल मेहता) और उनके नवजात बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार, पूनम देवी की बहन ने एक दिन पहले ही इचाक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में एक बच्चे को जन्म दिया था। पूनम देवी अपने पति के साथ नवजात को हजारीबाग में एक डॉक्टर को दिखाने जा रही थीं, तभी उनकी कार सड़क किनारे एक तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आ गई।

हादसे के बाद एनएच-33 पर लंबा जाम लग गया। स्थानीय लोग और वाहन चालक घंटों फंसे रहे। सूचना मिलने पर इचाक थाना पुलिस और सड़क परिवहन विभाग की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने मृतक मां और बच्चे के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्रारंभिक जांच में हादसे का मुख्य कारण तेज रफ्तार ट्रक और सड़क पर सुरक्षा उपायों का अभाव बताया जा रहा है। पुलिस ने मामले की गहन जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोग एनएच-33 पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग कर रहे हैं।

रोजगार को लेकर फिर भिड़े रैयत

लाठीचार्ज में महिलाएं भी हुईं चोटिल

घटना के बाद इलाके में तनाव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड के बोकारो जिले के सियालजोरी थाना क्षेत्र स्थित वेदांता इलेक्ट्रो स्टील प्लांट गेट पर बुधवार को रोजगार की मांग को लेकर रैयतों का आंदोलन हिंसक रूप ले लिया। गेट जाम करने पहुंचे रैयतों और पुलिस के बीच जमकर धक्का-मुक्की और पथराव हुआ। हालात बेकाबू होने पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। इसमें सियालजोरी थाना प्रभारी मनीष कुमार गंभीर घायल हो गए।

सुबह से ही बड़ी संख्या में रैयत रोजगार की मांग को लेकर प्लांट गेट पर जुटे थे। प्रशासन की ओर से उन्हें जाम हटाने के लिए समझाने की कोशिश की गई, लेकिन रैयत अपनी मांग पर अड़े रहे। इसी दौरान उग्र रैयतों ने थाना प्रभारी पर हमला कर दिया। सिर पर चोट लगने से वे घायल हो गए और उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया।

स्थिति नियंत्रण से बाहर देख पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। इसमें कई पुरुष और महिलाएं चोटिल हो गईं। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

रोजगार का वादा, अधूरा निष्पादनःरैयतों का आरोप है कि प्लांट प्रबंधन ने उन्हें रोजगार देने का आश्वासन पहले ही दिया था, लेकिन लंबे समय से वादे पर अमल नहीं किया गया। इसी नाराजगी के चलते उन्होंने गेट जाम कर आंदोलन किया। स्थिति फिलहाल काबू मेंःपुलिस-प्रशासन का कहना है कि हालात अब नियंत्रण में हैं। वहीं, रैयतों ने चेतावनी दी है कि अगर रोजगार की मांग पूरी नहीं हुई तो वे आंदोलन को और तेज करेंगे।

दो नाबालिगों के अपहरण की कोशिश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चाईबासा । पश्चिमी सिंहभूम जिले के चाईबासा में बीती रात अपहरण की एक सनसनीखेज कोशिश नाकाम हो गई। सोनुआ थाना क्षेत्र में घर से शौच के लिए निकली दो नाबालिग लड़कियों को बदमाशों ने जबरन एक छोटा हाथी वाहन में बैठा लिया। जानकारी के अनुसार, रास्ते में जैसे ही वाहन की गति धीमी हुई, दोनों लड़कियों ने साहस का परिचय देते हुए चलती गाड़ी से छलांग लगा दी। इसके बाद वे किसी तरह भागते हुए गोइलकेरा थाना क्षेत्र के गोटम्बा गांव पहुंचीं और वहां एक सहिया के घर शरण ली।

सुबह घटना की सूचना ग्रामीणों के माध्यम से पुलिस तक पहुंची। सूचना मिलते ही पुलिस ने दोनों नाबालिगों को सुरक्षित सोनुआ थाना लाकर उनका बयान दर्ज किया। इस दौरान स्थानीय मुखिया दिनेश बोयपाई भी थाना पहुंचे और पीड़िताओं का हालचाल लिया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

बदल जायेगी रिम्स की सूरत

'ओपीडी को दिया जाएगा अत्याधुनिक रूप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। रिम्स के ओल्ड ओपीडी ब्लाक का अब जीर्णोद्धार किया जाएगा। पूरे ओपीडी ब्लाक को 15 करोड़ की लागत से नया रूप दिया जाएगा, इसे लेकर जेएसबीसीसीएल (झारखंड स्टेट बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन कारपोरेशन लिमिटेड) ने टेंडर निकाला है।

इसमें ओपीडी को अत्याधुनिक रूप दिया जाएगा, ताकि मरीजों को सुलभ व्यवस्था का लाभ मिल सके। ओपीडी में बेहतर व्यवस्था देने के लिए काफी समय से काम किया जा रहा था, इस बीच नए ओपीडी काम्प्लेक्स बनाने की भी योजना बनी थी, जिसे लेकर टेंडर भी निकाला गया था, लेकिन बीच में ही टेंडर का रद कर दिया गया।

जिसके बाद नए भवन निर्माण को लेकर कोई योजना नहीं बन पाई। लगातार जर्जर भवन की स्थिति को देखने के बाद ओपीडी काम्प्लेक्स को नए सिरे से बनाने की कवायद तेज कर दी गई है।

इससे पहले पुराने भवन के आइपीडी ब्लाक के जीर्णोद्धार को लेकर नई एजेंसी का चयन कर लिया गया है। टेंडर प्रक्रिया में एलवन होने के बाद चयनित एजेंसी को 276 करोड़ का काम सौंपा गया है, जो पुराने भवन के आइपीडी ब्लाक का जीर्णोद्धार का काम करेगी। इस प्रक्रिया को भी पूरी करने में काफी वक्त लगा। पुराने भवन की पूरी स्थिति की रिपोर्ट फिलहाल आइआइटी आइएसएम धनबाद से मिलना बाकी है, रिपोर्ट मिलने के बाद ही आगे के जीर्णोद्धार की प्रक्रिया शुरू हो सकेगी।

पुराने ओपीडी ब्लाक के जीर्णोद्धार का काम एक वर्ष में पूरा करना होगा। जो भी एजेंसी का चयन किया जाएगा उसे इस कार्य को एक वर्ष में ही पूरा कर हैंडओवर करना होगा। जारी किए गए टेंडर में यह स्पष्ट किया गया है कि जो भी एजेंसी बीडिंग प्रक्रिया में भाग लेगी उसे

बताए गए हर मापदंड को पूरा करना होगा, अगर समय के साथ मापदंड को पूरा नहीं किया जाता है तो वैसी एजेंसी को बीडिंग प्रक्रिया से बाहर होना पड़ेगा। नए ओपीडी में हर डाक्टरों को एक बेहतर माहौल मिलेगा, जहां मरीजों को देखने और उन्हें नेक्सजेन साफ्टवेयर की व्यवस्था से कंप्यूटराइज्ड प्रिस्क्रिप्शन मिल सकेगी। साथ ही मरीजों को एक ही फ्लोर में जांच से लेकर दवाएं तक उपलब्ध हो सकेगा। अभी जो सेंट्रल लैब बनाया गया है उसी के सामने ओल्ड ओपीडी का जीर्णोद्धार किया जाएगा।

विकास से कोसों दूर है सुरकाई जलप्रपात

कलकल ध्वनि पर्यटकों को करती है आकर्षित

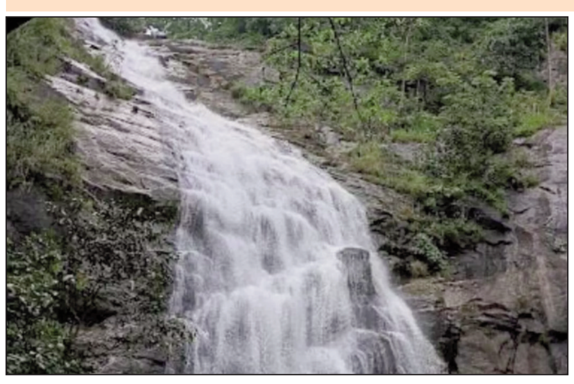

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

लातेहार। जंगलों, पहाड़ों और नदियों से आच्छादित महुआडांर को प्रकृति ने तमाम प्राकृतिक उपहारों से नवाजा है। पिछले दिनों हुई बारिश के बाद प्रखंड के ओरसापाठ पंचायत अंतर्गत सुरकाई जलप्रपात की खूबसूरती देखते ही बन रही है। जलप्रपात के आसपास हरे-भरे पहाड़ भी इसकी खूबसूरती में चार चांद लगा रहे हैं। जंगलों में हुई बारिश के कारण जलप्रपात का जलस्तर बढ़ गया है और पानी का बहाव तेज हो गया है। इसकी खूबसूरती को देखने के लिए स्थानीय पर्यटक पहुंच रहे हैं। सरकारी उपेक्षा के कारण सुरकाई जलप्रपात विकास से वंचित है।

ओरसापाठ वन क्षेत्र अंतर्गत घने जंगलों के बीच यह जलप्रपात चारों तरफ से जंगलों से घिरा हुआ है। एक ही धारा में गिरने वाले झरनों में सुरकाई घाघरी जलप्रपात काफी महत्वपूर्ण है।

इसकी धारा लगभग 250-300 फीट की ऊंचाई से गिरकर एक छोटा जलाशय बनाती है, आगे नदी के रूप में बहकर बुढ़वा नदी में विलीन हो जाती है।

इस झरने के चारों ओर साल, करम, करंज, सिरिस जैसे काष्ठीय वृक्षों और अन्य फलदार वृक्षों, जंगली फूलों और औषधीय पौधों से एक मनोरम मिश्रित वन निर्मित होता है, जहाँ बंदर, जंगली सूअर, भालू, भेड़िया, नेवला, हाथी जैसे जंगली जानवर और मोर, महुकाल आदि विभिन्न ज्ञात प्रजातियों के पक्षियों का कलरव एक दुर्लभ प्राकृतिक दृश्य उत्पन्न करते हैं। झरने की कलकल ध्वनि दूर से ही सुनाई देती है, जो गंतव्य तक पहुँचने के रोमांच और उत्साह को बढ़ा देती है।

इसकी सुंदरता और झरने की कलकल ध्वनि पर्यटकों को आकर्षित करती है, लेकिन यहाँ तक पहुँचने का जर्जर मार्ग मूड खराब कर रहा है। बाहर से आने वाले पर्यटकों के लिए यहाँ तक पहुँचना बहुत कठिन है। क्योंकि मार्ग दिखाने के लिए पहुँच मार्ग के लिए कोई दिशा सूचक बोर्ड या बोर्ड नहीं लगाया गया है।

इसके बावजूद स्थानीय लोगों की मदद से पर्यटक यहाँ पहुँचते हैं। पर्यटकों का कहना है कि यह एक पर्यटन स्थल है, लेकिन यहाँ तक पहुँचना बहुत कठिन होता जा रहा है। पर्यटकों का कहना है कि यह एक खूबसूरत पर्यटन स्थल है। लेकिन जर्जर सड़क के कारण यहाँ तक पहुँचना बहुत कठिन है, यात्रा बोझिल होती जा रही है।

वन आरक्षित क्षेत्र होने के कारण यहाँ पक्की सड़कों के निर्माण पर रोक है। जिसके कारण सड़क की मरम्मत केवल मिट्टी या गिट्टी से की जाती है, लेकिन पिछले 5 सालों से मरम्मत कार्य नहीं हुआ है। जिसके कारण ओरसा मुख्य मार्ग के बाद झरने तक पहुँचने वाला पहुँच मार्ग इतना खराब हो गया है कि उस पर पैदल चलना भी मुश्किल है।

इस संबंध में पूछे जाने पर प्रभारी वन पदाधिकारी कुंवर गंझू ने बताया कि धन के अभाव में उनकी नियुक्ति के बाद से सड़क की मरम्मत नहीं हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि जल्द ही रास्ता दिखाने के लिए एक दिशा-निर्देश बोर्ड लगाया जाएगा। पर्यटकों और स्थानीय लोगों ने सरकार से इस सड़क की तुरंत मरम्मत करवाने की माँग की है, ताकि लोगों को यहाँ आने में सुविधा हो सके।

संविधान संशोधन विधेयक पर स्वास्थ्य मंत्री ने जताया विरोध

अंधेर नगरी चौपट राजा जैसी केंद्र की हालात : डा. इरफान अंसारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित तीन नए संविधान संशोधन विधेयकों का कड़ा विरोध किया है। इन बिलों के जरिए प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, मंत्रियों, सांसदों और विधायकों को पद से हटाने का प्रविधान है, जिसे उन्होंने लोकतंत्र के खिलाफ साजिश करार दिया। उनके अनुसार, यह विधायिका की गरिमा को ठेस पहुंचाने और जनप्रतिनिधियों के मनोबल को तोड़ने का प्रयास है।

इरफान अंसारी ने कहा, ₹अंधेर नगरी चौपट राजा₹ जैसे हालात पैदा हो रहे हैं। उन्होंने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि वह जनहित के ठोस कदम उठाने के बजाय ऐसे बिल ला रही है, जो लोकतंत्र की नींव को कमजोर करते हैं।

प्रधानमंत्री, मंत्री, सांसद और विधायक लोकतंत्र की खूबसूरती हैं। इन्हें कमजोर करना लोकतंत्र पर सीधा हमला है। यह बिल जनता के वोट के अधिकार को कमजोर करते हैं और चुने हुए प्रतिनिधियों को अपमानित करते हैं।

स्वास्थ्य मंत्री ने सवाल उठाया कि अगर सरकार में हिम्मत है तो वह न्यायपालिका और कार्यपालिका के अधिकारों पर बिल लाए। उन्होंने कहा कि आप ऐसा नहीं करेंगे, क्योंकि वहां एकता है। विधायिका को ही क्यों निशाना बनाया जा रहा है?

अंसारी ने कहा कि यह कदम जनता के मूल मुद्दों से ध्यान भटकाने की रणनीति है। यह बिल न केवल जनप्रतिनिधियों, बल्कि जनता और लोकतंत्र के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी, क्या कोई आपको गिरफ्तार कर सकता है? फिर विधायकों और सांसदों को क्यों कमजोर किया जा रहा है?

यह बिल विधायिका को कमजोर करने की साजिश है, जिससे लोकतंत्र अधूरा हो जाएगा। इरफान अंसारी ने प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि वे विधायिका को कमजोर करने के बजाय उसे मजबूत करें।

झाड़-फूंक के चक्कर में गयी जान

हजारीबाग । झारखंड के हजारीबाग में धर्मांतरण को लेकर ईसाई मिशनरियों द्वारा फैलाए जा रहे दुष्प्रचार का दुखद और घिनौना चेहरा सामने आया। चमत्कार से दर्द ठीक करने की बात कहने वाले मिशनरी एजेंटों की बातों पर विश्वास करने की कीमत एक दंपती को अपने आठ साल के बेटे की जान गंवाकर चुकानी पड़ी।

मामला हजारीबाग के कटकमसांडी प्रखंड के आरा भूसी पंचायत अंतर्गत ढोढ़वा गांव का है। यहां के राजू यादव और उनकी पत्नी ने कुछ साल पहले ईसाई धर्म अपना लिया था। उनके आठ साल के बेटे को कैंसर था। मुंबई में डॉक्टरों ने सर्जरी कराने की सलाह दी थी, लेकिन दंपती ने डॉक्टरों की सलाह मानने के बजाय चंगाई सभाओं का सहारा लिया।चर्च के लोगों की सलाह पर वे बच्चे को लेकर पंजाब चले गए। वहां दो महीने तक विभिन्न जिलों में आयोजित चर्च की प्रार्थना सभाओं में शामिल हुए। हजारीबाग लौटने के बाद भी वे चंगाई सभा में पदमा आदर के शिव कुमार यादव और झोंझी गांव के भुवनेश्वर राणा से झाड़-फूंक कराते रहे।

दिशोम गुरु की जीवनी को पाठ्यक्रम में शामिल करने की उठी मांग

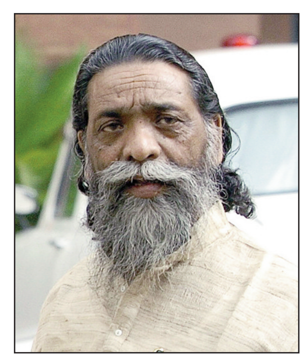

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची । झारखंड आफिसर्स, टीचर्स, इंप्लाइज फेडरेशन के नेतृत्व में झारखंड राज्य माध्यमिक शिक्षक संघ ने शिक्षा सचिव उमाशंकर सिंह से मिलकर दिशोम गुरु शिबू सोरेन की जीवनी राज्य के स्कूली शिक्षा के पाठ्यक्रम में सम्मिलित करने की मांग की है।फेडरेशन के प्रदेश अध्यक्ष विक्रांत कुमार सिंह ने कहा कि दिशोम गुरु के जीवन पर पाठ्यक्रम तैयार करने के दौरान उनके व्यक्तित्व की विशालता का भी ध्यान रखा जाना चाहिए। उनकी दूरगामी सोच ने ही तत्कालीन केंद्र सरकार की वनांचली विचारधारा को झारखंडियत सोच में तब्दील करने को विवश कर दिया।

झारखंड राज्य माध्यमिक शिक्षक संघ के महासचिव रविंद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन किसी समुदाय, क्षेत्र अथवा समूह विशेष के नेता नहीं थे।

पूरे देश का वंचित वर्ग उनमें अपने प्रतिनिधित्व की झलक देखता है। स्कूली शिक्षा के पाठ्यक्रम में उनके जीवन वृत्त को सम्मिलित करने से झारखंड जन गण एवं बाल मन को महामानव के संघर्षों से काफी कुछ सीखने को मिलेगा। इसकी जानकारी फेडरेशन के प्रांतीय मुख्य मीडिया प्रभारी सुमित कुमार नंद ने दी। संगठन की मांग पर शिक्षा सचिव ने अपनी सहमति व्यक्त की और उन्होंने कहा कि इस पर व्यापक कार्य करने की आवश्यकता है विभाग इस दिशा में आवश्यक कार्रवाई करेगा।

ध्वनि प्रदूषण करने वालों की खैर नहीं

रांची। हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान व जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ में ध्वनि प्रदूषण पर रोकथाम को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर बुधवार को सुनवाई हुई।

सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से कहा गया कि ध्वनि प्रदूषण रोकने के लिए राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में अलग से कंट्रोल रूम बनाया जाएगा। कंट्रोल रूम में ध्वनि प्रदूषण से संबंधित जो भी शिकायत आएगी, उसे दर्ज कर संबंधित थाने को भेजा जाएगा और कार्रवाई कर इस पर रोक लगाई जाएगी। महाधिवक्ता राजीव रंजन ने अदालत को बताया कि ध्वनि प्रदूषण पर रोक के लिए एसओपी बनाया गया है। एसओपी को मंजूरी के लिए संबंधित विभाग भी भेजा गया है। विभाग से अनुमति लेकर इसे लागू किया जाएगा। इसमें समय लगेगा। उन्होंने अदालत से समय देने का आग्रह किया। अदालत ने सरकार को समय देते हुए अगली सुनवाई 11 सितंबर को निर्धारित की है। पूर्व में हाई कोर्ट ने सरकार को ध्वनि प्रदूषण पर रोक के लिए एसओपी बनाने का निर्देश दिया था।

जिले में हजार से ज्यादा छात्र हुए ड्राई आई सिंड्रोम के शिकार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सरायकेला। आज के दौर में स्मार्टफोन हर किसी की जरूरत बन गया है, लेकिन इसका सबसे बुरा असर बच्चों की सेहत पर पड़ रहा है। लगातार घंटों तक मोबाइल स्क्रीन पर चिपके रहने की आदत अब बच्चों की आंखों के लिए खतरनाक साबित हो रही है।

सरायकेला-खरसावां जिले में हुए एक बड़े सर्वे ने इस खतरे को उजागर किया है। जिले के लगभग 1,000 से ज्यादा छात्रों की आंखों में सूखापन, जलन, दर्द और नजर कमजोर होने जैसी समस्याएं मिली हैं। यह चौंकाने वाला आंकड़ा तब सामने आया जब जिला अंधापन नियंत्रण समिति ने 808 प्रशिक्षित शिक्षकों और छह नेत्र सहायकों की मदद से 55,256 स्कूली छात्रों की आंखों की जांच की। इस जांच में पाया गया कि स्मार्टफोन के अत्यधिक इस्तेमाल के कारण

बड़ी संख्या में बच्चों की आंखों में दिक्कतें आ रही हैं।

सदर अस्पताल के नेत्र चिकित्सक डॉ. पी एम बारा ने बताया कि मोबाइल से निकलने वाली हानिकारक विकिरण बच्चों की आंखों को सीधे नुकसान पहुंचाती है। लगातार एकटक स्क्रीन पर देखने से आंखों का ब्लिंकिंग रेट सामान्य 15-16 से घटकर 6-7 तक पहुंच जाता है। इससे आंखों में सूखापन (ड्राईनेस) आता है, जिससे जलन, खुजली और धुंधलापन होने लगता है। डॉ. बारा ने यह भी बताया कि आजकल बच्चों में आंखों का नंबर तेजी से बढ़ रहा है। खासकर रात में फोन का इस्तेमाल करने से रेटिना पर सीधा असर पड़ता है, जिससे देखने की क्षमता धीरे-धीरे कम होने लगती है। जांच अभियान में जिन छात्रों की आंखों में समस्या पाई गई, उन्हें सदर अस्पताल के नेत्र चिकित्सकों द्वारा देखा गया। जांच के बाद 640 बच्चों को चश्मा लगाना अनिवार्य पाया गया, जबकि 350 से अधिक छात्रों को दवा देकर उनकी आंखों की समस्या का इलाज किया जा रहा है। जिला अंधापन नियंत्रण समिति के लेखा प्रबंधक घनपत महतो ने जानकारी दी कि जिन 640 बच्चों की नजर कमजोर मिली है, उन्हें समिति की ओर से मुफ्त में चश्मा दिया जाएगा। इससे उनकी पढ़ाई और दिनचर्या में आने वाली दिक्कतों को दूर करने में मदद मिलेगी। यह रिपोर्ट बताती है कि बच्चों को स्मार्टफोन की लत से बचाने और उनकी आंखों की देखभाल के लिए तुरंत कदम उठाना कितना जरूरी है। अभिभावकों को बच्चों के मोबाइल इस्तेमाल पर नजर रखनी चाहिए।

ड्राई आई सिंड्रोम एक ऐसी स्थिति है जिसमें आंखें पर्याप्त नमी नहीं बना पातीं। यह तब होता है जब आंसू की गुणवत्ता खराब हो जाती है या उनका उत्पादन कम हो जाता है। मोबाइल स्क्रीन पर लगातार देखने से ब्लिंकिंग रेट कम हो जाता है, जिससे आंखों की सतह सूखने लगती है। इसके कारण आंखों में जलन, खुजली, लालपन और दर्द महसूस होता है। लंबे समय तक अनदेखा करने पर यह स्थिति और भी गंभीर हो सकती है।

महिला विश्व कप 2025:

बीसीसीआई ने वर्ल्ड कप के लिए भारतीय महिला टीम का किया ऐलान

इन 15 खिलाड़ियों की चमकी किस्मत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने आईसीसी महिला वर्ल्ड कप 2025 के लिए टीम इंडिया का ऐलान कर दिया है। भारत और श्रीलंका में 30 सितंबर से शुरू होकर यह टूर्नामेंट 8 टीमों के बीच खेला जाएगा। नीतू डेविड की अगुवाई वाली महिला चयन समिति ने 15 खिलाड़ियों की टीम चुनी है। टीम की घोषणा के बाद नीतू डेविड ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूरी स्क्वॉड का ऐलान किया। इस बड़े टूर्नामेंट में भारतीय महिला टीम की कप्तानी हरमनप्रीत कौर करेंगी।

वर्ल्ड कप 2025 के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम का स्क्वॉड

कप्तान हरमनप्रीत कौर के साथ टीम में शामिल हैं – स्मृति मंधाना, प्रतिका रावल, हरलीन देओल, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रॉड्रिग्स, रेणुका सिंह, अरुंधति रेड्डी, ऋचा घोष, क्रांति गौड़, अमनजोत कौर, राधा यादव, स्री चरणी, यास्तिका भाटिया और स्नेह राणा।

टीम इंडिया का वर्ल्ड कप 2025 शेड्यूल घोषित -

आईसीसी महिला वर्ल्ड कप 2025 में भारत अपना पहला मुकाबला 30 सितंबर को श्रीलंका के खिलाफ खेलेगा। इसके बाद 5 अक्टूबर को टीम का सामना पाकिस्तान से होगा। 9 अक्टूबर को भारत का मैच साउथ अफ्रीका से, 12 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया से, 19 अक्टूबर को इंग्लैंड से, 23 अक्टूबर को न्यूजीलैंड से और 26 अक्टूबर को बांग्लादेश से होगा। यह टूर्नामेंट हाइब्रिड मॉडल पर आयोजित होगा। पाकिस्तान अपने सभी मैच कोलंबो के न्यूट्रल वेन्यू पर खेलेगा, जबकि भारत में मुकाबले बेंगलुरु, इंदौर, गुवाहाटी और विशाखापत्तनम में होंगे।

● **शेफाली वर्मा को टीम इंडिया में जगह नहीं मिली** – आईसीसी महिला वर्ल्ड कप 2025 के लिए स्मृति मंधाना को उपकप्तान बनाया गया है, जो लंबे समय से यह जिम्मेदारी निभा रही हैं। टीम में प्रतिका रावल, हरलीन देओल, दीप्ति शर्मा और जेमिमा रॉड्रिग्स जैसी स्टार खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है। हालांकि, शेफाली वर्मा को इस बार टीम से बाहर रखा गया है। हाल के दिनों में उनका प्रदर्शन खास नहीं रहा और इसी कारण उन्हें स्क्वॉड में जगह नहीं मिल पाई। फिलहाल वह भारतीय ए टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया दौरे पर हैं।

वीजा विलंब से एथलीट परेशान

विश्व चैंपियनशिप से पहले भारतीय मुक्केबाजों का ब्रिटेन अभ्यास दौरा बाधित

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व चैंपियनशिप से पहले भारतीय मुक्केबाजों की अभ्यास के लिये ब्रिटेन यात्रा वीजा मिलने में विलंब के कारण बाधित हो गई है। भारतीय दल को रविवार को कई देशों के अभ्यास शिविर में भाग लेने शेफील्ड जाना था । चार से 14 सितंबर तक लिवरपूल में होने वाली विश्व चैंपियनशिप की तैयारी के लिये यह शिविर अहम माना जा रहा है। सिर्फ चार महिला मुक्केबाजों और कोचिंग स्टाफ के कुछ सदस्यों को ही वीजा मिल सका और वे ब्रिटेन पहुंचे हैं। दस सदस्यीय भारतीय पुरूष टीम और छह महिला मुक्केबाज अभी भी एनआईएस पटियाला में हैं और वीजा मिलने का इंतजार कर रहे हैं। इस समय पुरूष मुक्केबाजों के पास सिर्फ एक कोच है क्योंकि मुख्य कोच धर्मेंद्र यादव समेत तीन अन्य कोच शेफील्ड में हैं।

यादव ने कहा, हम तीन यहां पहुंच गए हैं लेकिन बाकी पुरूष मुक्केबाज वीजा का इंतजार कर रहे हैं। हमें बुधवार से अभ्यास शुरू करना था लेकिन इसे रद्द करना पड़ा क्योंकि हमें नहीं पता कि वीजा कब मिलेगा और मुक्केबाज यहां कब पहुंचेंगे। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के कामकाज का संचालन कर रही अंतरिम समिति ने कहा कि वह ब्रिटेन में भारतीय दूतावास, खेल मंत्रालय और भारतीय खेल प्राधिकरण के लगातार संपर्क में है। समिति के सदस्य अर्जुन मलिक ने कहा, लेकिन प्रक्रिया स्वचालित है जिससे किसी भी दखल से विलंब का समाधान नहीं निकल सकता । हमारी तरफ से पूरी तैयारी है लेकिन तस्वीर साफ होने पर ही बाकी सदस्य बिना विलंब के ब्रिटेन पहुंच सकेंगे । अभी तक 31 सदस्यीय दल में से 12 सदस्य इंग्लैंड पहुंच पाए हैं। दो बार की विश्व चैम्पियन निकहत जरीन, मीनाक्षी, पूजा रानी और नुपूर शेरोन ही शेफील्ड पहुंच सके हैं। ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन, राष्ट्रमंडल खेल पदक विजेता जैसमीन लंबोरिया, एशियाई खेलों के पदक विजेता नरेंदर समेत बाकी अभी पटियाला में ही हैं। शिविर में आयरलैंड, फ्रांस, जर्मनी, उजबेकिस्तान, अमेरिका और पोलैंड समेत कई देशों के मुक्केबाज भाग ले रहे हैं।

आईसीसी वनडे रैंकिंग:

केशव महाराज बने नंबर वन गेंदबाज

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के बाएं हाथ के स्पिनर केशव महाराज बुधवार को आईसीसी द्वारा जारी वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में पहले स्थान पर पहुंच गए हैं। महाराज ने मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 विकेट लेकर सीरीज के पहले वनडे में दक्षिण अफ्रीका की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। केशव महाराज दो स्थान की छलांग लगाते हुए 687 अंक के साथ पहले स्थान पर पहुंच गए हैं। श्रीलंका के महेश तीक्ष्णा और भारत के कुलदीप यादव को एक-एक स्थान का नुकसान हुआ है। तीक्ष्णा दूसरे जबकि कुलदीप तीसरे स्थान पर चले गए हैं। नामीबिया के बर्नार्ड स्कोल्ट्ज चौथे, अफगानिस्तान के राशिद खान पांचवें, न्यूजीलैंड के मिचेल सेंटनर छठे, न्यूजीलैंड के मैट हेनरी सातवें, श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा आठवें, भारत के रवींद्र जडेजा नौवें और ऑस्ट्रेलिया के एडम जंपा दसवें स्थान पर हैं। शीर्ष 10 गेंदबाजों में 9 गेंदबाज स्पिनर हैं। न्यूजीलैंड के मैट हेनरी एकमात्र तेज गेंदबाज हैं, जिनका नाम वनडे के शीर्ष दस गेंदबाजों की सूची में शामिल है। केशव महाराज ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मंगलवार को हुए वनडे मैच में 10 ओवर में 33 रन देकर 5 विकेट लिए। उनके दमदार प्रदर्शन के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को 98 रन से हरा दिया। ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 297 रन की जरूरत थी। केशव महाराज ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुए मैच में एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। महाराज दक्षिण अफ्रीका की तरफ से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 300 विकेट लेने वाले पहले स्पिनर बन गए हैं। महाराज ने 59 टेस्ट में 203, 49 वनडे में 63 और 39 टी20 में 38 विकेट लिए हैं। उनके कुल अंतरराष्ट्रीय विकेटों की संख्या 304 है। शॉन पोलॉक 823 विकेटों के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दक्षिण अफ्रीका के सबसे सफल गेंदबाज हैं। पोलॉक ने 421 टेस्ट, 387 वनडे और 15 टी20 विकेट लिए हैं।

Sinquefield Cup Chess:

सिंकफील्ड कप में गुकेश की जीत, अब्दुसत्तोरोव को हराकर की जबरदस्त वापसी

सेंट लुई (अमेरिका), एजेंसी। पहले दौर में अपने साथी भारतीय खिलाड़ी गुकेश को हराने वाले आर प्रज्ञानंद ने दूसरे दौर में अमेरिका के फैबियानो कारूआना के साथ अंक बांटे। विश्व चैंपियन डी गुकेश ने शुरुआती दौर की असफलता को पीछे छोड़ते हुए यहां सिंकफील्ड कप शतरंज टूर्नामेंट के दूसरे दौर में उज्बेकिस्तान के पूर्व विश्व रैपिड चैंपियन नोडिरबेक अब्दुसत्तोरोव पर शानदार जीत दर्ज की। पहले दौर में अपने साथी भारतीय खिलाड़ी गुकेश को हराने वाले आर प्रज्ञानंद ने दूसरे दौर में अमेरिका के फैबियानो कारूआना के साथ अंक बांटे। एक अन्य मैच में फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा ने पोलैंड के डूडा जान-क्रिज़्सटॉफ़ को हराया। अमेरिका के लेवोन अरोनियन ने हमवतन सैमुअल सेवियन के साथ ड्रॉ खेला और संयुक्त बढ़त बनाए रखी। एक अन्य अमेरिकी वेस्ली सो ने 10 खिलाड़ियों के 3,75,000 डॉलर इनामी टूर्नामेंट में फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव के साथ ड्रॉ खेला।

अब जबकि सात दौर का खेल होना बाकी है तब प्रज्ञानंद, अरोनियन और फिरोजा 1.5 अंकों के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं। गुकेश, कारूआना, वेस्ली सो, सेवियन और वाचियर-लाग्रेव संयुक्त चौथे स्थान पर हैं। डूडा आधे अंक के साथ नौवें स्थान पर हैं, जबकि अब्दुसत्तोरोव लगातार दूसरी बाजी हारने के बाद अभी तक अपना खाता नहीं खोल पाए हैं।

एशिया कप के लिए श्रेयस अय्यर की जगह बनाई जा सकती थी: आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप 2025 के लिए बीसीसीआई ने 19 अगस्त को टीम की घोषणा कर दी। 15 सदस्यीय टीम में श्रेयस अय्यर को जगह नहीं मिली है। पूर्व सलामी बल्लेबाज आकाश चोपड़ा का मानना है कि श्रेयस अय्यर को रिजर्व खिलाड़ी के रूप में एशिया कप के लिए टीम के साथ रखा जा सकता है।

आकाश चोपड़ा ने कहा है कि श्रेयस अय्यर को टीम से बाहर रखने की वजह से उनके टी20 करियर को लेकर बोर्ड की तरफ से कोई स्पष्ट संकेत नहीं मिल रहा है। पूर्व भारतीय खिलाड़ी ने बुधवार को अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, श्रेयस अय्यर ने शॉर्ट गेंद के खिलाफ अपनी कमजोरी में सुधार किया है। स्पिन को बेहतर खेलते हैं। आईपीएल में 175 की स्ट्राइक रेट से 604 रन बनाए और अपनी कप्तानी में पंजाब किंग्स को फाइनल में लेकर गए। इसके बावजूद उन्हें एशिया कप की मुख्य और रिजर्व खिलाड़ियों की सूची में जगह न मिलना हैरान करता है। आकाश चोपड़ा ने कहा कि यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल और प्रसिद्ध कृष्णा का नाम रिजर्व खिलाड़ियों में है, लेकिन यहां भी श्रेयस का नाम नहीं है। रिजर्व सूची में उनका नाम होना चाहिए था।

उन्होंने कहा कि श्रेयस अय्यर को टीम में आने के लिए और क्या करना होगा। श्रेयस जो कर चुके हैं, उससे ज्यादा क्या कर सकते हैं? आईपीएल में अपनी कप्तानी में पंजाब को फाइनल में ले गए, 600 से अधिक रन बनाए, सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में रन बनाए और टीम को चैंपियन बनाया, रणजी खेला और चैंपियंस ट्रॉफी जीती। एक इंसान के तौर पर आप बस इतना ही कर सकते हैं। आकाश ने कहा कि यह एशिया कप है। इसे विश्व कप से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। मेरा मानना है कि अगर श्रेयस वनडे मैचों में अच्छा प्रदर्शन करते रहे तो टी20 विश्व कप 2026 की टीम में जगह बना सकते हैं। मुझे यकीन है कि वह टी20 विश्व कप का हिस्सा होंगे।

श्रेयस अय्यर भारत की तरफ से 51 टी20 मैचों की 47 पारियों में 136.13 की स्ट्राइक रेट से 1,104 रन बना चुके हैं। इस दौरान 8 अर्धशतक उन्होंने लगाए हैं। सर्वाधिक स्कोर 74 है।

सालाह इंग्लिश फुटबॉल के साल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए, महिलाओं में कैल्डेन्टी को अवॉर्ड

लंदन, एजेंसी। इस पुरस्कार के लिए इंग्लैंड में खेलने वाले साथी पेशेवर खिलाड़ी मतदान करते हैं। सालाह ने रिकॉर्ड तीसरी बार यह पुरस्कार जीता है। लिवरपूल के फॉरवर्ड मोहम्मद सालाह को मंगलवार को प्रोफेशनल फुटबॉलर्स एसोसिएशन पुरस्कारों में पिछले सत्र के लिए इंग्लिश फुटबॉल में साल का सर्वश्रेष्ठ पुरुष चुना गया। वहीं, महिलाओं में आर्सेनल की मिडफील्डर मैरियोना कैल्डेन्टी ने यह अवॉर्ड जीता। इस पुरस्कार के लिए इंग्लैंड में खेलने वाले साथी पेशेवर खिलाड़ी मतदान करते हैं। सालाह ने रिकॉर्ड तीसरी बार यह पुरस्कार जीता है। मिस्र के इस 33 वर्षीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी ने प्रीमियर लीग में 29 गोल किए, जिसकी बदौलत लिवरपूल ने रिकॉर्ड 20वीं बार चैंपियनशिप जीती। सालाह ने इस वर्ष के शुरू में तीसरी बार फुटबॉल राइटर्स एसोसिएशन का फुटबॉलर ऑफ द ईयर पुरस्कार भी जीता था। महिला वर्ग में 29 वर्षीय कैल्डेन्टी ने आर्सेनल के साथ अपने पहले सत्र में शानदार प्रदर्शन किया और सभी प्रतियोगिताओं में 19 गोल किए। एस्टन विला के मिडफील्डर मॉर्गन रोजर्स को वर्ष का सर्वश्रेष्ठ पुरुष युवा खिलाड़ी चुना गया, जबकि सबसे अधिक कीमत पर आर्सेनल से जुड़ने वाली कनाडा की स्ट्राइकर ओलिविया स्मिथ ने महिला वर्ग में यह पुरस्कार हासिल किया।

एमबाप्पे ने रियाल मैड्रिड को जीत दिलाई – फुटबॉल की अन्य खबरों में किलियन एमबाप्पे ने रियाल मैड्रिड के साथ अपने दूसरे सत्र की शानदार शुरुआत करते हुए पेनल्टी को गोल में बदला, जिससे उनकी टीम ने मंगलवार को स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा के अपने पहले मैच में ओसासुना पर 1-0 से जीत दर्ज की। पिछले सत्र में रियाल मैड्रिड से जुड़ने वाले एमबाप्पे ने 51वें मिनट में पेनल्टी किक को गोल में बदलकर मेजबान टीम को जीत दिलाई। एमबाप्पे ने इस तरह से रियाल मैड्रिड के साथ अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखा। उन्होंने पिछले सत्र में क्लब की तरफ से सर्वाधिक गोल किए थे। रियाल मैड्रिड ने इस तरह से अपने चिर प्रतिद्वंदी बार्सिलोना की तरह नए सत्र की जीत से शुरुआत की। बार्सिलोना ने शनिवार को मालोर्का पर 3-0 की आसान जीत दर्ज की थी। पिछले सत्र में रियाल मैड्रिड स्पेनिश लीग में बार्सिलोना के बाद दूसरे स्थान पर रहा था।

एमबाप्पे ने पेनल्टी को गोल में बदला, रियाल मैड्रिड को दिलाई जीत

मैड्रिड, एजेंसी। काइलियन एमबाप्पे ने रियाल मैड्रिड के साथ अपने दूसरे सत्र की शानदार शुरुआत करते हुए पेनल्टी को गोल में बदला, जिससे उनकी टीम ने मंगलवार को स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा के अपने पहले मैच में ओसासुना पर 1-0 से जीत दर्ज की। पिछले सत्र में रियाल मैड्रिड से जुड़ने वाले एमबाप्पे ने 51वें मिनट में पेनल्टी किक को गोल में बदलकर मेज़बान टीम को जीत दिलाई। एमबाप्पे ने इस तरह से रियाल मैड्रिड के साथ अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखा। उन्होंने पिछले सत्र में क्लब की तरफ से सर्वाधिक गोल किए थे। रियाल मैड्रिड ने इस तरह से अपने चिर प्रतिद्वंदी बार्सिलोना की तरह नए सत्र की जीत से शुरुआत की। बार्सिलोना ने शनिवार को मालोर्का पर 3-0 की आसान जीत दर्ज की थी। पिछले सत्र में रियाल मैड्रिड स्पेनिश लीग में बार्सिलोना के बाद दूसरे स्थान पर रहा था। ओसासुना नौवें स्थान पर रहा था।

एशिया कप हॉकी

एशिया कप के लिए भारतीय हॉकी टीम का ऐलान

लाकड़ा और दिलप्रीत को जगह

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार के राजगीर में होने वाले एशिया कप के लिए 18 सदस्यीय भारतीय टीम का ऐलान बुधवार को किया गया जिसमें फॉरवर्ड शिलानंद लाकड़ा और दिलप्रीत सिंह ने अपनी जगह बरकरार रखी है। टूर्नामेंट 29 अगस्त से सात सितंबर तक खेला जायेगा जिसके विजेता को अगले साल एफआईएच पुरूष विश्व कप में सीधे प्रवेश मिलेगा जो 14 से 30 अगस्त तक नीदरलैंड और बेल्जियम में होना है। ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह टीम के कप्तान हैं । राजिंदर सिंह, लाकड़ा और दिलप्रीत आस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय टीम का हिस्सा थे। राजिंदर को शमशेर सिंह की जगह चुना गया, जबकि लाकड़ा ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय हॉकी को अलविदा कहने वाले ललित उपाध्याय की जगह ली है। दिलप्रीत को गुरजंत सिंह पर तरजीह मिली है।

स्ट्राइकर ललित उपाध्याय ने जून में एफआईएच प्रो लीग के यूरोप चरण के बाद अंतरराष्ट्रीय हॉकी से संन्यास ले लिया था। भारत को एशिया कप में जापान, चीन और कजाखस्तान के साथ पूल ए मिला है। भारतीय टीम 29 अगस्त को चीन के खिलाफ पहला मैच खेलेगी। इसके बाद 31 अगस्त को जापान और एक सितंबर को कजाखस्तान से खेलना है। गोलकीपिंग का दारोमदार कृशन बी पाठक और सूरज करकेरा पर होगा। डिफेंस में हरमनप्रीत और अमित रोहिदास के साथ जरमनप्रीत सिंह, सुमित, संजय और जुगराज सिंह हैं। मिडफील्ड में मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, राजिंदर, राज कुमार पाल और हार्दिक सिंह होंगे। फॉरवर्ड पंक्ति में मनदीप सिंह, अभिषेक, सुखजीत सिंह, लाकड़ा और दिलप्रीत जिम्मा संभालेंगे। नीलम संजीप सेस और सेल्वम कार्ति को रिजर्व में रखा गया है। टीम चयन के बारे में मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन ने कहा, हमने अनुभवी टीम चुनी है । विश्व कप क्वालीफिकेशन को देखते हुए एशिया कप हमारे लिए महत्वपूर्ण है लिहाजा हमें दबाव में अच्छा खेलने वाले खिलाड़ी चाहिए।

भारतीय टीम इस प्रकार है

गोलकीपर- सूरज करकेरा, कृशन बी पाठक
डिफेंडर- हरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास , जरमनप्रीत सिंह, सुमित, संजय और जुगराज सिंह
मिडफील्ड- मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, राजिंदर, राज कुमार पाल और हार्दिक सिंह
फॉरवर्ड- मनदीप सिंह, अभिषेक, सुखजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा और दिलप्रीत सिंह
रिजर्व खिलाड़ी- नीलम संजीप सेस और सेल्वम कार्ति।

संक्षिप्त समाचार

बॉटनिकल गार्डन से ग्रेटर नोएडा तक चलेगी मेट्रो, तीन रूट के लिए तैयारी तेज

नई दिल्ली, एजेंसी। नोएडावालों के लिए अच्छी खबर है। नोएडा-ग्रेटर नोएडा वेस्ट, बोड़ाकी और सेक्टर-142 से सेक्टर-38ए बॉटनिकल गार्डन तक मेट्रो चलाने के लिए नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (एनएमआरसी) तैयारी कर रहा है। इसी क्रम में एनएमआरसी ने डिटेल डिजाइन सलाहकार चुनने के लिए टेंडर जारी कर दिया है। अब तक सिर्फ बोड़ाकी रूट को केंद्र से अनुमति मिली है। सेक्टर-142 से बॉटनिकल गार्डन तक चलने वाली मेट्रो रूट को लेकर केंद्र सरकार के स्तर पर बैठक हो चुकी है। अब बैठक के मिनट्स आएंगे। इसके बाद इस प्रस्ताव को मंजूरी के लिए कैबिनेट में रखा जाएगा। नोएडा-ग्रेनो वेस्ट रूट पर बैठक तक नहीं हो सकी है। इस रूट की मंजूरी की प्रक्रिया में अभी वक्त लगेगा। अधिकारियों ने बताया कि सलाहकार तीनों रूट की सिविल डिजाइन, लागत, विद्युत यांत्रिक, ट्रैक के काम के लिए सर्वे कर एनएमआरसी को विस्तृत रिपोर्ट उपलब्ध करवाएगा। इसके लिए नोएडा मेट्रो 24 करोड़ 21 लाख रुपये का भुगतान करेगा।

साउथ दिल्ली के मेडिकल स्टोर्स को लागाने होंगे सीसीटीवी कैमरे, नियम तोड़ा तो ऐक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार ने दक्षिणी दिल्ली में कुछ विशिष्ट श्रेणियों की दवाएं बेचने वाली दुकानों के लिए परिसर में अंदर और बाहर सीसीटीवी कैमरे लगाना अनिवार्य कर दिया है ताकि बिना अनुमति के दवाओं की बिक्री पर अंकुश लगाया जा सके। जारी आधिकारिक बयान के मुताबिक, सीसीटीवी कैमरे लगाने का मकसद एच, एच-1 और एक्स श्रेणी दवाओं की बिक्री पर नजर रखना है। इन दवाओं का इस्तेमाल नशा करने वाले ड्रग्स के तौर पर भी करते हैं। दिल्ली सरकार की ओर से जारी 18 अगस्त के आदेश में कहा गया है कि 29 जुलाई को नार्को समन्वय केंद्र (एनसीओआरडी) और दक्षिणी जिले के अधिकारियों के बीच हुई बैठक में इस उपाय को मंजूरी दी गई। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि दोहरे इस्तेमाल वाली दवाओं के दुरुपयोग को रोकने के लिए दवा दुकानों में निगरानी कैमरे लगाने जरूरी हैं। साथ ही सीसीटीवी फुटेज को एक महीने तक सुरक्षित रखने को भी कहा गया है। आदेश में यह भी कहा गया है कि अनुपालन नहीं करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, दक्षिणी दिल्ली के सभी उप-विभागीय मजिस्ट्रेटों को पुलिस और औषधि निरीक्षकों की मदद लेकर अपने क्षेत्रों में आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। यानी अब दिल्ली पुलिस के जवान और ड्रग इंस्पेक्टर कभी भी मेडिकल स्टोर पर जांच कर सकते हैं कि उसने सीसीटीवी लगाया है या नहींज दरअसल, अक्सर मेडिकल स्टोर बिना प्रिस्क्रिप्शन के इन दवाओं की बिक्री कर देते हैं। इसका फायदा ड्रग एडिक्ट और नशा करने वाले करते हैं। ऐसे में नशे पर अंकुश के लिए भी यह फैसला किया गया है। जारी आदेश के दायरे में दक्षिणी दिल्ली के सभी मेडिकल स्टोर, केमिस्ट शॉप, फार्मेसी काउंटर और स्टॉक रूम होंगे। आदेश का पालन नहीं करने वालों के खिलाफ केस भी दर्ज किए जाने की बात कही गई है।

बारिश तो खूब हुई लेकिन चिपचिपी गर्मी ने छकाया

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में इस बार का मॉनसून जमकर बरस रहा है। आंकड़ों की मानें तो 1901 के बाद से ये दिल्ली का 18वां सबसे बरसाती मॉनसून है। 19 अगस्त तक राजधानी में 524 मिमी बारिश हो चुकी है, जो सामान्य से 40प्रतिशत ज्यादा है। लेकिन बारिश ही नहीं, इस बार की उमस भरी गर्मी ने भी दिल्लीवालों को खूब परेशान किया है। सड़कों पर पानी, हवा में नमी और बढ़ती बीमारियों ने इस मॉनसून को और भी चुनौतीपूर्ण बना दिया है।

हिंदुस्तान टाइम्स के एनालिसिस के मुताबिक, यह दिल्ली का पिछले 53 सालों में दूसरा सबसे उमस भरा मॉनसून है। खासकर बीते हफ्ते की नमी ने तो सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। 1 जून से 18 अगस्त तक दिल्ली में औसत रिलेटिव ह्यूमिडिटी 76.5प्रतिशत रही, जो 2008 के 78.1प्रतिशत के बाद दूसरा सबसे ऊंचा आंकड़ा है। यह दिल्ली के सामान्य मॉनसून की नमी (1991-2020 का औसत 67.2 प्रतिशत) से कहीं ज्यादा है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि अगस्त के पिछले पांच दिन (14-18 अगस्त) सबसे ज्यादा उमस भरे रहे, जहां औसत नमी 89.2प्रतिशत तक पहुंच गई। यह 1991-2020 के औसत से 1.14 गुना ज्यादा है।

इस मॉनसून की उमस का सबसे बड़ा कारण जून और जुलाई रहे। जून में औसत नमी 1973 के बाद तीसरे नंबर पर थी, जबकि जुलाई में दूसरे नंबर पर। अगस्त के पहले 18 दिनों में यह दसवें स्थान पर रही, लेकिन 14-18 अगस्त की उमस ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। आंकड़ों के मुताबिक, जून में नमी सामान्य से 1.23 गुना, जुलाई में 1.12 गुना और अगस्त में 1.05 गुना ज्यादा रही।

जुलाई और अगस्त दिल्ली के सबसे बरसाती महीने हैं और इस बार भी इन्होंने कोई कसर नहीं छोड़ी। जुलाई में सिर्फ 8 दिन और अगस्त में अब तक सिर्फ 4 दिन बिना बारिश के रहे। बारिश के साथ नमी बढ़ना स्वाभाविक है, क्योंकि हवा में पानी की मात्रा बढ़ जाती है। इस बार दिल्ली में उमस का यह तूफान कई कारणों से आया। जून में भले ही दिल्ली में 19 दिन बारिश नहीं हुई, लेकिन दक्षिण और पूर्वोत्तर भारत में मॉनसून के जल्दी आने से नमी का प्रवाह दिल्ली की ओर बढ़ा। जून के तीसरे हफ्ते तक मॉनसून सिस्टम ने दिल्ली को चारों तरफ से घेर लिया, जिससे नमी बढ़ी, हालांकि दिल्ली में मॉनसून 29 जून को ही पहुंचा।

जुलाई और अगस्त में तो बारिश ने जैसे दिल्ली को अपना घर बना लिया। बारिश के दिनों में तापमान गिरता है, लेकिन जब बारिश हल्की होती है या नहीं होती, तब हवा में बची नमी उमस बढ़ाती है। यह इसलिए, क्योंकि ज्यादा नमी शरीर के पसीने को सूखने से रोकती है, जिससे गर्मी और उमस का डबल अटैक होता है। इस चिपचिपी गर्मी ने दिल्लीवालों की सेहत पर भी असर डाला है। ज्यादा नमी के कारण सांस लेने में दिक्कत, त्वचा की समस्याएं और वायरल इंफेक्शन के मामले बढ़े हैं। खासकर बच्चों और बुजुर्गों को इस मौसम में ज्यादा सावधानी बरतने की जरूरत है।

एलजी सक्सेना के दिए एक आदेश पर भड़का जिला बार एसोसिएशन

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के सभी जिला बार एसोसिएशन उपराज्यपाल वीके सक्सेना के उस फैसले पर भड़क गए हैं, जिसमें उन्होंने पुलिस को थानों से ही अदालतों में सबूत पेश करने की अनुमति दे दी थी। इस अधिसूचना को वकीलों, न्यायिक प्रणाली और जनहित के विरुद्ध बताते हुए बार एसोसिएशन ने अपनी समन्वय समिति के माध्यम से राज्य सरकार को 48 घंटे का अल्टीमेटम देते हुए उपराज्यपाल द्वारा 13 अगस्त को जारी इस आदेश को वापस लेने के लिए कहा है।

इस बारे में जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि राजधानी के सभी बार एसोसिएशनों की समन्वय समिति की बैठक में, उनके नेताओं ने सर्वसम्मति से उस अधिसूचना का विरोध किया, जिसमें पुलिस के बयान थानों से दर्ज करने का निर्देश दिया गया था। समिति ने दोहराया, यह (अधिसूचना) सुनवाई प्रक्रिया को पंगु बना देगी और न्याय प्रदान करने में बाधा उत्पन्न करेगी। दिल्ली के जिला न्यायालय बार एसोसिएशन एकजुट हैं और किसी भी परिस्थिति में इस तरह के न्याय-विरोधी उपाय को लागू नहीं होने देंगे। समिति के अतिरिक्त महासचिव तरुण राणा ने कहा कि समिति ने संकल्प लिया है कि सरकार को इस अधिसूचना को वापस लेने के लिए 48 घंटे का समय दिया जाएगा और संबंधित अधिकारियों को एक औपचारिक ज्ञापन सौंपा जाएगा। समिति ने कहा, यदि निर्धारित समय के भीतर अधिसूचना वापस नहीं ली जाती है, तो दिल्ली के सभी बार एसोसिएशन इसका कड़ा विरोध करेंगे और अगर जरूरी हुआ, तो सड़कों पर उतरने सहित आंदोलन भी शुरू करेंगे। इससे पहले दिल्ली उपराज्यपाल ने पुलिस के कामकाज में तेजी लाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए सभी 226 पुलिस थानों को पुलिसकर्मियों की गवाही के लिए नामित स्थल घोषित करने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान कर दी थी। इस फैसले के बाद पुलिसकर्मी अदालतों में खुद पेश होने की बजाय अपने थाने से ही वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए गवाही देने का रास्ता साफ हो गया था। इस बारे में जारी बयान के मुताबिक, इस पहल से समय के साथ ही संसाधन और मानवशक्ति की भारी बचत होने की उम्मीद है।

रेखा गुप्ता पर हमला करने वाले की मां ने बेटे को बताया पशु प्रेमी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को थप्पड़ मारने वाले शख्स का पता चल चुका है। व्यक्ति गुजरात के राजकोट का है और उसकी उम्र 35 साल है। नाम राजेश भाई खिमजी है। दिल्ली पुलिस ने इस बाबत गुजरात पुलिस से भी संपर्क किया,फिलहाल तो आरोपी पुलिस गिरफ्त में है। इस बीच हमलावर की मां से जब मीडियावालों ने सवाल पूछना चाहा तो वो कन्नी काटती नजर आईं। उनके चेहरे पर उस वक्त मुस्कान भी थी।

राजकोट में रेखा गुप्ता पर हमला करने वाले राजेश खिमजी की मां भानुबेन के घर पहुंचकर मीडिया ने उनसे इस घटना के बारे में सवाल पूछा,लेकिन मां ने सिर्फ इतना कहा कि मुझे कोई जानकारी नहीं है। इस दौरान उनके चेहरे पर मुस्कुराहट थी। मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए मां ने बेटे को पशु प्रेमी बताया है। इसके बाद वह एक ऑटो में सवार होकर निकल गईं। राजकोट में राजेश खिमजी के पड़ोसी से भी बात की। उन्होंने उसे बेहतरीन इंसान और पशु प्रेमी बताया। पड़ोसी ने कहा कि मैं उसे बीते 5-6 सालों से जानता हूं। वह बहुत साधारण और उदार व्यक्ति हैं। पड़ोसी ने कहा कि वह जानवरों से बहुत प्रेम करता है। वो तो गाय को चारा-रोटी खिलाता है और शंकर भगवान का भक्त है। राजेश का छोटा भाई भी शांत है और आजतक कोई झगड़ा नहीं किया।

बढ़ता हथियारों का खतरनाक खेल

पुलिस की लाठी बनाम अपराधियों की एके-47

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली-एनसीआर में अपराधी अब पहले से कहीं ज्यादा खतरनाक हो गए हैं। पिछले दो सालों में एक दर्जन से ज्यादा पुलिसकर्मियों की हत्या इस बात का सबूत है कि अपराधी अब न सिर्फ हथियारों से लैस हैं, बल्कि उनके पास असॉल्ट राइफल और विदेशी पिस्तौल जैसे घातक हथियार हैं, जो ज्यादातर अवैध बाजारों से खरीदे जाते हैं। दूसरी ओर पुलिस के पास पुरानी 9द्वद्व पिस्तौल, जर्जर राइफलें और कई बार तो सिर्फ लाठियां ही हैं। आज के अपराधी न सिर्फ स्मार्ट हैं, बल्कि उनके पास हथियारों का ऐसा जखीरा है, जो पुलिस को पसीने छुड़ा देता है। हाल ही में दिल्ली पुलिस ने एक मामले में 30 जिंदा कारतूसों के साथ एक एके-47 राइफल जब्त की। यह हथियार बिहार के मुंगेर जिले की अवैध हथियार बनाने वाली फैक्ट्री में तैयार किया गया था और इसे महज 2.4 लाख रुपये में बेचा जाना था। इस मामले में पकड़े गए कपिल कुमार ने बताया कि उसने यह राइफल एक प्रॉपर्टी डीलर से खरीदी थी और इसे उत्तर प्रदेश और हरियाणा में सक्रिय गिरोहों को सप्लाई करने वाला था। अवैध हथियारों का यह कारोबार अब एनसीआर में तेजी से फैल रहा है। दिल्ली पुलिस के स्पेशल सीपी (क्राइम) देवेश चंद्र श्रीवास्तव के मुताबिक, बिहार के मुंगेर के अलावा

पश्चिमी यूपी का बुलंदशहर, मध्य प्रदेश का मऊ और अब राजस्थान का डीग क्षेत्र भी नकली हथियार बनाने का गढ़ बन गया है। हैरानी की बात है कि ये घातक हथियार छोटे-छोटे बैकयार्ड वर्कशॉप में बनाए जाते हैं। पुराने लेथ मशीनों और वेल्डिंग उपकरणों के जरिए एके-47 जैसे हथियारों की नकल इतनी आसानी से तैयार की जाती है कि देखकर दंग रह जाएंगे। बार-बार छापेमारी के बावजूद यह धंधा थमने का नाम नहीं ले रहा। खुफिया सूत्रों के मुताबिक, मुंगेर और अन्य क्षेत्रों में बने ये हथियार अब दिल्ली जैसे शहरी केंद्रों में पहुंच रहे हैं, जहां संगठित अपराधी गिरोह इनका इस्तेमाल कर रहे हैं। इस साल मई में दिल्ली पुलिस ने राजस्थान के डीग में अवैध हथियार बनाने और सप्लाई करने वाले एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया। तीन दिन की कार्रवाई में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया, जो दिल्ली-एनसीआर में अपराधियों, खासकर विकास लगरपुरिया गिरोह को हथियार सप्लाई कर रहे थे। जॉइंट पुलिस कमिश्नर (क्राइम) सुरेंद्र कुमार ने बताया कि इस ऑपरेशन में 11 अवैध हथियार, जिसमें एक राइफल और 10 पिस्तौल शामिल थे, साथ ही 17 जिंदा कारतूस और हथियार बनाने के उपकरण बरामद किए गए। इस गिरोह के सरगना मोहम्मद जूबर का नेटवर्क डीग के जंगली इलाकों से संचालित हो रहा था। जूबर के साथ हर्विंदर सिंह, सोनू सिंह, मोहम्मद मुबीन और शेर मोहम्मद उर्फ शेरू भी पकड़े गए। मुबीन, जो 2013 से हथियार बनाने में प्रशिक्षित था, 12,000 रुपये तक में पिस्तौल बेचता था। हर्विंदर और सोनू दिल्ली के अपराधी गिरोहों को हथियारों की रीसेलिंग करते थे। दूसरी ओर, एनसीआर में पुलिस की स्थिति चिंताजनक है। दिल्ली, यूपी और हरियाणा के ज्यादातर पुलिस स्टेशनों के पास एके-47 जैसे हथियार तो दूर, इनके इस्तेमाल की ट्रेनिंग भी नहीं है। एक रिटायर्ड सीपी ने बताया कि 9द्वद्व पिस्तौल छोटी दूरी के लिए बनाई गई है, जबकि एके-47 जैसी असॉल्ट राइफल सैकड़ों मीटर तक मार कर सकती है।

गाजा में युद्ध का नया चरण शुरू: हमास के गढ़ पर बड़े हमले की मंजूरी

गाजा , एजेंसी।
इजराइली सेना ने गाजा पट्टी में चल रहे युद्ध को और तेज करने की तैयारी शुरू कर दी है। सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को बताया कि सैन्य नेतृत्व ने गाजा के सबसे घनी आबादी वाले हिस्सों में अभियान के नए चरण को मंजूरी दे दी है।

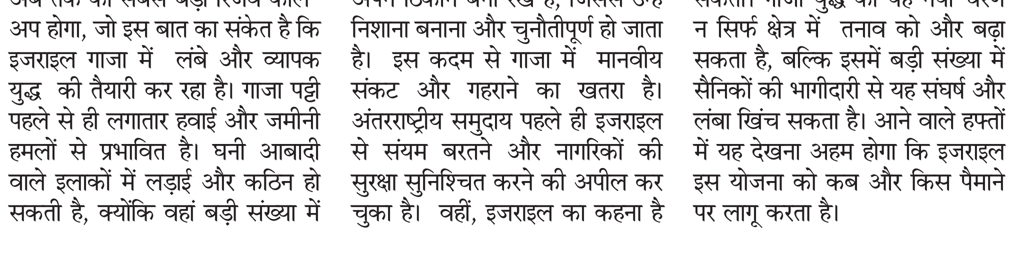

यह अभियान गाजा शहर के उन इलाकों में चलाया जाएगा जहां अब तक इजराइली सेना नहीं पहुंची है और जहां हमास अब भी सक्रिय है। मंजूरी मिलने के बाद यह योजना अब अंतिम चरण की ओर बढ़ रही है, हालांकि अभियान कब शुरू होगा, यह अभी स्पष्ट नहीं है। अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि यह कार्रवाई अत्यधिक संवेदनशील है और इसका मकसद हमास को उसके गढ़ से बाहर निकालना है। आने वाले महीने में 50,000 रिजर्व सैनिकों को बुलाया जाएगा। इसके बाद सक्रिय रिजर्व सैनिकों की संख्या लगभग दोगुनी होकर 1,20,000 तक पहुंच जाएगी। यह अब तक का सबसे बड़ा रिजर्व कॉल-अप होगा, जो इस बात का संकेत है कि इजराइल गाजा में लंबे और व्यापक युद्ध की तैयारी कर रहा है। गाजा पट्टी पहले से ही लगातार हवाई और जमीनी हमलों से प्रभावित है। घनी आबादी वाले इलाकों में लड़ाई और कठिन हो सकती है, क्योंकि वहां बड़ी संख्या में नागरिक रहते हैं। इजराइल का दावा है कि हमास ने नागरिक ढांचों के बीच अपने ठिकाने बना रखे हैं, जिससे उन्हें निशाना बनाना और चुनौतीपूर्ण हो जाता है। इस कदम से गाजा में मानवीय संकट और गहराने का खतरा है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय पहले ही इजराइल से संयम बरतने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील कर चुका है। वहीं, इजराइल का कहना है कि हमास की सैन्य क्षमता को खत्म किए बिना युद्ध समाप्त नहीं किया जा सकता। गाजा युद्ध का यह नया चरण न सिर्फ क्षेत्र में तनाव को और बढ़ा सकता है, बल्कि इसमें बड़ी संख्या में सैनिकों की भागीदारी से यह संघर्ष और लंबा खिंच सकता है। आने वाले हफ्तों में यह देखना अहम होगा कि इजराइल इस योजना को कब और किस पैमाने पर लागू करता है।

ऑस्ट्रेलिया में 16 साल से कम बच्चों के लिए सोशल मीडिया बैन तय

केपटाउन एजेंसी।
ऑस्ट्रेलिया में आगामी चार महीनों के भीतर एक नया कानून लागू होने जा रहा है, जिसके तहत 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों को फेसबुक, स्नैपचैट, टिकटॉक, इंस्टाग्राम, एक्स (पूर्व ट्विटर), रेडिट और यूट्यूब जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग करने से रोक दिया जाएगा। सरकार ने सोशल मीडिया कंपनियों को निर्देश दिया है कि वे 10 दिसंबर तक नाबालिगों के मौजूदा अकाउंट हटाएं और आयु सत्यापन सॉफ्टवेयर के जरिए उन्हें नए अकाउंट बनाने से रोकें। इस कानून के तहत माता-पिता की अनुमति होने पर भी बच्चों को सोशल मीडिया उपयोग की अनुमति नहीं होगी। देशभर में बहस छिड़ गई है।समर्थक पक्ष विशेषज्ञों का मानना है कि सोशल मीडिया बच्चों को अपनी पहचान व्यक्त करने, खुद को समझने और सामाजिक जुड़ाव बनाने में मदद करता है। खासकर तब, जब हर पांच में से दो बच्चे खुद को अकेला महसूस करते हैं। दूसरी ओर आलोचकों का कहना है कि यह प्रतिबंध बच्चों को सोशल मीडिया का और अधिक आदी बना सकता है, क्योंकि वे छिपकर इसका उपयोग करने की कोशिश करेंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम बच्चों को डिजिटल और असल जीवन में संतुलन सिखाने का अवसर देगा। हालांकि इसे लागू करना आसान नहीं होगा, लेकिन यदि परिवार समय से तैयारी कर ले, तो बच्चों पर इसका असर कम किया जा सकता है।

चीनी कंपनी टिकटॉक पर दिखेंगे डोनाल्ड ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का चीन के प्रति प्रेम एक बार फिर सामने आया है। चीन से लगाव रखने और भारत पर टैरिफ लगाने वाले ट्रंप अब टिकटॉक पर दिखाई देंगे। दरअसल, वाइट हाउस (अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक निवास और कार्यालय) ने मंगलवार को टिकटॉक पर अपना अकाउंट शुरू किया। यह कदम तब उठाया गया जब अमेरिका में टिकटॉक के भविष्य और वैधता पर गंभीर सवाल उठते रहे हैं। इस लोकप्रिय वीडियो शेयरिंग ऐप पर अपनी पहली पोस्ट में वाइट हाउस ने 27 सेकंड का एक क्लिप साझा किया और कैप्शन में लिखा कि अमेरिका हम वापस आ गए हैं।

वीडियो पोस्ट करने के कुछ ही घंटों में अकाउंट पर पांच हजार से अधिक फॉलोअर्स हो गए। दूसरी ओर टिकटॉक पर डोनाल्ड ट्रंप के निजी अकाउंट पर 110.1 मिलियन फॉलोअर्स हैं। उनकी आखिरी पोस्ट 5 नवंबर, 2024 को की गई थी, जिस दिन अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान हुआ था। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या टिकटॉक अमेरिका में चल रहा है? बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप का टिकटॉक के साथ प्रेम और नफरत का रिश्ता है।

ट्रंप प्रशासन की खुफिया विभाग के अफसरों पर बड़ी कार्रवाई

37 अधिकारियों की सुरक्षा मंजूरी रद्द

वॉशिंगटन, एजेंसी।
ट्रंप प्रशासन ने खुफिया विभाग के अफसरों पर बड़ी कार्रवाई की हैं। प्रशासन ने खुफिया विभाग के 37 मौजूदा और पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारियों की सुरक्षा मंजूरी रद्द की है। मंगलवार को राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड की ओर से जारी पत्र में इन अफसरों तमाम आरोप लगाए गए हैं।

पत्र में अधिकारियों पर व्यक्तिगत या पक्षपातपूर्ण लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए खुफिया जानकारी का गलत इस्तेमाल करने, जानकारी की सुरक्षा करने में विफल रहने, पेशेवर विश्लेषणात्मक व्यापार मानकों का पालन न करने और अन्य असंगत हानिकारक आचरण करने का आरोप लगाया गया है। हालांकि आरोपों को साबित करने के लिए कोई सबूत नहीं दिया गया है।

तुलसी गबार्ड ने कहा कि सुरक्षा मंजूरी मिलना एक विशेषाधिकार है, अधिकार नहीं। खुफिया विभाग के वे लोग जिन्होंने संविधान के प्रति अपनी शपथ तोड़ी और अपने हितों को अमेरिकी लोगों से आगे रखा, उन्होंने उस पवित्र विश्वास को तोड़ा है जिसे बनाए रखने का उन्होंने वादा किया था।

जिन अधिकारियों की सुरक्षा मंजूरी रद्द की गई है, उनमें से कई ने वरिष्ठ राष्ट्रीय सुरक्षा पदों और निचले स्तर पर काम करने के बाद कई साल पहले सरकार छोड़ दी थी। जबकि कुछ ने ऐसे मामलों पर काम किया जो ट्रंप को लंबे समय से नाराज कर रहे थे। इसमें 2016 में

अमेरिकी चुनाव में रूस के हस्तक्षेप की बात छिपाने वाले अफसर भी शामिल हैं।

इस कार्रवाई में जिन लोगों को निशाना बनाया गया, उनमें से कुछ बाइडेन की राष्ट्रीय सुरक्षा टीम का हिस्सा थे। सूची में शामिल दो पूर्व सरकारी अधिकारियों ने बताया कि कई लोगों को मंगलवार को समाचार रिपोर्टों से ही गबार्ड की कार्रवाई के बारे में पता चला। दोनों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि वे कानूनी कार्रवाई करने पर विचार कर रहे हैं। यह कार्रवाई ट्रंप प्रशासन उस अभियान का हिस्सा है, जिसके तहत वह कथित विरोधियों के खिलाफ सरकार का नियंत्रण अपने हाथ में लेना चाहता है। यह राष्ट्रपति के उन खुफिया अधिकारियों के प्रति अविश्वास को दिखाता है।

ट्रंप प्रशासन के फैसले को लेकर आलोचकों का कहना है कि इससे राष्ट्रीय सुरक्षा समुदाय की असहमतिपूर्ण आवाजों के ठंडा पड़ने का खतरा है। सुरक्षा मंजूरी रद्द किए जाने के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा वकील मार्क जैद ने कहा कि ये गैरकानूनी और असांविधानिक निर्णय हैं जो दशकों पुराने सुस्थापित कानूनों और नीतियों से अलग हैं। इनका उद्देश्य इसी प्रकार की कार्रवाई से सुरक्षा प्रदान करना था। उन्होंने प्रशासन के दावे को गलत बताया कि इन अफसरों ने खुफिया जानकारी का राजनीतिकरण किया या उसे हथियार बनाया।

सुरक्षा मंजूरी न केवल मौजूदा सरकारी कर्मचारियों के लिए बल्कि उन पूर्व कर्मचारियों के लिए भी महत्वपूर्ण है जिनका निजी क्षेत्र की नौकरियों में संवेदनशील जानकारी तक पहुंच बनाए रखना जरूरी है। ऐसे कर्मचारियों से मंजूरी छीन लेने से उनके लिए अपना काम करना मुश्किल हो सकता है।

बधाई हो, बेटी हुई है, बेटियों के जन्म पर खुशी व उल्लास मनाएं

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त अजय नाथ झा के निर्देश एवं जिला समाज कल्याण विभाग के आदेश पर बाल विकास परियोजना पेटरवार एवं बेरमो द्वारा आज " बधाई हो, बेटी हुई है " कार्यक्रम अनुमंडलीय अस्पताल, बेरमो एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पेटरवार की मातृझशिशु वार्ड में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मौके पर सीडीपीओ पेटरवार चंदा रानी, बीडीओ पेटरवार संतोष कुमार महतो, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी पेटरवार डॉ कुंदन राज, सीडीपीओ बेरमो गीता कुमारी सोय, अनुमंडलीय अस्पताल बेरमो प्रभारी डॉ शिवानी, उपाधीक्षक अनुमंडलीय अस्पताल बेरमो डॉ राहुल सिन्हा, हेल्थ मैनेजर संजय प्रसाद, जीएन अलका वर्मा एवं महिला पर्यवेक्षिका मुक्ति कुमारी, कुमारी सुमित्रा, रेखा कुमारी समेत अन्य उपस्थित थे। सबसे पहले सीडीपीओ पेटरवार चंदा रानी, बीडीओ पेटरवार संतोष कुमार महतो, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी पेटरवार डॉ कुंदन राज, सीडीपीओ बेरमो गीता कुमारी सोय, अनुमंडलीय अस्पताल बेरमो प्रभारी डॉ शिवानी, उपाधीक्षक अनुमंडलीय अस्पताल बेरमो डॉ राहुल सिन्हा व अन्य सभी महिला पर्यवेक्षिका के द्वारा नवजात बेटियों के अभिभावकों को क्रमवार उनके घर बेटी होने की उन्हें बधाई दी गई तथा बेटी के जन्म की इस खुशी को साझा करते हुए सभी पदाधिकारियों ने अभिभावकों को मिठाई खिलाई व केक काटकर उनका मुंह मिठा कराया गया। इसके साथ ही प्रसव के पश्चात आवश्यक मेडिकल कीट और बच्चों से संबंधित किट प्रदान किए गए। कार्यक्रम को जीवंत बनाने के लिए पारिवारिक गीत गाया गया। इससे अभिभावकों के चेहरे पर खुशी का पल साफ दिख रहा था। वो अपने आपको बहुत गर्व महसूस कर रहे थे।

जन्म पर उनके अभिभावकों को बधाई दें तथा मिठाई खिलाया –

कार्यक्रम में बीडीओ पेटरवार संतोष कुमार महतो एवं सीडीपीओ ने कहा कि बेटी के जन्म को बोझ नहीं समझे, अपने आपको सौभाग्य समझें। साथ ही कहा कि अब जमाना बदल गया है बेटियों के जन्म को खुशी और उल्लास से मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि जब तक समाज में मानसिक स्तर पर बेटियों को लेकर समानता का भाव नहीं आएगा, तब तक असल बदलाव संभव नहीं है। उन्होंने सभी अपने-अपने क्षेत्रवासियों से आह्वान किया कि समाज में बेटियों को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सुरक्षा जैसे सभी क्षेत्रों में समान अवसर दें। साथ ही, अपने आस पास बेटियों के जन्म पर उनके अभिभावकों को बधाई दें तथा मिठाई खिलाएं। प्रखंड विकास पदाधिकारी पेटरवार संतोष कुमार महतो ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना जैसे कार्यक्रम में महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का ही एक माध्यम है। यह आवश्यक है कि अभिभावक अपनी बेटियों को आगे बढ़ने की पूरी आजादी दें और उनको प्रोत्साहित करें। मौके पर कई चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ, प्रशासनिक पदाधिकारी एवं परिजन उपस्थित थे।

मिथिला सांस्कृतिक परिषद ने बाबा विद्यापति को दी पुष्पांजलि

मां जानकी जन्मभूमि के पुनरुद्धार के लिए केन्द्र सरकार का जताया आभार

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो में मैथिली भाषा-भाषियों की प्रतिष्ठित संस्था मिथिला सांस्कृतिक परिषद ने संस्था द्वारा नगर के सेक्टर-4 में संचालित मिथिला अकादमी पब्लिक स्कूल परिसर में महाकवि विद्यापति की प्रतिमा स्थापित होने के एक साल पूरे होने पर एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने बाबा विद्यापति को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उन्हें भक्ति-भाव से नमन किया। इस अवसर पर आयोजित एक परिचर्चा में वक्ताओं ने महाकवि विद्यापति को एक अवतारी महापुरुष बताते हुए जहां उनके कृतित्व और व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला, वहीं केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा भारतीय सनातन धर्म की अक्षुण्णता बनाए रखने हेतु किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा की। वक्ताओं ने बिहार के सीतामढ़ी में जगत जननी मां जानकी (सीता) जन्मभूमि के पुनरुद्धार के लिए केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा 882.87 करोड़ रुपए की लागत से अयोध्या की तर्ज पर 67 एकड़ से अधिक क्षेत्र में बनने वाले भव्य जानकी मंदिर की आधारशिला रखे जाने का स्वागत किया तथा केन्द्र सरकार के प्रति अपना आभार प्रकट किया। वक्ताओं ने कहा कि सदियों के संघर्ष के बाद जिस तरह अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर अब मूर्त रूप ले रहा है, उसी तरह सीतामढ़ी में भव्य मंदिर का निर्माण होना सम्पूर्ण मिथिलांचल के लिए गौरव की बात होगी। वक्ताओं ने जानकी जन्मभूमि के पुनरुद्धार में सीतामढ़ी के सांसद देवेश चन्द्र ठाकुर के प्रयासों की भी सराहना की। कार्यक्रम में मिथिला सांस्कृतिक परिषद के अध्यक्ष जय प्रकाश चौधरी, महासचिव नीरज चौधरी, मिथिला अकादमी पब्लिक स्कूल के सचिव दिलीप कुमार झा के अलावा केसी झा, बटोही कुमर, विजय कुमार झा, पीके झा चंदन, श्रीमती मीनम मिश्रा, पूनम मिश्रा, यूसी झा, मिहिर मोहन ठाकुर, अविनाश कुमार झा अवि, मिहिर कुमार झा, शंभू झा, पी.के. झा चंदन, अमरनाथ झा, चतुरानन पाठक, चन्द्रकांत मिश्र, अरुण पाठक, शैलेन्द्र कुमार मिश्र, पंडित गोविन्द झा, चंचल झा, गणेश झा, गोविन्द कुमार झा, एसके झा, सुशील कुमार झा, विनय कुमार झा, अविनाश मिश्र, बहुरन झा, शिवेश पाठक, समरेन्द्र झा सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

व्यवहार न्यायालय परिसर की साफ-सफाई का रखें ध्यान : उपायुक्त

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त अजय नाथ झा एवं पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह ने व्यवहार न्यायालय परिसर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दरमियान परिसर की साफ- सफाई एवं सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने मौके पर उपस्थित कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमंडल को संपूर्ण परिसर में शौचालय की समुचित व्यवस्था करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी कार्यालय परिसर की स्वच्छता अति महत्वपूर्ण होती है यह कार्य संस्कृति में अनुकूलता उत्पन्न करती है तथा कर्मियों के कार्य गुणवत्ता में सुधार देखा जाता है। उन्होंने नगर निगम, चास के पदाधिकारी को परिसर के साफ-सफाई हेतु निर्देशित करते हुए कहा कि परिसर में आवश्यकता अनुसार पौधा एवं फूल पत्तियों का रोपण करें ताकि परिसर को सुंदर एवं सुखद बनाया जा सके। वहीं, पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

मां बेटे ने मिलकर चुराई हीरे की अंगूठी, गिरफ्तार

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो पुलिस ने बोकारो स्टील प्लांट के एक अधिकारी और उनकी मां को सिटी सेंटर स्थित ज्वेलरी शो रुम

तनिष्क से हीरे की अंगूठी चुराने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अंगूठी भी बरामद कर लिया है। चोरी की घटना 18 अगस्त की बताई गई है। डीएसपी सिटी आलोक रंजन ने बीएसएल में कार्यरत उप प्रबंधक राज करन सिंह और उसकी मां नवप्रित कौर अंगूठी खरीदने के बहाने तनिष्क शो रुम गए हुए थे। इस दौरान उन्होंने अपनी पुरानी अंगूठी हाथ से खोल कर डिब्बे में रख दिया और हीरा जड़ित सोने की अंगूठी लेकर चले गए। सीसीटीवी फुटेज देखने के बाद अंगूठी चोरी की घटना सामने आई। उसके बाद सेक्टर चार थाना पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

धनबाद जिला महिला कांग्रेस ने राजीव गाँधी की जयंती मनाई

भूली/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भूली ई ब्लॉक सेक्टर 5 स्थित धनबाद जिला महिला कांग्रेस कमिटी की जिलाध्यक्ष सीता राणा के आवासीय कार्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गाँधी का 81 वां जयंती मनाई गई।. महिला कांग्रेस की सदस्यों ने राजीव गाँधी के तश्वीर पर पुष्प अर्पित कर नमन किया. केक काटकर राजीव गाँधी के योगदान के बारे में बताया.राजीव गाँधी के 81 वां जयंती अवसर पर अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लाम्बा और झारखण्ड प्रदेश अध्यक्ष गुंजन सिंह के निदेर्शानुसार प्रियदशार्नी

उड़ान के तहत महिलाओं के बीच सेनेटरी पैड का वितरण किया गया.महासचिव रूबी खातून ने बताया कि प्रियदशार्नी उड़ान के तहत भूली झारखण्ड मोड़ खटाल, नया बाजार, स्टेशन रोड के साथ गोविंदपुर बलियापुर, झरिया, धनबाद प्रखंड और धनबाद नगर में महिलाओं के बीच सेनेटरी पैड का वितरण किया गया। मौके पर जिलाध्यक्ष सीता राणा ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गाँधी भारत में तकनिकी क्रांति के सूत्रकार थे. देश में कम्प्यूटर क्रांति लाकर उन्होंने देश के विकास को गति दी. उस समय राजीव गाँधी का विरोध करने वाले भी आज तकनीक की दुहाई देते है. राजीव गाँधी ने महिलाओं को राजनीती में अधिकार देते हुए पंचायती राज में पचास फीसदी आरक्षण देकर महिलाओं को सशक्त बनाने, आत्मनिर्भर होने आर्थिक सबलता का मन्त्र दिया. राजीव गाँधी के विचार और कार्य हमेशा लोगों के लिए प्रेरणास्त्रोत बने रहेंगे. मौके पर रूबी खातून, नीतू देवी, बबिता शर्मा, हेमंती जयसवाल, पूनम देवी, ,शाहिना बानो, कविता धिवर, सुनीता निषाद, सबीना खातून, रजनी देवी, निखत परवीन, मालती देवी, रिंकू कुमारी, रंजू देवी, जानकी देवी, सुमा देवी, कौशल्या देवी, सविता देवी, आदि मौजूद थी.

बीएसएल के स्वर्ण जयंती स्मारक के नवीकृत स्वरुप का लोकार्पण

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो नगरवासियों को समर्पित, बोकारो एयरपोर्ट के सामने स्थित 'स्वर्ण जयंती स्मारक' के नवीकृत स्वरुप का लोकार्पण 20 अगस्त को बोकारो इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी श्री बीरेंद्र कुमार तिवारी द्वारा किया गया। इस अवसर पर अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) सुश्री राजश्री बनर्जी, मुख्य महाप्रबंधक (नगर सेवाएं) श्री कुंदन कुमार सहित वरीय अधिकारी एवं बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित थे। 'स्वर्ण जयंती स्मारक' एवं इसके परिसर को आकर्षक रूप में विकसित किया गया है। इसमें बैठने की सुव्यवस्थित व्यवस्था, पाथवे, हरित पेड़-पौधों और आधुनिक प्रकाश व्यवस्था की विशेष सुविधा उपलब्ध कराई गई है। यह स्थान नगरवासियों को एक शांत, प्रेरणादायी एवं स्वास्थ्यप्रद वातावरण प्रदान करेगा। इस अवसर पर निदेशक प्रभारी श्री तिवारी ने कहा कि बोकारो इस्पात संयंत्र न केवल देश की औद्योगिक प्रगति में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, बल्कि नगर के सामाजिक एवं सांस्कृतिक जीवन को सशक्त बनाने में भी लगातार प्रयासरत है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि 'स्वर्ण जयंती स्मारक' आने वाले समय में बोकारो नगर के निवासियों के लिए स्वास्थ्य एवं सामुदायिक गतिविधियों का एक प्रमुख केंद्र बनेगा।

राजीव गांधी जयंती को सद्भावना दिवस के रूप में मनाया

चंदनकियारी/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री एवं कंप्यूटर व सूचना क्रांति के जनक राजीव गांधी की जयंती को बोकारो जिला 20 सूत्री कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति के उपाध्यक्ष देवाशीष मंडल ने अपने आवासीय कार्यालय भोजुडीह में सद्भावना दिवस के रूप में मनाया। कार्यक्रम की शुरूआत राजीव गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर की गई, तत्पश्चात उपस्थित सभी नेताओं व कार्यकताओं ने श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर देवाशीष मंडल ने उनके जीवन एवं योगदान पर प्रकाश डालते हुए बताया कि राजीव गांधी का जन्म 20 अगस्त 1944 को हुआ था। पढ़ाई के बाद वे पायलट बने। 1980 में संजय गांधी के निधन के बाद उन्होंने सक्रिय राजनीति में कदम रखा और 1981 में अमेठी से सांसद चुने गए। इंदिरा गांधी की हत्या के बाद जब राजीव गांधी ने देश की बागडोर संभाली, तब उनके नेतृत्व में कांग्रेस को 414 सीटों के साथ ऐतिहासिक जीत मिली। उनके कार्यकाल में सूचना क्रांति, कंप्यूटर शिक्षा, पंचायती राज को मजबूती, महिलाओं को 33% आरक्षण, 18 वर्ष की उम्र में मतदान का अधिकार और जवाहर नवोदय विद्यालय जैसी ऐतिहासिक योजनाएं लागू की गईं, जिनका आज भी देश लाभ उठा रहा है। कार्यक्रम के अंत में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया।

शहीद टिकैत उमराव सिंह के सम्मान में पौधारोपण

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। 'स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण संस्थान' द्वारा आयोजित 'स्वतंत्रता सेनानी स्मृति-वृक्ष रोपण समारोह' के क्रम में पर्यावरण-मित्र वाटिका स्थित विद्यमान 'स्वतंत्रता सेनानी स्मृति उद्यान' में झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री सह धनबाद के पूर्व संसद पशुपति नाथ सिंह ने अमर स्वतंत्रता सेनानी शहीद टिकैत उमराव सिंह की याद में औषधीय वृक्ष कचनार का एक पौधा रोपित किया।

ज्ञात हो कि प्रख्यात शहीद टिकैत उमराव सिंह रांची जिला के ओरमांझी प्रखंड स्थित खटंगा गांव के निवासी थे और स्वतंत्रता संग्राम में शहीद विश्वनाथ सिंहदेव के साथ मिलकर अंग्रेजी सत्ता को उखाड़ फेंकने हेतु फिरंगियों के दांत खट्टे कर दिए थे। अंग्रेजों ने धोखे से इन्हें पकड़कर चूटू पालू घाटी में एक पेड़ पर फांसी पर लटका दिया था।संस्थान द्वारा इनके जन्म स्थल से लाई गई पवित्र मिट्टी पर ही आज पौधा रोपण कर इस अमर शहीद को श्रद्धांजलि दी गई और देश की आजादी में इनके योगदान और संघर्ष को याद किया गया। इस अवसर पर पूर्व सांसद पशुपति नाथ सिंह ने पौधा रोपित कर कहा कि स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण संस्थान द्वारा आयोजित 'स्वतंत्रता सेनानी स्मृति-वृक्ष रोपण समारोह' स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि देने और उन्हें याद करने का एक प्रशंसनीय सह अनूठी पहल है। संस्थान के महासचिव शशि भूषण ओझा 'मुकुल' ने कहा कि संस्थान के पर्यावरण प्रहरी सह देशभक्तों द्वारा स्वतंत्रता सेनानियों के घर जाकर उनके जन्म स्थल की पवित्र मिट्टी एकत्रित करने का कार्य किया जा रहा है। इस समारोह में सुरेन्द्र कुमार पांडेय, रघुवर प्रसाद, शशि भूषण ओझा 'मुकुल', अखिलेश ओझा, वीरेंद्र चौबे, मृणाल चौबे, भैया आर एन ओझा, हरेराम मिश्र, अशोक वर्मा, अक्षय दुबे, मनीष झा, अनुराग मिश्र, ललित प्रसाद, श्रीराम ओझा, राज रंजन सहित कई पर्यावरण प्रहरी और देशभक्त उपस्थित रहे।

झारखंड शोषण मुक्ति उलगुलान मंच ने की वेदांता ईएसएल स्टील लिमिटेड के खिलाफ आर्थिक नाकेबंदी

उग्र ग्रामीणों के हमले में थाना प्रभारी घायल

चंदनकियारी/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो जिले के चंदनकियारी प्रखंड अंतर्गत सियालजोरी थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह नियोजन की मांग को लेकर ग्रामीणों का आंदोलन उस समय उग्र हो गया, जब आंदोलनकारियों ने सियालजोरी थाना प्रभारी मनीष कुमार पर हमला कर दिया। घटना वेदांता इलेक्ट्रोस्टील लिमिटेड कंपनी के समीप स्थित अलकुशा मोड़ की है, जहां ग्रामीणों ने रोजगार की मांग को लेकर सड़क जाम कर दिया था। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी मनीष कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और आंदोलनकारियों को समझाने का

प्रयास करने लगे। उन्होंने प्रदर्शनकारियों से कहा कि वे सड़क जाम न करें और प्रशासन कंपनी प्रबंधन से वार्ता कराएगा। लेकिन बातचीत के दौरान स्थिति बिगड़ गई और आक्रोशित भीड़ ने थाना प्रभारी पर हमला कर दिया, जिससे उनका सिर फट गया। घटना के बाद भी अलकुशा मोड़ पर आंदोलन जारी रहा। गंभीर रूप से घायल थाना प्रभारी मनीष कुमार को इलाज के लिए बोकारो स्टील सिटी के सेक्टर-04 स्थित अस्पताल ले जाया गया। पुलिस प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रण में लेने के लिए अतिरिक्त बल की तैनाती कर दी है। इस घटना ने प्रशासनिक व्यवस्था और औद्योगिक क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

बायोमैट्रिक उपस्थिति नही बनाने पर 10 पंचायत सचिवों का रोका गया वेतन

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निदेर्शानुसार जिला के विभिन्न प्रखंडों के 10 पंचायत सचिवों के जुलाई माह का वेतन रोका गया है। साथ ही अग्रतर कार्रवाई हेतु भी अनुसंशा की गई है। उपायुक्त ने बताया की एग्यारकुंड प्रखंड अंतर्गत 06, बलियापुर प्रखंड अंतर्गत 01, धनबाद प्रखंड अंतर्गत 01, बाघमारा प्रखंड अंतर्गत 01 एवं गोविंदपुर प्रखंड अंतर्गत 01 पंचायत सचिव का वेतन रोका गया है। उन्होंने बताया की पंचायत सचिव पर यह कार्रवाई बायोमैट्रिक उपस्थिति दर्ज नही करने तथा पंचायत सचिवालय के जगह प्रखंड कार्यालय से उपस्थिति बनाने पर की गई है।

शत प्रतिशत दिव्यांग बच्चों को प्रदान करें सहायक उपकरण : उपायुक्त

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने जिले के सभी प्रखंड के 3 वर्ष से 18 वर्ष के दिव्यांग बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए उन्हें आवश्यक सहायक उपकरण प्रदान करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने वीडियो कॉन्फ्रेंस कर सभी झारखंड शिक्षा परियोजना, धनबाद से संयुक्त तत्वाधान में विभिन्न प्रखंडों में जांच व वितरण शिविर का आयोजन किया जाएगा। 25 अगस्त को पूर्वी टुंडी, 26 अगस्त को टुंडी, 28 अगस्त कलियासोल, 29 अगस्त एगारकुंड, 30 अगस्त धनबाद ग्रामीण एवं धनबाद शहरी, 1 सितंबर

प्रखंड विकास पदाधिकारी को प्रखंड स्तरीय जांच शिविर का आयोजन कर दिव्यांग बच्चों का प्रमाण पत्र निर्गत कर उनको आवश्यक सहायक उपकरण प्रदान करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इस कार्य में जिले का एक भी दिव्यांग बच्चा छुटना नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि जिले के सभी प्रखंड के 3 वर्ष से 18 वर्ष के दिव्यांग बच्चों को अवश्यक सहायक उपकरण प्रदान कर शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए एलिम्को, रांची तथा बलियापुर, 2 सितंबर झरिया, 8 सितंबर गोविंदपुर, 9 सितंबर निरसा, 10 सितंबर बाघमारा एवं 11 सितंबर 2025 को तोपचांची में जांच व वितरण शिविर का आयोजन किया जाएगा। वीडियो कॉन्फ्रेंस में उपायुक्त आदित्य रंजन, सिविल सर्जन डॉ आलोक विश्वकर्मा, जिला शिक्षा पदाधिकारी अभिषेक झा, जिला शिक्षा अधीक्षक आयुष कुमार, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी स्नेह कश्यप मौजूद थे।

18 से कम उम्र के बच्चों के लिए स्मार्टफोन एवं वाहन का उपयोग जहर के समान : एसएसपी

गोबिंदपुर/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। ग्लोबल स्कूल ऑफ इंडिया में सामुदायिक पुलिस परामर्श सह जनरल काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सभी छात्र-छात्राओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया एवं स्वागत नृत्य के साथ अतिथियों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे धनबाद के एस एस पी प्रभात कुमार, धनबाद के डी एस पी ट्रैफिक अरविंद कुमार सिंह, आई एस एम के प्रोफेसर (रिटायर्ड) एवं पूर्व विभागाध्यक्ष (मैनेजमेंट) प्रमोद कुमार पाठक, सीएमपीएफ के डिपुटी डायरेक्टर नफीस आलम, गोविंदपुर थाना प्रभारी विष्णु प्रसाद रावत एवं जिला परिषद सदस्य सोहराब अंसारी जी उपस्थित थे । कार्यक्रम के दौरान अतिथियों को शाल, पौधा एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया ।डॉ. एस. खालिद ने विद्यालय के उपलब्धियां को अतिथियों के साथ साझा किया। डॉ. प्रमोद पाठक ने स्मार्टफोन के फायदे एवं नुकसान से परिचित कराते हुए बच्चों को पुस्तकालय की ओर लौटने की सलाह दी। उन्होंने कहा ह्यफेस द बुक नौट फेस बुकह्न कवहीं डीएसपी अरविंद कुमार सिंह ने ट्रैफिक नियम समस्या एवं समाधान से बच्चों को अवगत कराया। सोहराब अंसारी ने अपने मुखारविंद से विद्यालय के कार्यों एवं उपलब्धियां की सराहना की ।वहीं नफीस आलम ने नागरिकों के अधिकार एवं कर्तव्य के बारे में विशेष रूप से चर्चा की।

डीएमएफटी के तहत स्वीकृत सभी योजनाओं को तय समय सीमा के अंदर पूरा करें : उपायुक्त

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त -सह- अध्यक्ष, जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) अजय नाथ झा की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में डीएमएफटी अनाबद्ध से संबंधित बैठक का आयोजन किया गया। मौके पर उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, अपर समाहर्ता मो मुमताज अंसारी, अनुमंडल पदाधिकारी चास प्रांजल ढांडा, भूमि सुधार उप समाहर्ता सह प्रभारी पदाधिकारी डीएमफटी प्रभास दत्ता, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, जिला योजना पदाधिकारी राजकुमार शर्मा सहित जिले के सभी कार्यकारी एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक में उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि डीएमएफटी से जिस भी विभाग का कार्य होगा उन विभाग के पदाधिकारी उस कार्य के लिए नोडल पदाधिकारी होंगे एवं समय पर कार्य पूर्णता की जिम्मेदारी उसी पदाधिकारी की होगी। उन्होंने सभी पदाधिकारियों को टीम वर्क के रूप में कार्य संपादित करने को कहा। साथ ही उन्होंने कहा कि डीएमएफटी के तहत स्वीकृत सभी योजनाओं को तय समय सीमा के अंदर पूरा करें।

समयबद्ध तरीके से गुणवत्तापूर्ण कार्य पूरा करने का निर्देश–

उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि जिले में संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा किया तथा कार्यकारी एजेंसियों को समयबद्ध तरीके से गुणवत्तापूर्ण कार्य पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि डीएमएफटी निधि से जिले के विकास के लिए महत्वपूर्ण योजनाएँ संचालित की जा रही हैं, जिनका लाभ आम जनता तक शीघ्र पहुँचना चाहिए। साथ ही बैठक में स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल, सड़क और अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की भी समीक्षा की गई।

योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त न करने की चेतावनी दी–

उपायुक्त अजय नाथ झा ने सभी एजेंसियों को पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ कार्य करने पर बल दिया तथा योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त न करने की चेतावनी दी।

खनन से प्रभावित क्षेत्र में आमजन को ध्यान में रखकर डीएमएफटी के तहत कार्य योजना बनाएं–

उपायुक्त अजय नाथ झा ने संबंधित पदाधिकारियो को निर्देशित करते हुए कहा कि खनन से प्रभावित क्षेत्र के विकास हेतु आमजन की सुविधा के दृष्टिगत योजनाओं को स्वीकृत करें। साथ ही ऐसे क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए प्रतिभागी परीक्षाओं की तैयारी के लिए कोचिंग संस्थानों की व्यवस्था करें।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145665 8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com

CMYK